@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चंडीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

रविवार 8 जून 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 संपादक- गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 208 qaumipatrikahindi 011-41509689,23315814,9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रूपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

देशभर की मस्जिदों में लाखों लोगों ने मांगी अमन-चैन की दुआ... दिग्गजों ने दी मुबारकबाद

नई दिल्ली । बकरीद के मौके पर देशभर की मस्जिदों में लाखों लोगों ने अमन और शांति की दुआ की। ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो गया, जहां लाखों लोग एकजुट होकर मुल्क की सलामती और अमन-चैन की दुआएं मांग रहे हैं। उत्तर प्रदेश से लेकर कर्नाटक, बिहार से दिल्ली तक, हर जगह लोग एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दे रहे हैं। देश की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खड़गे ने सभी मुस्लिम भाईयों का मुबारकबाद दी है।

राजधानी दिल्ली में भी बकरीद पर मस्जिदों में नमाज शांतिपूर्ण ढंग से अदा की जा रही है। डीसीपी विचित्र वीर ने बताया, कई दिनों से थाना और सब-डिवीजन स्तर पर तैयारियां की गई थीं। मस्जिद कमेटियों और अमन कमेटियों से संपर्क कर लोगों को शांतिपूर्ण नमाज और कुर्बानी के लिए जागरूक किया गया। पश्चिमी जिले में 29 मस्जिदें हैं, जिनमें कुछ बड़ी मस्जिदों में हजारों लोग नमाज के लिए जुटे। सभी जगह विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में ईद-उल-अजहा की नमाज कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुई। शहर की ईदगाह में सुबह से ही नमाजियों की भीड़ उमड़ पड़ी। जिला अधिकारी (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) सहित भारी पुलिस बल ईदगाह के बाहर मौजूद रहा, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके। अलीगढ़ और वाराणसी में भी बकरीद का उत्साह चरम पर रहा। मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा की गई और लोग एक-दूसरे को मुबारकबाद देते नजर आए। नमाजी आलम ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा, हमने मुल्क की सलामती और भाईचारे के लिए नमाज पढ़ी। आज का दिन खुशी का दिन है। हम चाहते हैं कि सभी लोग प्रेम और एकता के साथ रहें।

ईद-उल-अज़हा पर खुर्जा की ईदगाह में भी सैकड़ों की संख्या में नमाजी एकत्र हुए और नमाज अदा की। इस दौरान अतिरिक्त जिला अधिकारी (एडीएम), पुलिस अधीक्षक (देहात), उपजिलाधिकारी (एसडीएम) और क्षेत्राधिकारी (सीओ) सहित भारी पुलिस बल तैनात रहा। बुलंदशहर पुलिस अलर्ट मोड में है और हर गतिविधियों की ड्रोन से निगरानी कर रही है। प्रशासन ने लोगों से शांति और आपसी सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बकरीद की मुबारकबाद दी और अमन की दुआ मांगी।

पटना के गांधी मैदान में भी आज मुस्लिम समुदाय ने बकरीद की नमाज अदा की। नमाजियों ने देश में अमन, शांति और समृद्धि की दुआ मांगी। पटना स्थित मदरसा इस्लामिया के प्रिंसिपल एम. ए. कादरी नदवी ने कहा, ईद-उल-अज़हा का मतलब है अल्लाह के सामने समर्पण। कुर्बानी के जरिए हम बुराई को खत्म करने और अच्छाई का संकल्प लेते हैं। यह अल्लाह और बंदे के बीच एक वादा है। नमाज़ के दौरान बुराई से दूर रहने और भाईचारे को बढ़ावा देने की दुआ की गई। पुलिस ने सभी संवेदनशील स्थानों को चिह्नित कर सुरक्षा बल तैनात किए। सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की गई, ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके। वहीं, बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने बिहार के सुपौल में अपने पैतृक स्थान पर ईदगाह में सुबह करीब 7-30 बजे ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की। नमाज के बाद उन्होंने लोगों से गले मिलकर बकरीद की मुबारकबाद दी।कर्नाटक में भी बकरीद का त्योहार जोश और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा की गई, और लोग एक-दूसरे को गले लगाकर बधाई दी।

आतंकवाद कतई बर्दाश्त नहीं, एस जयशंकर की दो-टूक

- विदेश मंत्री ने साथ देने के लिए ब्रिटेन को कहा धन्यवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपना रहा है, उम्मीद है कि हमारे साझेदार इसे समझेंगे। यह बात भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ब्रिटेन के विदेश मंत्री के साथ बातचीत के दौरान कही। जयशंकर ने पहलगाम हमले की निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई का समर्थन करने के लिए

ब्रिटेन को धन्यवाद दिया। विदेश मंत्री ने कहाकि भारत कभी भी इस बात का समर्थन नहीं करेगा कि अपराध करने वालों को पीड़ितों के समान रखा जाए। इसके साथ ही जयशंकर ने हाल में हुए भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता, दोहरा अंशदान समझौता को मील का पत्थर बताया। गौरतलब है कि ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी व्यापार के साथ-साथ रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा के लिए शनिवार को भारत की दो-दिवसीय यात्रा पर आए हुए हैं। लैमी ने अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर के साथ व्यापक मुद्दों पर बातचीत की। जयशंकर ने इस दौरान भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते की भी तारीफ की। साथ ही उन्होंने इस समझौते को मील का पत्थर भी बताया है। जानकारी के मुताबिक ब्रिटेन के विदेश मंत्री से बातचीत के दौरान पाकिस्तान द्वारा सीमा पार से फैलाए जा रहे आतंकवाद पर भी बात हुई।

विशेष सत्र की मांग पर शरद पवार ने दिया कांग्रेस को झटका

- सुप्रिया सुले बोलीं- यह राजनीति का समय नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले और उसके बाद चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कांग्रेस लगातार विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रही है। इसके लिए कांग्रेस के नेताओं ने शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) से भी संपर्क किया लेकिन देश की सबसे पुरानी पार्टी को उस समय बड़ा झटका लगा जब शरद पवार की

बेटी और एनसीपी सांद सुप्रिया सुले ने 'यह समय नहीं है' कहकर इसे टाल दिया। इसका खुलासा उन्होंने खुद किया है। सुप्रिया सुले ने स्पष्ट किया कि यह समय सरकार से तीखे सवाल पूछने का नहीं, बल्कि दुनिया को भारत की एकजुटता दिखाने का है। सुप्रिया सुले ने बताया कि जब कांग्रेस ने उनसे विशेष सत्र के लिए पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए संपर्ककिया,तब वह विदेश मे डेलीगेशन के साथ यात्रा पर थीं। उन्होंने कहा, मैंने कांग्रेस से कहा कि मैं बाहर हूं और यह सही समय नहीं है।

नसलियों को मौत की नींद सुलने वाले बहादुर सिपाही से मिलने को उत्सकू हूंः अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। शाह ने कहा कि वह सफल अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जवानों से मिलने जल्द ही छत्तीसगढ़ आएंगे। शाह ने कहा कि हाल ही में नक्सलवाद के खिलाफ चलाए अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से मुलाकात की और इन अभियानों की ऐतिहासिक सफलता पर उन्हें बधाई दी। मैं उन जाबांज जवानों से मिलने के लिए भी उत्सुक हूं जिन्होंने अपनी बहादुरी से इन अभियानों को

सफल बनाया और जल्द ही छत्तीसगढ़ जाकर उनसे मिलूंगा।

दरअसल 6 जून को, मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नक्सलवाद को समाप्त करने के उद्देश्य से सफल अभियानों, आगे के रास्ते और राज्य के विकास पर चर्चा करने के लिए दिल्ली पहुंचे। अपने दौरे के दौरान, सीएम साय ने गृह मंत्री शाह और अभियानों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से भी मुलाकात की। एक महीने से भी कम समय में, दो नक्सल विरोधी अभियानों ने प्रतिबंधित सीपीआइ (माओवादी) के दो शीर्ष कमांडरों को मार गिराया है। 5 जून को, अधिकारियों ने पुष्टि की कि एक शीर्ष नक्सल नेता सुधाकर (उर्फ गौतम) का शव मिला है। 21 मई को, तीन सप्ताह से भी कम समय पहले, बसव राजू का शव बरामद किया गया था। राजू केंद्रीय समिति पोलित ब्यूरो के सदस्य और सीपीआई (माओवादी) के महासचिव थे, जिन्हें व्यापक रूप से नक्सल आंदोलन की रीढ़ के रूप में जाना जाता है।

डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर गठबंधन अब 25 छोटे द्वीपीय विकासशील देशों के साथ काम कर रहा है - पीएम

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के कारण तटीय क्षेत्रों और द्वीपों को गंभीर खतरा है। इन क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए मजबूत शुरुआती चेतावनी प्रणाली और बेहतर समन्वय आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'इस सम्मेलन का विषय : 'हमारा लचीला भविष्य -तटीय क्षेत्रों के लिए' है। हाल के दिनों में भारत और बांग्लादेश में चक्रवात 'रेमल', कैरेबियाई क्षेत्र में 'हैरिकेन बेरिल',

दक्षिण पूर्व एशिया में 'तूफान यागी', अमेरिका में 'हैरिकेन हेलेन', फिलीपींस में 'टाइफून उसागी' और अफ्रीका के हिस्सों में 'साइक्लोन चिडो' जैसे विनाशकारी तूफान आए। इन आपदाओं ने जीवन और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया।÷ पीएम मोदी ने 1999 के सुपर साइक्लोन और 2004 की सुनामी की भयावह अनुभवों को याद करते हुए बताया कि इन आपदाओं के बाद भारत ने संवेदनशील क्षेत्रों में चक्रवात आश्रयों का निर्माण किया और 29 देशों के लिए एक सुनामी चेतावनी प्रणाली विकसित करने में भी मदद की।

प्रधानमंत्री ने बताया कि डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर गठबंधन अब 25 छोटे द्वीपीय विकासशील देशों के साथ काम कर रहा है, जहां मजबूत घर, अस्पताल, स्कूल, ऊर्जा और जल सुरक्षा तथा प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियां विकसित की जा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए एक कुशल कार्यबल की आवश्यकता है।

नेशनल पार्क इलाके में लगातार तीसरे दिन भी मुठभेड़, सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता, दो और नक्सली ढेर

बीजापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ तीसरे दिन भी जारी रही। शनिवार को सुरक्षाबलों ने दो और नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया। घटनास्थल से ऑटोमैटिक हथियार और भारी मात्रा में गोलाबारूद भी बरामद किया गया है। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक ने इसकी पुष्टि की है। इससे पहले शुक्रवार, 6 जून को सुरक्षाबलों ने तेलंगाना राज्य समिति के शीर्ष नक्सली नेता भास्कर उर्फ मइलारापु अडेल्लू को मुठभेड़ में मार गिराया था। भास्कर सीपीआई (माओवादी) की तेलंगाना राज्य समिति के मंचेरियल-कोमरम भीम (स्व्यक्र) डिवीजन का सचिव था। उस पर 45 लाख रुपये का इनाम घोषित था। वह तेलंगाना के आदिलाबाद जिले के उरूमादला गांव का निवासी था और पार्टी की स्पेशल जोनल कमेटी (र्सेष्ट) का भी सदस्य था। इसी अभियान के तहत 5 जून को केंद्रीय समिति के सदस्य और शीर्ष नक्सली नेता गौतम उर्फ सुधाकर को भी ढेर किया गया था। उसके पास से भी एक ्च-47 राइफल और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई थी। सुधाकर पर एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। अब तक इस अभियान में सुरक्षाबलों ने कुल चार नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है, जिनमें दो शीर्ष स्तर के कमांडर शामिल हैं।

ग्यारह साल में 27 करोड़ भारतीय अत्यधिक-गरीबी से निकले बाहर

- वर्ल्ड बैंक ने कहा-भारत में एक्स्ट्रीम पॉवर्टी 27.1 से घटकर 5.3 फीसदी रह गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में 11 साल में 269 मिलियन यानी करीब 27 करोड़ लोग एक्स्ट्रीम पॉवर्टी यानी अत्यधिक गरीबी से बाहर निकले हैं। यह बात वर्ल्ड बैंक ने अपनी एक रिपोर्ट में कही है। वर्ल्ड बैंक के लेटेस्ट आंकड़ों के मुताबिक, एक्स्ट्रीम पॉवर्टी रेट 2011-12 में 27.1 फीसदी से घटकर 2022-23 में केवल 5.3 फीसदी रह गई है। वहीं 11 साल में अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 344.47 मिलियन (34.44 करोड़) से घटकर 75.24 मिलियन (7.52 करोड़) रह गई है। इस हिसाब से देखा जाए तो 269 मिलियन यानी करीब 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया। यह प्रोग्रेस पिछले दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लिडरशिप में पॉलिसी इनिशिएटिव और इकोनॉमिक रिफॉर्म्स के चलते देखने को मिली है। आंकड़ों के अनुसार, पांच राज्यों- उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार,

पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में 2011-12 में देश के 65 फीसदी अत्यंत गरीब लोग थे। अब इन पांज राज्यों ने ही 2022-23 तक राष्ट्रीय गरीबी में कमी में दो-तिहाई का योगदान दिया है।

वर्ल्ड बैंक ने गरीबी का आंकलन 3.00 डॉलर प्रति दिन (2021 की कीमतों) की इंटनेशनल पॉवर्टी लाइन के अनुसार किया है। यह ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गरीबी में तेज गिरावट को दर्शाता है। इसी अवधि में ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 18.4 फीसदी से घटकर 2.8 फीसदी प्रतिशत हो गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 10.7 फीसदी से घटकर 1.1 फीसदी पर आ गई है। 2.15 डॉलर प्रति दिन (2017 की कीमतों) के पहले के बेंचमार्क का हिसाब से देखा जाए, तो गरीबी दर 2011-12 में 16.2 फीसदी से घटकर 2022 में सिर्फ 2.3 फीसदी रह गई है।

इस सीमा से नीचे रहने वाले भारतीयों की संख्या 2011 के 205.93 मिलियन (20.59 करोड़) से घटकर 2022 में 33.66 मिलियन (3.36 करोड़) हो गई है। भारत ने मल्टीडाइमेंशनल पॉवर्टी यानी बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी बड़ी कामयाबी हासिल की है।

केदारनाथ जा रहे हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग, टला खतरा

- पायलट हो गया घायल, बाल-बाल बचे सवार श्रद्धालु

उत्तराखंड (एजेंसी)। उत्तराखंड में एक बड़ा हादसा टल गया। यहां सड़क पर एक हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। जिस समय में ये लैंडिंग हुई उस समय हेलीकॉप्टर में कुछ लोग भी सवार थे। हालांकि वह सभी सुरक्षित है और पायलट को मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के मुताबिक हेलीकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर केदारनाथ जा रहा था। इसी दौरान हाईवे पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग हुई जिसमें श्रद्धालु बाल-बाल बच गए। सड़क पर इमरजेंसी लैंडिंग

के बाद हेलीकॉप्टर का पिछला हिस्सा कार पर गिर गया जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। ये लैंडिंग तकनीकी खराबी के चलते करानी पड़ी। उत्तराखंड के एडीजी कानून व्यवस्था डॉ. वी. मुरुगेशन ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि रुद्रप्रयाग जिले के गुप्तकाशी में एक निजी हेलीकॉप्टर को तकनीकी खराबी के कारण आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप-मस्क टकराव खुलकर आया सामने, ट्रंप बोले : मैं एलन से बेहद निराश हूं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला प्रमुख एलन मस्क के बीच गहराता विवाद अब सार्वजनिक मंचों पर सामने आ गया है।कभी घनिष्ठ माने जाने वाले ये दोनों दिग्गज अब एक-दूसरे की नीतियों और बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। ट्रंप द्वारा प्रस्तावित टैक्स और खर्च से जुड़ा वन बिग ब्यूटीफुल बिल इस तकरार का मुख्य कारण बन गया है, जिसे मस्क ने खुले तौर पर निरस्त करने की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मैं माफी चाहता हूं, लेकिन अब सहन नहीं कर सकता... यह खर्च भरा, भ्रष्ट और घिनौना विधेयक शर्मनाक है। जिन्होंने भी इसके पक्ष में वोट किया, उन्हें खुद पर शर्म आनी चाहिए। इस बयान के जवाब में ट्रंप ने मस्क पर तीखा हमला करते हुए कहा, मैं एलन से बेहद निराश हूं। एलन इस बिल के अंदरूनी पहलुओं को उन लोगों से बेहतर जानता था जो यहां बैठे हैं।उसे बिल की हर बात पता थी लेकिन अचानक जब उसे पता चला कि हमें इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अनिवार्यता में कटौती करनी पड़ेगी जो अरबों डॉलर का नुकसान है, तब उसे परेशानी हुई। ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि मस्क को तब तक कोई आपत्ति नहीं थी जब तक वह डिपार्टमेंट ऑफ ग्रीन एजेंडा (डीओजीई) से नहीं निकले थे।उन्होंने कहा कि मस्क ने पहले मेरे बारे में बहुत अच्छी बातें कही थीं।उसने अब तक मेरे खिलाफ कुछ बुरा नहीं कहा है, लेकिन शायद अगली बारी मेरी है।

इजराइल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के सामरिक ठिकाने ध्वस्त किए

बेरूत (लेबनान), एजेंसी। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दक्षिणी लेबनान के उपनगर दहिह में ईरान समर्थित आतंकी समूह हिजबुल्लाह के यूएवी उत्पादन केंद्र और भंडारण स्थलों को नेतस्तनाबूत कर दिया। आईडीएफ ने एक्स पर कहा कि हिजबुल्लाह के सामरिक ठिकानों पर रात को हवाई हमला किया। इस हमले में एक ड्रोन निर्माण कार्यशाला को मिट्टी में मिला दिया गया। द टाइम्स ऑफ इजराइल की खबर के अनुसार, आईडीएफ ने गुरुवार रात 10 बजे के बाद बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में कई इमारतों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। इन इमारतों का प्रयोग हिजबुल्लाह ड्रोन बनाने में करता था। हवाई हमले से पहले दक्षिणी लेबनान के एक शहर में निकासी चेतावनी भी जारी की गई। आईडीएफ के अनुसार, हिजबुल्लाह ने इमारतों के तहखाने का प्रयोग ड्रोन निर्माण (यूनिट 127) के लिए करता था।

बांग्लादेश में ट्रेन और वाहनों की टक्कर में तीन की मौत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में कल रात एक रेलगाड़ी और कुछ वाहनों की टक्कर में कम से कम तीन व्यक्तियों की मौत हो गई। इस वजह से काफी समय तक रेल और सड़क यातायात बाधित रहा।रात साढ़े बजे यह हादसा कर्णफुली नदी पर कलुरघाट पुल पर हुआ। ढाका ट्रिब्यून अखबार के अनुसार, चटगांव के कलुरघाट पुल पर ढाका जाने वाली एक ट्रेन और सीएनजी से चलने वाले ऑटो रिक्शा के बीच टक्कर हो गई। इसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। मृतकों में से एक की पहचान दुर्घटना में शामिल ऑटो-रिक्शा के चालक तुषार के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कॉक्स बाजार से आने वाली ट्रेन ने रात करीब 10:30 बजे पुल पर प्रवेश करते समय ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी।इसके बाद ट्रेन ने मोटरसाइकिलों सहित कई अन्य वाहनों को टक्कर मार दी।

अमेरिका ने नेपाल का स्पेशल स्टेटस रद्द किया, 7000 नागरिकों को यूएस छोड़ने का आदेश

काठमांडू, एजेंसी। अमेरिका ने नेपाल का स्पेशल स्टेटस (विशेष संरक्षित सुविधा) रद्द करने की घोषणा की है। अमेरिका में इस सुविधा का उपयोग कर रह रहे 7000 से अधिक नेपाली नागरिकों को अमेरिका छोड़ कर जाने को कहा गया है। अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने नेपाल को अब तक दिए जाने वाले टेंपररी प्रोटेक्टेड स्टेट्स को रद्द कर दिया है।इससे अमेरिका में रहने वाले 7,000 से अधिक नेपाली नागरिक प्रभावित हुए हैं। फेडरल रजिस्टर में शुक्रवार को प्रकाशित एक नोटिस के मुताबिक डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी की सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने नेपाल को अब तक दिए जाने वाले टेंपररी प्रोटेक्टेड स्टेट्स को रद्द करते हुए कहा है कि नेपाल अब इसके मापदंडों पर खरा नहीं उतरता है।

ओम बिरला ने ब्रिक्स फोरम में ईरान के स्पीकर से मुलाकात की, चाबहार बंदरगाह के जरिए कनेक्टिविटी बढ़ाने पर चर्चा हुई

ब्रासीलिया, एजेंसी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में आयोजित 11वें ब्रिक्स संसदीय मंच के दौरान ईरान की संसद (मजलिस) के अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद बाघेर ग़ालिबफ से मुलाकात की। इस बैठक में दोनों नेताओं ने भारत और ईरान के बीच पुराने और दोस्ताना रिश्तों पर बातचीत की। उनकी बातचीत का मुख्य विषय भारत और ईरान के रिश्तों को मजबूत करना था। इसमें चाबहार बंदरगाह का भी ज़िक्र हुआ, जो दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और अन्य क्षेत्रों के साथ संपर्क बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी बातचीत की मुख्य बातें साझा कीं। ओम बिरला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ब्रासीलिया में 11वें ब्रिक्स संसदीय मंच के दौरान ईरान की संसद (मजलिस) के अध्यक्ष, महामहिम डॉ. मोहम्मद बाघेर ग़ालिबफ़ से गर्मजोशी से बातचीत हुई। इस मुलाकात में भारत और ईरान के पुराने और दोस्ताना संबंधों पर चर्चा हुई। बातचीत में चाबहार बंदरगाह के जरिए आपसी संपर्क बढ़ाने, संसदीय सहयोग मजबूत करने और क्षेत्रीय व वैश्विक चुनौतियों का समाधान तलाशने पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्होंने आगे कहा, आतंकवाद से मुकाबले के लिए वैश्विक स्तर पर मिलकर ठोस प्रयास करने की ज़रूरत को भी रेखांकित किया गया और इस दिशा में ईरान के सहयोग की सराहना की गई। इसके साथ ही, भारत की यह प्रतिबद्धता दोहराई गई कि वह कानूनी उपायों, तकनीकी सुधारों और संबंधित एजेंसियों के बेहतर तालमेल के ज़रिए आतंकवाद से सख्ती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। डॉ. ग़ालिबफ़ को 2026 में भारत में होने वाले ब्रिक्स संसदीय मंच में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया गया। बिरला ने समावेशी तकनीकी विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी बताया। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर भारत के दृष्टिकोण पर भी बात की, जिसे उन्होंने ÷हमारे प्राचीन सभ्यतागत मूल्यों और आधुनिक तकनीकी नवाचार का अनूठा मेल कहा। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में कहा, जिम्मेदार और समावेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए अंतर-संसदीय सहयोग विषय पर आयोजित सत्र में बिरला ने एआई को लेकर भारत का दृष्टिकोण साझा किया। उन्होंने बताया कि भारत एआई को प्राचीन मूल्यों और आधुनिक तकनीकी नवाचार का मेल मानता है।

उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, जिम्मेदार और समावेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए अंतर-संसदीय सहयोग विषय पर आयोजित सत्र में, भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर दृष्टिकोण पर चर्चा की गई। इसमें बताया गया कि भारत एआई को अपने प्राचीन सभ्यतागत मूल्यों और आधुनिक तकनीकी नवाचार का अनोखा मेल मानता है। उन्होंने कहा, यह दृष्टिकोण दिखाता है कि एआई मानव-केंद्रित होना चाहिए, जो न्याय, समानता और मानवाधिकारों जैसे मूल्यों की सेवा करे। बिरला ने बताया कि भारत किस तरह एआई का इस्तेमाल स्वास्थ्य सेवा, कृषि, जलवायु परिवर्तन, शिक्षा और शासन जैसे अहम क्षेत्रों में कर रहा है, ताकि हर नागरिक को इसका लाभ मिले-खासकर समाज के सबसे कमजोर वर्गों को।

शशि थरूर के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस से की मुलाकात

वाशिंगटन, एजेंसी। शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को वाशिंगटन में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के साथ एक बैठक की, जिसमें उन्हें ऑपरेशन सिंदूर , भारत द्वारा सामना किए जा रहे आतंकवाद और क्षेत्रीय सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई। अमेरिका में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ÷डॉ. शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने आज सुबह उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस से मुलाकात की। बातचीत में आतंकवाद विरोधी क्षेत्र में सहयोग सहित भारत-अमेरिका साझेदारी को मजबूत करने पर फोकस किया गया।÷ थरूर ने बैठक के बाद एक्स पर लिखा, ÷आज वाशिंगटन डीसी में हमारे प्रतिनिधिमंडल के साथ उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के साथ शानदार बैठक हुई। हमने आतंकवाद विरोधी प्रयासों से लेकर तकनीकी सहयोग बढ़ाने तक कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए यह वास्तव में रचनात्मक और उत्पादक आदान-प्रदान था। जब पहलगाम में 22 अप्रैल को जघन्य आतंकवादी हमला हुआ, तब वेंस भारत दौरे पर थे। समर्थन और एकजुटता के एक मजबूत संदेश में अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन करके आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की थी और कहा था कि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त लड़ाई में सभी प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। उन्होंने एक्स पर लिखा था, उषा और मैं भारत के पहलगाम में हुए विनाशकारी आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। पिछले कुछ दिनों में, हम इस देश और इसके लोगों की खूबसूरती से अभिभूत हैं। इस भयावह हमले में हमारे विचार और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। इससे पहले दिन में थरूर ने विदेश संबंध परिषद में राजदूत केन जस्टर के साथ आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई पर बात की। प्रतिनिधिमंडल में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की शांभवी चौधरी, झारखंड मुक्ति मोर्चा के सरफराज अहमद, शिवसेना के मिलिंद मुरली देवड़ा, भाजपा के भुवनेश्वर कलिता और तेजस्वी सूर्या, तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगी तेलुगू देशम पार्टी के जी.एम. हरीश बालयोगी शामिल हैं।

अफ्रीकी संघ ने अमेरिकी यात्रा प्रतिबंध पर चिंता व्यक्त की

अदीस अबाबा, एजेंसी। अफ्रीकी संघ (एयू) ने अमेरिका द्वारा हाल ही में लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों के संभावित नकारात्मक प्रभाव पर चिंता व्यक्त की है, जो अफ्रीका सहित कई देशों के नागरिकों को प्रभावित करते हैं। अफ्रीकी संघ आयोग (एयूसी) ने गुरुवार को जारी एक बयान में सभी देशों के संप्रभु अधिकार को स्वीकार किया कि वे अपनी सीमाओं की रक्षा करें और अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

हालांकि, इसने अमेरिका से इस अधिकार का प्रयोग ऐसे तरीके से करने का आग्रह किया जो संतुलित, साक्ष्य-आधारित और अमेरिका तथा अफ्रीका के बीच लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को दर्शाता हो। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, बयान में कहा गया कि एयूसी लोगों के बीच संबंधों, शैक्षिक आदान-प्रदान, वाणिज्यिक जुड़ाव और व्यापक राजनयिक संबंधों पर ऐसे उपायों के संभावित नकारात्मक प्रभाव के बारे में चिंतित है, जिन्हें दशकों से सावधानीपूर्वक पोषित किया गया है। एयूसी ने अमेरिकी प्रशासन से अधिक परामर्शात्मक दृष्टिकोण अपनाने तथा प्रभावित देशों के साथ रचनात्मक बातचीत करने पर विचार करने का भी आह्वान किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिम का हवाला देते हुए बुधवार शाम कुछ देशों से यात्रा पर प्रतिबंध लगाने संबंधी घोषणा पर हस्ताक्षर किए।

रूस का कीव पर ड्रोन और क्रूज मिसाइल हमला, मेट्रो रेल ट्रैक क्षतिगस्त

कीव (यूक्रेन), एजेंसी। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव में ड्रोन और क्रूज मिसाइल हमला कर बड़ा नुकसान किया है। रूस के हमले में कई मेट्रो रेल ट्रैक क्षतिगस्त हो गए हैं। रात भर हुए हमले में कम से कम तीन नागरिक घायल हुए हैं। कुछ दिनों से यूक्रेन और रूस के बीच हमलों में वृद्धि हुई है। यूक्रेन की वायुसेना ने कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले की सूचना दी है। यूक्रेन ने कहा है कि कीव में वायु रक्षा प्रणाली को सक्रिय कर दिया गया है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि रात भर हुए रूसी हमलों में तीन लोग घायल हुए हैं। उन्होंने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि रूसी ड्रोन कीव में प्रवेश कर रहे हैं। लोगों से सुरक्षित आश्रय स्थलों में रहने का आग्रह किया गया है। क्लिट्स्को ने कुछ देरबाद बताया कि घायलों में से दो को अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक का मौके पर ही इलाज किया गया। कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पोस्ट में कहा कि रूस के हमलों में राजधानी कीव में दो स्टेशनों के बीच मेट्रो ट्रैक क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत यह रही कि कहीं आग नहीं लगी और ना ही कोई हताहत हुआ। तकाचेंको ने इससे पहले सूचना दी थी कि कीव पर संयुक्त हमला शुरू हो गया है। हवाई रक्षा प्रणाली को सक्रिय कर दिया गया है। यूक्रेन की वायुसेना ने स्थानीय यूक्रेनी समयानुसार सुबह लगभग 4:30 बजे यूक्रेन के लुत्स्क,

चेर्निहिव, ल्वीव और रिव्ने क्षेत्रों में क्रूज मिसाइल दागने की सूचना दी है। चेर्निहिव में ऊंची इमारत को निशाना बनाया गया। चेर्निहिव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख दिमित्री ब्रायजिन्स्की ने कहा कि शहर में अभी भी हमला हो रहा है। यूक्रेन और रूस के बीच हमलों में वृद्धि तब हुई है जब अमेरिका की मध्यस्थता से शुरू की गई शांति वार्ता विफल हो गई है। यूक्रेन और रूस के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल सोमवार को तुर्किये के इस्तांबुल में दूसरे दौर की वार्ता के लिए मिले थे। इसके बाद बुधवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर चर्चा भी की। इस बीच एबीसी न्यूज ने उपग्रह इमेजरी के अध्ययन से दावा किया है कि रूस के खिलाफ यूक्रेन के ड्रोन हमले में कम से कम 11 रूसी बमवर्षक विमान और एक बड़ा परिवहन विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने इस गुप्त ऑपरेशन को इतिहास की किताबों में दर्ज होने वाला ऑपरेशन बताया।

संयुक्त अरब अमीरात में ईद-अल-अजहा की नमाज अदा की गई

अबूधाबी, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात में आज भोर की पहली किरण फूटते ही ईद-अल-अजहा की भावना समुदायों में जीवंत हो उठी। मस्जिदों और खुले प्रार्थना स्थलों में मुसलमानों ने ईद अल अजहा की नमाज पढ़ी। इसके बाद एक-दूसरे को बधाई दी। ईद-उल-अजहा को बकरा ईद, बकरीद, बखरीद, ईद-अल-अजहा, ईद-कुर्बान, कुर्बान बयारामी या बलिदान के पर्व के रूप में भी जाना जाता है। यह त्योहार पैगंबर इब्राहिम के विश्वास की परीक्षा की याद में मनाया जाता है। खलीज टाइम्स अखबार के मुताबिक, आज लोग बकरा, भेड़ या ऊंट जैसे पशुओं की कुर्बानी भी देते हैं। संयुक्त अरब अमीरात के निवासी आज सुबह ईद-उल-अजहा की नमाज अदा करने के लिए मस्जिदों और खुले प्रार्थना स्थलों पर एकत्र हुए। दुबई में अल फारूक उमर बिन अल खत्ताब मस्जिद (ब्लू मस्जिद) में बड़ी संख्या में नमाज अदा करने के लिए एकत्र हुए। इस बीच राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने आज के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। इसमें आज पूरे देश में तापमान बढ़ने की चेतावनी दी गई है। आंतरिक क्षेत्रों में 39 डिग्री सेल्सियस और 44 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान रहने की उम्मीद है। तटीय क्षेत्रों और द्वीपों में अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में 30 डिग्री सेल्सियस से 34 डिग्री सेल्सियस तक तापमान रहेगा। आसमान साफ रहेगा और आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

शी जिनपिंग ने सैन्य सुविधाओं के निर्माण पर विनियम जारी करने के आदेश पर किए हस्ताक्षर

बीजिंग, एजेंसी। चीनी केंद्रीय सैन्य आयोग के अध्यक्ष शी जिनपिंग ने हाल ही में सैन्य सुविधाओं के निर्माण पर विनियम जारी करने के आदेश पर हस्ताक्षर किए, जो 1 अगस्त 2025 से प्रभावी होंगे। यह विनियम सैन्य शक्ति को मजबूत करने के बारे में शी जिनपिंग के विचारों को पूरी तरह से लागू करता है, नए युग के सैन्य रणनीतिक दिशानिर्देशों को पूरी तरह से लागू करता है, युद्ध की तैयारी पर ध्यान केंद्रित करता है, नए नेतृत्व और कमांड सिस्टम और समर्थन मॉडल के अनुकूल होता है, और सैन्य सुविधा निर्माण के बुनियादी सिद्धांतों, प्रबंधन प्रणाली, संचालन तंत्र और कार्य प्रणाली को वैज्ञानिक रूप से मानकीकृत करता है। यह सैन्य सुविधा निर्माण कार्य के लिए एक महत्वपूर्ण आधार है। विनियम में कुल 11 अध्याय और 63 धाराएं हैं। विनियम निर्माण श्रृंखला, प्रबंधन श्रृंखला और पर्यवेक्षण श्रृंखला को सुव्यवस्थित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, और सैन्य सुविधा निर्माण योजना प्रबंधन, परियोजना अनुमोदन, इंजीनियरिंग अनुबंध, सर्वेक्षण और डिजाइन, निर्माण प्रबंधन, आपातकालीन निर्माण, सुरक्षा और गोपनीयता, पर्यवेक्षण और जवाबदेही आदि पहलुओं से प्रबंधन प्राधिकरण को स्पष्ट करते हैं, प्रक्रिया तंत्र को अनुकूलित करते हैं और व्यावहारिक परिणामों को समेकित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, ताकि सैन्य सुविधा निर्माण की गुणवत्ता, दक्षता और समर्थन क्षमताओं में सुधार के लिए मजबूत कानूनी गारंटी प्रदान की जा सके।

एपस्टीन फाइलों से जुड़े आरोपों के बीच एलन मस्क की ट्रंप के खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग : रिपोर्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एलन मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग की है। मस्क ने दावा किया है कि ट्रंप का नाम एपस्टीन फाइल्स में है। इसके साथ ही मस्क ने स्पेसएक्स प्रोग्राम को बंद करने की घोषणा की। एक्स पर एक पोस्ट में मस्क ने कहा, ÷मेरे सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स को रद्द करने के राष्ट्रपति के बयान के मद्देनजर, स्पेसएक्स अपने ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट को तुरंत बंद करना शुरू कर देगा। अमेरिकी मीडिया आउटलेट सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसने अतीत में नासा के दो अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने में मदद की थी। ये अंतरिक्ष यात्री नौ महीनों तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में फंसे रहे थे। इसके अतिरिक्त, यह इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर कार्गो और लोगों को ले जाने के लिए भी जरूरी है। स्पेस एक्स ने कहा कि ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट ÷वर्तमान में उड़ान भरने वाला एकमात्र स्पेसक्राफ्ट है, जो पृथ्वी पर महत्वपूर्ण मात्रा में कार्गो वापस लाने में सक्षम है। रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप और मस्क के बीच संबंध तब और खराब हो गए, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने एलन की सरकारी सब्सिडी और कॉन्ट्रैक्ट्स को खत्म करने की धमकी दी। यह एक ऐसा कदम है, जो दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति के बिजनेस को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। इससे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर प्रभाव दिख सकता है। ट्रंप ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर

लिखा, हमारे बजट, अरबों और अरबों डॉलर में पैसे बचाने का सबसे आसान तरीका एलन की सरकारी सब्सिडी और कॉन्ट्रैक्ट्स को खत्म करना है। मुझे हमेशा आश्चर्य होता था कि बाइडेन ने ऐसा क्यों नहीं किया ! इस बीच मस्क ने आरोप लगाया कि ट्रंप का नाम एपस्टीन फाइलों में है और इस वजह से जांच के विवरण और निष्कर्षों को जनता के सामने पेश नहीं किया गया है। मस्क ने एक्स पर लिखा, वास्तव में बड़ा बम गिराने का समय आ गया है- डोनाल्ड ट्रंप एपस्टीन फाइलों में हैं। यही असली कारण है कि उन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया है।

आपका दिन शुभ हो, डीजीटी ! एपस्टीन के आरोप के जवाब में, व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा, ÷यह एलन का एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण है, जो वन बिग ब्यूटीफुल बिल से नाखुश हैं, क्योंकि इसमें वे नीतियां शामिल नहीं हैं, जो वह चाहते थे। राष्ट्रपति इस ऐतिहासिक कानून को पारित करने और हमारे देश को फिर से महान बनाने पर फोकस कर रहे हैं। ट्रंप ने गुरुवार को ओवल ऑफिस प्रेस कॉन्फ्रेंस में संकेत दिया कि टेस्ला के सीईओ उनके वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट का विरोध करते हैं, क्योंकि वह इलेक्ट्रिक व्हीकल इन्सेन्टिव को हटाए जाने से नाराज हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि वह मस्क के साथ दोस्त बने रहेंगे। इसके साथ ही ट्रंप ने आरोप लगाया कि मस्क बिल के अंदरूनी कामकाज को जानते थे। मस्क ने ट्रंप को जवाब देते हुए एक ट्वीट किया, ÷बहुत अनुचित है कि तेल और गैस सब्सिडी को बिल में छोड़ दिया गया था। इसके बाद के ट्वीट में उन्होंने कहा, यह बिल मुझे एक बार भी नहीं दिखाया गया और रात के अंधेरे में इतनी तेजी से पारित किया गया कि कांग्रेस में लगभग कोई भी इसे पढ़ भी नहीं सका !

रूम पर आई प्रेमिका को मार सूटकेस में भरा

कौमी पत्रिका संवाददाता

पिलखुवा, 7 जून। यूपी के हापुड़ स्थित पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र के सिखेड़ा गांव में छह दिन पूर्व सड़क किनारे रजवाहे के पास सूटकेस में मिली महिला की लाश की पहचान दिल्ली के मयूर विहार निवासी नीलेश (30 वर्ष) के रूप में हुई है। 28 मई को परिजनों द्वारा उसके गुमशुदा होने की रिपोर्ट मयूर विहार थाने में दर्ज की गई थी। पहचान के बाद पुलिस ने हत्या के आरोप में प्रेमी सतेंद्र यादव निवासी गांव रहुटाखेर जिला चित्रकूट को गिरफ्तार किया है। वह वेस्ट दिल्ली के मोहल्ला विनोद नगर में किराए पर रहता था। सीओ अनीता चौहान ने बताया कि मृतका का शव 30 मई को राजवाहे के पास झाड़ियों में अटके सूटकेस से बरामद हुआ था। शव की स्थिति बेहद खराब थी। महिला की गला दबाकर हत्या की गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हुई थी। सीओ ने बताया अब पहचान हो जाने के बाद पुलिस ने आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने निलेश से 5.25 लाख रुपये उधार लिए थे। जिन्हें चुकाने के लिए वह लगातार उस पर दबाव बना रही थी। 28 मई की रात को नीलेश सतेंद्र से मिलने उसके कमरे पर गई थी। जहां दोनों में विवाद होने के बाद सत्येंद्र ने उसका चुन्नी से गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को आसमानी रंग के सूटकेस में बंद कर कर सिर्फ पिलखुवा लाया और यहाँ सिखेड़ा रजवाहे में उसे ठिकाने लगा दिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मृतक निलेश का बैंक पासबुक, एक चेक और आधार कार्ड आदि बरामद किया है।

देवप्रयाग में बस व टैक्सी की भीषण टक्कर

कौमी पत्रिका संवाददाता

देवप्रयाग, 7 जून। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर मंगलवार को एक हार हादसे का शिकार हो गई। देवप्रयाग में एक बस और टैक्सी की आमने-सामने से टक्कर हो गई, जिसमें छह लोग घायल हो गए हैं। घायलों को सीएचसी पाली भेजा गया है। थानाध्यक्ष महिपाल सिंह रावत ने बताया की श्रीनगर से ऋषिकेश जा रही हिमगिरी की बस और ऋषिकेश से श्रीनगर की ओर जा रही टैक्सी के बीच रघुनाथ होटल के पास आपस में टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि टैक्सी चालक भजनलाल निवासी रुद्रप्रयाग द्वारा गलत साइड में वाहन चलाने के कारण यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टैक्सी में सवार छह लोग घायल हो गए, जिनमें से की हड्डियों में फ्रैक्चर है। सूचना मिलते मौके पर पहुची पुलिस ने घायलों को सीएचसी पाली में भर्ती किया। घायल में मोक्षिका कश्यप(6) पुत्री मनीष कश्यप, सदर बाजार, दिल्ली ,कामनी कश्यप(49) पत्नी मनीष कश्यप, सरोज कदम पुत्री राजेंद्र कुमार, दिल्ली ,मुन्नी देवी पत्नी राजेंद्र कुमार, राजेश पुत्र शिव पुजन, ग्राम बधोली, संतकबीरनगर ,पूनम पत्नी राजेश ग्राम बधोली संतकबीर नगर के रहने वाले हैं। सभी घायलों को पुलिस की गाड़ी से देवप्रयाग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद दोनों वाहनों को क्रेन की मदद से सड़क किनारे हटा कर यातायात सुचारू रूप कर दिया गया है।

देहरादून में 10 जून को जुटेंगी देश की नामचीन हस्तियां

देहरादून, 7 जून। देवभूमि के विकास पर मंथन के लिए राजधानी में अमर उजाला की ओर से संवाद उत्तराखंड का आयोजन 10 जून को होगा। इसमें देश की नामी गिरामी हस्तियां एक मंच पर राजनीति, सुरक्षा, सिनेमा, खेल और अध्यात्म पर चर्चा करेंगी। उत्तराखंड के विकास और प्रदेश के युवाओं के कॅरिअर व भविष्य की योजनाओं पर भी बात होगी। हरिद्वार बाइपास स्थित होटल सेफर्ट सरोवर प्रीमियर में आने वाले संवाद उत्तराखंड में इस बार कई हस्तियां आकर्षण का केंद्र होंगी। ऐसे सेलिब्रिटी मौजूद होंगे, जिन्होंने अपने प्रेरणादायी कार्यों से देश और समाज को प्रेरित किया। दिनभर राज्य से जुड़े अलग-अलग मुद्दों पर कार्यक्रम में चर्चा होगी। पर्यटन से लेकर फिल्म संस्कृति का अलग-अलग सत्र होगा। हर सत्र में उस क्षेत्र से जुड़े देश के नामी विशेषज्ञ अपने विचार रखेंगे। वह सवालों के जवाब भी देंगे। नीति नियंताओं से लेकर विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी विशेषज्ञ, अफसरों से लेकर युवा कार्यक्रम में शामिल होंगे। संवाद में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, मशहूर कमेंटेटर व पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी, परमवीर चक्र विजेता योगेंद्र सिंह यादव, सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर लखन रावत, नीतू बिष्ट व तान्या मित्तल, मोटिवेशनल स्पीकर गौर गोपाल दास, आध्यात्मिक गुरु स्वामी कैलाशानंद गिरी, मिराई एसेट के वाइस चेयरमैन व सीईओ स्वरूप मोहंती, वेंचर कैटलिस्ट डॉ. अपूर्व रंजन शर्मा शामिल होंगे।

त्रिवेणी वन बसाकर महाकुंभ की स्मृति को ताजा रखेगी योगी सरकार

कौमी पत्रिका संवाददाता

लखनऊ, 7 जून: योगी सरकार पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ जनअभियान-2025 के अंतर्गत 35 करोड़ पौधरोपण करेगी। 2025 में महाकुम्भ की स्मृतियों को ताजा रखने के लिए सभी 75 जनपदों में योगी सरकार की तरफ से त्रिवेणी वन भी लगाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण दिवस पर 5 जून को अयोध्या में त्रिवेणी वन का आगाज किया था। आध्यात्मिक रूप से त्रिदेव व त्रिवेणी को ध्यान में रखकर इस वन की स्थापना होगी। वहीं विभाग ने इस वन के माध्यम से पर्यावरण को समृद्ध बनाने, वायु शुद्धता, भूमि पोषण और जैव विविधता की तरफ सकारात्मक कदम बढ़ाया है। योगी सरकार के नेतृत्व में इस वर्ष महाकुम्भ का अद्वितीय आयोजन हुआ। इसकी स्मृतियों को संजोए रखने के लिए नदियों के किनारे त्रिवेणी वन बसाए जाएंगे। इसके अंतर्गत तीन पौधे (नीम, बरगद व पीपल) को रोपा जाएगा। योगी सरकार के निर्देश पर सभी 75 जनपदों में त्रिवेणी वन स्थापित होगा। इसकी शुरुआत पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या से कर दी है। जुलाई में होने वाले पौधरोपण महाभियान में हर जनपद में इसकी स्थापना की जाएगी। मिशन से जुड़े अधिकारी इसके संरक्षण पर भी जोर देंगे। त्रिवेणी का आध्यात्मिक महत्व भी है। नदियों में गंगा, यमुना व सरस्वती को त्रिवेणी कहा जाता है। वहीं ब्रह्मा, विष्णु, महेश को त्रिदेव माना जाता है। ऐसे ही नीम, बरगद व पीपल को त्रिवेणी वन के रूप में स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। पूर्वजों ने त्रिवेणी की सुंदर परंपरा का उपहार दिया, जिसमें नीम, बरगद और पीपल के पेड़ों को सद्भाव में जोड़ा गया है। वे शुद्धता और विकास के प्रतीक हैं, साथ ही हवा की शुद्धता, जैव विविधता और भूमि के पोषण में सहायक होते हैं। इसी निमित्त वन विभाग ने 2025 के अभियान में त्रिवेणी वन की स्थापना का निर्णय लिया है। पौधरोपण महाभियान-2025 के लिए नर्सरियों में 52.33 करोड़ पौधे तैयार किए जा चुके हैं। इसमें सिर्फ वन विभाग की नर्सरियों 5.75 करोड़ औषधीय पौधे तैयार किए गए हैं। इनमें नीम के लगभग 52 लाख, बरगद के 29 लाख व पीपल के 29 लाख पौधे तैयार किए गए हैं। इन पर्यावरणीय पौधों को रोपित करने के साथ ही इनके संरक्षण पर भी विभाग का जोर रहेगा। प्रदेश सरकार के निर्देशन में इस वर्ष भी 35 करोड़ पौधरोपण होगा। प्रत्येक वर्ष विशेष वन की स्थापना की जाती है। इसी क्रम में इस वर्ष सभी 75 जनपदों में त्रिवेणी वन स्थापित होगा। इसकी शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने अयोध्या से की है। त्रिवेणी वन पर्यावरण की शुद्धता के साथ ही आध्यात्मिक ऊर्जा का भी संचार करेगा। त्रिवेणी वन के अंतर्गत नीम, पीपल व बरगद के पौधे लगाए जाएंगे।

ग्रीन सेस से नहीं बच पाएंगे उत्तराखंड आने वाले वाहन

देहरादून, 7 जून। अब राज्य की सीमा के भीतर घुसने वाला दूसरे राज्य का वाहन ग्रीन सेस कटौती से बच नहीं पाएगा। अगर एक कैमरे से बच गया तो दूसरा कैमरा अपना काम कर देगा। एक बार कटा हुआ ग्रीन सेस 24 घंटे तक वैध होगा। परिवहन मुख्यालय प्रदेशभर में इस महीने के आखिर तक ग्रीन सेस कटौती की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। इसके लिए चुनी गई एजेंसी से नेशनल पेमेंट कारपोरेशन ऑफ इंडिया का समझौता हो चुका है। अब वाहन पोर्टल से भी तालमेल बनाया जा रहा है। संयुक्त परिवहन आयुक्त सनत कुमार सिंह ने बताया कि जैसे ही कोई बाहरी राज्य का वाहन उत्तराखंड की सीमा में प्रविष्ट होगा, तो उसका ग्रीन सेस कैमरे की मदद से कट जाएगा। सभी सीमाओं पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन(एएनपीआर) कैमरे लगाए गए हैं। सनत ने बताया कि जैसे ही वाहन उस कैमरे की नजर में आएगा, उसका ग्रीन सेस फास्टैग खाते से कट जाएगा। अगर किसी कारण वाहन एक कैमरे से बच गया तो अगले कैमरे से ग्रीन सेस कट जाएगा।

अब आसमान से बरसेगी आग... आने वाले दिनों में नहीं मिलेगी राहत

नई दिल्ली, 7 जून। कई दिनों से जारी बारिश का दौर खत्म हो चुका है। ऐसे में आने वालों दिनों में गर्मी सताएगी। गर्मी का सितम फिर से शुरू होने वाला है। इस दौरान अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। बुधवार तक आसमान साफ रहेगा। इन दिनों में तेज धूप निकलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार अब आसमान साफ हो गया और तेज धूप सीधे धरती पर आ रही है। इस कारण से अब तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। वहीं, रविवार को आसमान साफ रहेगा। ऐसे में धूल उड़ाने वाली हवाएं 20-30 किलोमीटर प्रति घंटा गति से चलेंगी। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 41 और 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, जून के मध्य आते-आते कुछ मौसमी गतिविधियां बन सकती हैं। तब प्री-मानसून गतिविधियां तेज होने के कारण मौसम के फिर से यू-टर्न लेने की संभावना है। मालूम हो कि मौसम विभाग पहले ही संकेत दे चुका है कि इस बार दिल्ली में मानसून की एंट्री समय से पहले हो सकती है। इधर, शनिवार को आसमान साफ रहा। सुबह से ही सूरज अपने तेवर दिखाने लगा था। हालांकि, दिन के समय सूरज निकला और लोग गर्मी से हलाकान नजर आए। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 39.8 डिग्री दर्ज किया गया। कुछ इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। बीते 24 घंटे में हवा में नमी का न्यूनतम स्तर 39 फीसदी रहा। आया नगर में सबसे अधिक तापमान रहा। यहां अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पालम में 40.7, रिज में 39.9 और लोधी रोड में 39.7 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। साथ ही, न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस अधिक के साथ 26.3 डिग्री दर्ज किया गया। रिज में न्यूनतम तापमान अन्य केंद्र के मुताबिक सबसे कम रहा। यहां न्यूनतम तापमान 24.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। लोधी रोड में 25.0, पालम में 27.2 और आया नगर में 27.6 डिग्री दर्ज हुआ।

फरीदाबाद में भीषण सड़क हादसा, दो गाड़ियां टकराईं

फरीदाबाद, 7 जून। दिल्ली-आगरा नेशनल हाइवे पर जेसीबी कट के पास शुक्रवार देर रात दो गाड़ियों की टक्कर हो गई। जिसमें से अर्टिगा गाड़ी में सवार तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं एमजी हैक्टर गाड़ी में सवार चालक गंभीर रूप से घायल है। जिसको उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि एमजी हेक्टर और अर्टिगा में देर रात हुए इस टक्कर में तीन लोगों की मौत हुई है और तीनों पलवल के रहने वाले हैं। तीनों युवक जेसीबी कंपनी के कर्मचारी थे और रात ड्यूटी कर वापस जा रहे थे। मृतकों के नाम मनीष, दीपांशु व त्रिवेंद्र पोसवाल है। अर्टिगा में पांच लोग सवार थे जबकि एमजी हेक्टर में तीन लोग थे। पुलिस को रात दो सवा दो बजे सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों की सहायता से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने जानकारी दी कि एमजी हेक्टर गाड़ी पलवल से फरीदाबाद की तरफ जा रही थी और अर्टिगा सेक्टर 58 से पलवल की तरफ क्रोस कर रही थी। हादसे के बाद अर्टिगा पलट गई थी और इसमें आग लग गई थी। हालांकि वक्त रहते आग पर काबू पा लिया गया। पुलिस ने इसमें विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। तीनों मृतकों के परिजनों ने कंपनी से आर्थिक सहायता व परिवार के एक सदस्य को पर्मानेंट नौकरी दिए जाने की मांग की है। फिलहाल मौके पर कोई भी कंपनी का अधिकारी नहीं आया है। इससे गुस्साए मृतकों के परिजन जेसीबी कंपनी के बाहर रोड जाम करने जा रहे हैं।

मानसिक रूप से दिव्यांगों को मिलेगा सुविधाजनक ठिकाना

नई दिल्ली, 7 जून। दिल्ली के नरेला में मानसिक रूप से दिव्यांगों के लिए बन रहा नया कैंपस पूरी तरह उनके अनुकूल होगा, जोकि जल्द ही उनकी जिंदगी में नई उम्मीद लेकर आएगा। समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने शुक्रवार को इस निर्माणाधीन कैंपस का निरीक्षण किया और इसे तीन महीने में शुरू करने के निर्देश दिए। नरेला के नर्सिंग कॉलेज हॉस्टल और प्राथमिक शहरी स्वास्थ्य केंद्र परिसर में तैयार हो रहा भवन मानसिक रूप से दिव्यांगों के लिए एक नया आशियाना बनेगा। समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने पीडब्ल्यूडी और विभागीय अधिकारियों के साथ इसका जायजा लेते हुए कहा कि यह कैंपस 220 दिव्यांगों को सुरक्षित और सुविधाजनक रहने की जगह देगा। तीन महीने में शुरू होने वाली इस सुविधा से रोहिणी के आशा होम्स जैसे शेल्टर होम्स, जहां क्षमता से ज्यादा लोग हैं, उनको राहत मिलेगी। मंत्री ने निर्देश दिए कि निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, परिसर के बाहर अतिक्रमण न हो और एंबुलेंस की आवाजाही निर्बाध रहे। उन्होंने बताया कि मामूरपुर और दल्लूपुरा में भी दिव्यांगों के लिए भवन तैयार हो रहे हैं, जिससे उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुविधाओं में इजाफा होगा। नरेला का यह कैंपस न केवल रहने की जगह देगा, बल्कि दिव्यांगों को सम्मान और बेहतर जीवन का अवसर भी प्रदान करेगा।

छह लोगों पर हमले के बाद ग्रामीणों ने तेंदुआ मार डाला

नौगांवा सादात (अमरोहा), 7 जून। खेतों पर काम कर रहे कुतुबपुर हमीदपुर के लोगों पर मादा तेंदुए ने हमला कर दिया। इसमें तेंदुए ने एक के बाद एक छह लोगों को घायल कर दिया। इसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा भड़क गया। लाठी-डंडों से लैस ग्रामीणों ने तेंदुए को घेर लिया और उसे पीट-पीटकर मार डाला। मौके पर पहुंची वन विभाग और पुलिस टीम ने जांच पड़ताल की। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। तेंदुए की हत्या का जिम्मेदार मानते हुए पुलिस और वन विभाग की टीम तीन लोगों को पकड़कर थाने ले आई। ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर थाने पहुंचे ग्रामीणों ने तीनों लोगों को छुड़ाकर भगा दिया। ग्रामीणों ने थाने में जमकर हंगामा किया। मामले में वन विभाग की ओर से नामजद और अज्ञात ग्रामीणों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। वहीं, डीएफओ कार्यालय पर तेंदुए का पोस्टमार्टम कराया गया। जिसमें चोट लगने से तेंदुए की मौत की पुष्टि हुई है। शनिवार की सुबह करीब 11 बजे गांव के रहने वाले किसान डालचंद सिंह अपने बेटे कौकिल के साथ खेत पर काम कर रहे थे। सभी पड़ोस के खेत से निकले तेंदुए ने पिता-पुत्र पर हमला कर घायल कर दिया। शोर सुनकर आसपास के खेतों पर काम कर रहे लोगों की भीड़ मौके की तरफ दौड़ पड़ी।

फट गए एयर बैग, कार को कटर से काटकर निकालीं गईं दो युवकों की लाशें

मथुरा, 7 जून। मथुरा के नौहझील थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह यमुना एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा हो गया। कार आगे चल रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से टकरा गई। कार में सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गये। एक्सप्रेस-वे पीआरवी कर्मी व इलाका पुलिस मौके पर पहुंची, और शवों को कार से बाहर निकाला। घायलों को सीएचसी भिजवाया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। परिजनों को सूचना दे दी दी है। शुक्रवार सुबह लगभग 05:30 बजे यमुना एक्सप्रेस-वे के माइल स्टोन-65 (गांव कौलाना) पर आगरा से नोएडा की ओर जा रही कार आगे चल रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से टकरा गई। कार में सवार 4 लोगों में से दिल्ली के मंडोली स्थित नंदनगरी निवासी 26 वर्षीय टैक्सी चालक मोनू और चंडीगढ़ के थाना धनसा के मिलक कॉलोनी निवासी 35 वर्षीय दीपक गोयल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उन्नाव के थाना हसनगंज के नसूलपुर निवासी रामू और दिल्ली के साधना नगर निवासी गोलू गंभीर रूप से घायल हो गए। थाना प्रभारी सोनू सिंह मौके पर पहुंचे और घायलों को सीएचसी भिजवाया। जहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वाहनों को क्रेन की मदद से एक्सप्रेस-वे से हटाकर यातायात सुचारू कराया है। एसपी देहात सुरेश चंद रावत ने बताया कि हादसा नींद की झपकी लगने या तेज रफ्तार के कारण हुआ है, पता लगाया जा रहा है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। दीपक गोयल पुराने टायरों को खरीदने-बेचने का काम करता था। वह 3 जून को चंडीगढ़ से बस से अपने कर्मचारी रामू के साथ साले गोलू के यहां दिल्ली आया था। तीनों ने यहां से टैक्सी बुक ,की जिसे चालक मोनू चला रहा था, यहां से सभी टायर खरीदने उन्नाव पहुंचे और गाड़ी लोड कर चंडीगढ़ रवाना की। यह उन्नाव से वापस दिल्ली आ रहे थे, लौटते वक्त यमुना एक्सप्रेस-वे के माइल स्टोन 65 पर हादसा हो गया। दीपक पर एक 6 वर्षीय पुत्री पाखी है,पत्नी आरती गोयल व परिजन को रो-रोकर बुरा हाल है। ट्रैक्टर-ट्रॉली में कार आगे से आधी से ज्यादा बुरी तरह से फंस गई थी। कार में आगे चालक मोनू व टायर व्यवसायी दीपक गोयल बैठे थे, जिनकी मौत हो गई। शव गाड़ी में बुरी तरह फंस गए थे।

10 दिन के अंदर शुरू हो सकते हैं राम दरबार में दर्शन

अयोध्या, 7 जून। रामभक्तों के लिए अयोध्या से अच्छी खबर है। 10 दिन के अंदर राम मंदिर के पहले तल पर हाल ही में प्रतिष्ठित राम दरबार के दर्शन शुरू हो जाएंगे। इसके लिए राम मंदिर ट्रस्ट विचार कर रहा है। भगवान राम की नगरी में राम मंदिर निर्माण के बाद अब राम दरबार की स्थापना हो चुकी है। राम मंदिर में राम दरबार की स्थापना के साथ राम मंदिर निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। ऐसे में राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने शनिवार को मंदिर परिसर में चल रहे काम और उन पर होने वाली चर्चाओं के विषय में विस्तार से जानकारी दी। नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम मंदिर के परिसर में राम जन्म स्थान यानी कि जहां पर रामलला टेंट में विराजमान थे, उस स्थल पर एएसआई पुरातत्व विभाग की टीम सर्वे कर रही है। इसके साथ ही मंदिर निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि राम दरबार में 10 दिन के अंदर दर्शन शुरू हो सकता है। राम मंदिर ट्रस्ट इस पर विचार कर रहा है। सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधि इस पर चर्चा कर रहे हैं। भगवान के दरबार में जाने और आने को लेकर राम मंदिर ट्रस्ट व्यापक इंतजाम में जुटा हुआ है। वहीं, राम मंदिर परिसर में सप्तऋषि मंदिरों के बीच में पुष्करणी कुंड का निर्माण कार्य भी अंतिम चरण में है। निर्माण समिति के अध्यक्ष ने कहा कि पंचवटी निर्माण में प्रकृति से कोई भी छेड़छाड़ नहीं किया जाएगा। यथास्थिति रखते हुए वहां पर पौधे लगाए जा रहे हैं ताकि पशु पक्षियों को पानी पीने और उसका लाभ लेने में कोई असुविधा न हो। इसका निर्माण कार्य कंपनी की ओर से किया जा रहा है। एक महीने में इसका मास्टर प्लान भी लगभग तैयार हो जाएगा। नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि भूतल में रामलला विराजमान हो चुके हैं तो प्रथम तल पर उनका पूरा परिवार, इसके साथ मंदिर के दूसरे तल पर ऐसे ग्रंथ जो अपनी परिभाषा में दुर्लभ कहलाए और भगवान राम से संबंधित होंगे, उनको संरक्षित किए जाने का काम किया जाएगा। सभी तलों पर क्या-क्या होगा, इसको निश्चित कर लिया गया है। राम मंदिर के उत्तर दिशा में एक माह के अंदर मंदिर के द्वार का निर्माण पूरा हो जाएगा। इसे 15 अगस्त तक निश्चित तौर पर पूरा कर लिया जाएगा। नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम मंदिर में भारत सरकार की अनेक संस्थाओं ने सहयोग किया है। इसमें सेंट्रल रिसर्च इंस्टीट्यूट के अलावा रेल मंत्रालय का सहयोग रहा है। जहां रामलला टेंट में विराजमान थे, वहां एएसआई की टीम सर्वे कर रही है। 500 वर्षों के लंबे संघर्ष पर वहां पुरातत्व विभाग की टीम रिसर्च करेगी। इसके साथ ही रक्षा मंत्रालय की तरफ से राम मंदिर में टाइटेनियम की जाली लगाई जा रही है। सभी संस्थाओं को राम मंदिर ट्रस्ट की तरफ से भुगतान किया गया है।

मैनपुरी में महंत की अंत्येष्टि पर खूनी संघर्ष

मैनपुरी, 7 जून। मैनपुरी के किशनी के जटपुरा चौराहे पर स्थित रामजानकी आश्रम के 80 वर्षीय महंत सुरेंद्र दास की मृत्यु के बाद उनकी आश्रम के भीतर अंत्येष्टि को लेकर शनिवार सुबह भारी बवाल हो गया। पुलिस-प्रशासन ने तत्काल हस्तक्षेप कर शव का अंतिम संस्कार आश्रम के बाहर कराया और अगले आदेश तक मंदिर को सील कर दिया। मंदिर में लोगों के प्रवेश और पूजा-पाठ पर भी रोक लगा दी गई है। आश्रम के भीतर अंत्येष्टि नहीं करने दे रहे महंत रघुनंदन दास के अनुयायियों ने सुरेंद्र दास का शव शनिवार सुबह उठाने की कोशिश की, जिससे दोनों पक्षों में भीषण भिड़ंत हो गई। इस दौरान जमकर हाथापाई और पथराव हुआ, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया और दोनों पक्षों से 10 लोगों को हिरासत में लिया। एसपी सिटी आईपीएस अरुण कुमार की मौजूदगी में रघुनंदन दास को उनके अनुयायियों सहित आश्रम से बाहर निकाला गया। दोपहर में पुलिस ने आश्रम के गेट पर ताला लगा दिया और चाबी ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष, तहसीलदार किशनी को सौंप दी। इस झड़प में रघुनंदन पक्ष के रणवीर और सुभाष घायल हुए, जबकि दूसरे पक्ष से जितेंद्र उर्फ मुखिया घायल हुए। इन्हें उपचार के लिए भेजा गया है। पुलिस ने रघुनंदन पक्ष से प्रवेश यादव और दूसरे पक्ष से कुंतेश कुमार, जितेंद्र सिंह, विजय प्रकाश, रामचंद्र, आनंद, राधा मोहन, अंकुर, रामनरेश, आसाराम को हिरासत में लिया है। रामजानकी मंदिर के अध्यक्ष तहसीलदार घासीराम ने विवादित जमीन का हवाला देते हुए आश्रम के अंदर अंतिम संस्कार से मना कर दिया। अंत में तय हुआ कि अंत्येष्टि आश्रम के बराबर वाली जमीन पर की जाएगी। सुबह 11 बजे एसडीएम गोपाल शर्मा, सीओ भोगांव सत्यप्रकाश शर्मा और तहसीलदार घासीराम व भारी पुलिस बल की मौजूदगी में तय स्थल पर अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। मुखाग्नि ग्राम प्रधान विजय प्रकाश ने दी। महंत सुरेंद्र दास का निधन बृहस्पतिवार रात को हो गया था। शुक्रवार को उनके अनुयायी शव को आश्रम के भीतर अंत्येष्टि के लिए ले जाने लगे, लेकिन रघुनंदन दास के पक्ष ने आश्रम में ताला लगा दिया और अंदर मौजूद लोगों ने शव को भीतर लाने से मना कर दिया। इस घटना से तनाव पैदा हो गया। पुलिस-प्रशासन ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम के बाद लौटे अनुयायी आश्रम के बाहर ही धरने पर बैठ गए और आश्रम के भीतर ही अंत्येष्टि की मांग पर अड़े रहे, जिससे शुक्रवार को शव का अंतिम संस्कार नहीं हो सका था। महंत के शिष्यों ने आरोप लगाया है कि आश्रम और उससे लगी 18 बीघा भूमि पर कब्जे की साजिश के चलते ही महंत ने प्राण त्यागे हैं। उन्होंने एक हिस्ट्रीशीटर के आश्रम में मौजूद होने का भी आरोप लगाया, जिसके खिलाफ शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। एसपी गणेश प्रसाद के आदेश पर विवादित स्थल पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। लोगों से अपील की गई है कि वे उक्त स्थल पर न जुटें। पुलिस ने चेतावनी दी है कि किसी भी तरह का बवाल करना या अफवाह फैलाना अपराध की श्रेणी में आएगा और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने शांति व्यवस्था से कोई खिलवाड़ न होने देने का आश्वासन दिया है। किशनी क्षेत्र में चर्चा है कि यह विवादित जमीन करीब 18 बीघा की है और पांच साल से अधिक समय से इस पर विवाद चल रहा है। इसी विवाद के चलते तहसीलदार किशनी को रामजानकी आश्रम के ट्रस्ट का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि कुछ भाजपा नेताओं की शुरुआत से ही इस मामले में रुचि रही और वे एक पक्ष को बढ़ावा देते रहे, जिसके चलते विवाद बढ़ता चला गया। बताया जा रहा है कि महंत सुरेंद्र दास की मौत के बाद भी जब उनके अनुयायी शव की आश्रम के भीतर अंत्येष्टि की मांग पर अड़े थे, तो कुछ भाजपा नेताओं ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर फोन कर दबाव भी बनाया। यह भी कहा जा रहा है कि इस बेशकीमती जमीन पर कुछ भूमाफिया, भाजपा नेता की सरपरस्ती में व्यावसायिक उपयोग के लिए दुकानें बनवाना चाहते हैं।

चलती गाड़ी पर गिरा बड़ा पेड़, एक सवारी की मौत

देहरादून, 7 जून। देहरादून में मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया। चकराता रोड पर भवानी इंटर कॉलेज के पास मैक्स गाड़ी पर पेड़ का एक बड़ा हिस्सा टूटकर गिर गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल भिजवाया। जहां एक एक युवक को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरी का उपचार चल रहा है। अग्निशमन विभाग के बचाव दल ने पेड़ काटकर सड़क से हटाया। इस दौरान करीब एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। हादसा उस वक्त हुआ जब मैक्स चालक महावीर सिंह रावत निवासी गढ़ कराल देवल उत्तरकाशी छह सवारियों को लेकर देहरादून से बड़कोट उत्तरकाशी जा रहा था। पेड़ का हिस्सा गाड़ी के ऊपर बिल्कुल बीच में गिरा। इसमें बीच वाली सीट पर बैठे अरविंद पाल पुत्र प्रेमलाल उम्र 48 वर्ष निवासी उत्तरकाशी और एक अन्य घायल हो गए। 108 एंबुलेंस की मदद से दोनों को दून अस्पताल भेजा गया, जहां पर डॉक्टरों ने अरविंद लाल को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना के बाद प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना भी अपने साथियों के साथ घटना स्थल पर पहुंचे थे। हादसे की वजह से चकराता रोड पर जाम लग गया। जाम में सैकड़ों वाहन फंस गए। सूचना पर पहुंची फायर विभाग की टीम ने पेड़ काटकर सड़क से हटाया और यातायात को सुचारू किया। इस दौरान करीब दो घंटे तक यातायात बाधित रहा। पेड़ गिरने की वजह से यह सात दिन में यह तीसरी मौत हुई है। गत शनिवार को तहसील वाली पार्किंग में पेड़ की शाखा टूटकर गिर गई थी। हादसे में चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई थी। इसी तरह एफआरआई क्षेत्र में इसी सप्ताह में ऑटो पर पेड़ गिर गया था, जिसमें एक युवक की मौत हो गई थी।

प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर शव जलाने की कोशिश

नई दिल्ली, 7 जून। अलीपुर इलाके में सोमवार सुबह गोली मारकर हत्या करने के बाद शव जलाने के मामले में परिवार वालों ने बुराड़ी के नत्थूपुरा निवासी संतोष कुमार (62) के रूप में शिनाख्त की है। वह सेवानिवृत शिक्षक थे, फिलहाल स्वरूप नगर में प्रॉपर्टी डीलिंग का काम कर रहे थे। अलीपुर थाना पुलिस ने इस बाबत हत्या का मामला दर्ज किया था। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया, सोमवार सुबह अलीपुर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि हिरणकी गांव स्थित मंदिर के पास झाड़ियों में एक अधजला शव पड़ा है। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला कि सिर में गोली मारी गई है। शव को जलाकर साक्ष्य को खत्म करने की कोशिश की गई है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हर साल जलभराव वाले क्षेत्रों की पहचान करें अधिकारी: राव नरबीर

गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह मानसून से पहले जलभराव की समस्या से निपटने के लिए सक्रिय रूप से भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों की टीम के साथ 15 स्थानों का दौरा किया। जल निकासी के लिए किए जा रहे प्रबंधों का जायजा लेने के दौरान कार्य को और अधिक तेज गति से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।राव नरबीर सिंह ने कहा कि आगामी मानसून के दौरान नागरिकों को किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने जीएमडीए, एचएसआइआइडीसी तथा नगर निगम सहित अन्य संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि नालों की सफाई समय पर पूरी की जाए। जल निकासी के सभी सिस्टम सक्रिय रखे जाएं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर उस क्षेत्र की पहचान करें जहां हर वर्ष जलभराव की स्थिति बनती है और वहां विशेष प्रबंध करें। किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जलभराव की समस्या को स्थायी रूप से हल करने के लिए दीर्घकालिक योजनाओं पर भी काम करने की हिदायत दी। मंत्री ने कादीपुर स्थित नगर निगम गुरुग्राम की नर्सरी का अवलोकन किया तथा वहां पर रुद्राक्ष का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पर्यावरण को लेकर उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। वृक्षारोपण इसका एक महत्वपूर्ण कदम है।

पुलिस जवानों को स्वस्थ व खुश रखने के लिए किए जा रहे खास प्रयास: शशांक सावन

हिसार। जिला पुलिस लाइन में जिला स्तरीय योग कार्यक्रम के तहत योग शिविर का आयोजन किया गया। इसमें पुलिस जवानों ने योग किया। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने कहा कि योग शिविर के आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुलिस कर्मियों को स्वस्थ और सकारात्मक जीवन शैली के लिए योग का महत्व समझाना है। पुलिस के जवान स्वस्थ और खुश रहें, इसके लिए खास प्रयास किए जा रहे है। पुलिस जवानों के लिए योग शिविर लगाया गया है जिसमें सकारात्मक मानसिक विचार एवं मेडिटेशन से रोगों से छुटकारा पाने के तरीके भी सुझाए गए है। योग शिविर में विभिन्न प्रकार के योगाभ्यास किए गए। योग शिक्षकों द्वारा योग की विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन कर योग के लाभ के बारे में बताया गया। योग शिविर में जवानों को फिटनेस बनाए रखने और तनाव को कम करने के बारे में जानकारी दी। योग से जीवन का आधारभूत सुख निरोगी काया बनती है। योग मस्तिष्क को निरोगी बनाने में सहायक होता है। सभी को रोजाना योग का अभ्यास कर इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।

मुआवजा नीति पर असंतोष, किसानों की उपायुक्त से नई मांग

सोनीपत। सोनीपत में बिजली ग्रिड लाइन से प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा के बैनर तले किसान उपायुक्त कार्यालय पहुंचे। किसानों ने जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि मुआवजा की दरें वास्तविक बाजार मूल्य के आधार पर तय की जाएं और इसकेलिए एक वैल्यूअर कमेटी का गठन किया जाए। भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष सतेंद्र लोहचब ने बताया कि किसानों का यह आंदोलन औचंदी बॉर्डर से 13 सितंबर 2023 को शुरू हुआ था। 11 फरवरी 2024 को एक बड़ी पंचायत के बाद निर्णय लिया गया कि जब तक किसानों को न्यायपूर्ण मुआवजा नहीं मिलेगा, खेतों में ग्रिड का काम नहीं होने दिया जाएगा। इसके बाद से कार्य रुकवाया गया। आंदोलन के दबाव में मई 2024 में किसानों ने एसीएस एके सिंह व मुख्यमंत्री हरियाणा से मुलाकात की। अप्रैल में नाहरा गांव में भी बड़ी पंचायत हुई।14 जून 2024 को केंद्र सरकार ने टावर बेस क्षेत्र के लिए 200 प्रतिशत व रॉ कॉरिडोर के लिए 30 प्रतिशत मुआवजा तय करते हुए नई नीति जारी की। परंतु किसानों ने इसे अस्वीकार कर दिया।

इनेलो व जेजेपी हैं भाजपा की बी टीम: जयप्रकाश

जींद। हिसार के सांसद जयप्रकाश ने कहा कि हरियाणा में सुशासन के नाम पर भाजपा की सरकार बनी, लेकिन वास्तव में सुशासन कहीं नहीं है। उन्होंने भ्रष्टाचार को लेकर एचपीएससी का उदाहरण दिया और कहा कि पेपर लीक मामले में सरकार ने केवल परीक्षा रद्द की लेकिन अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की। सांसद जयप्रकाश उचाना के पीडब्लूडी रेस्ट हाउस में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने इनेलो और जेजेपी को भाजपा की बी टीम करार दिया। सांसद ने राहुल गांधी के समर्थन में बोलते हुए कहा कि वह सिर्फ एक सांसद नही बल्कि नेता प्रतिपक्ष हैं। उन्होंने जातिगत जनगणना के मुद्दे पर सरकार को झुकने पर मजबूर किया। इनेलो पर तीखा प्रहार करते हुए सांसद ने कहा कि यह पार्टी भाजपा की बैसाखी बन गई है। विधानसभा चुनाव में इनेलो के नेता भाजपा के इशारे पर काम करते रहे हैं। जेजेपी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने पांच साल तक सत्ता का लाभ उठाया। उन्होंने उचाना के लोगों का धन्यवाद किया कि उन्होंने जेजेपी को सबक सिखाया। सांसद ने कहा कि जेजेपी नेता कार्यकर्ताओं के साथ दोहरा व्यवहार करते थे। उन्होंने कहा कि जेजेपी और इनेलो को तो कांग्रेस और भूपेंद्र हुड्डा रात को सपने में दिखते हैं।

अगस्त तक सरकारी कार्यालय एवं आवासीय कॉलोनियों में प्रीपेड मीटर लगाने का लक्ष्य : मनोहर लाल

- **प्रीपेड मीटर लगाने पर बिल में मिलेगी दो से पांच प्रतिशत की छूट**
- **मांग के अनुसार सभी राज्यों को पूरी मिलेगी बिजली**

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि अगस्त 2025 तक सरकारी भवन, कार्यालय और आवासीय कॉलोनियों में प्रीपेड मीटर लगाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रीपेड मीटर लगाने पर बिल में दो से पांच प्रतिशत की प्रति महीना रियायत दी जाएगी। हरियाणा को पांच प्रतिशत रियायत देने की घोषणा की गई है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल चंडीगढ़ में आयोजित उत्तर भारतीय राज्यों के बिजली मंत्रियों के सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे थे। सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रिन्यूएबल एनर्जी की ओर कदम बढ़ाया जा रहा है। जिन प्रदेशों में बिजली की कमी होती थी, वे आज सरप्लस प्रदेश बन चुके हैं।ऊर्जा मंत्रियों के सम्मेलन में हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान सहित कई अन्य प्रदेशों के मंत्रियों एवं अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन के दौरान इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन कैपेसिटी, ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और संसाधनों की पर्याप्तता सुनिश्चित करने सहित ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर व्यापक और सार्थक चर्चा हुई। इसके साथ ही केंद्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर देश के ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर को सशक्त बनाने में दिशा में लगातार कार्य कर रही है, इसपर भी केंद्रीय मंत्री ने ऊर्जा मंत्रियों को विस्तार से अवगत कराया।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि छह घंटे चली लंबी बैठक में ट्रांसमिशन कैपेसिटी को बढ़ाने के साथ लाइन लोस को घटाने पर चर्चा हुई। वहीं, उत्तरी राज्यों को अगस्त 2025 तक सभी सरकारी भवन, कार्यालय और आवासीय कॉलोनियों में प्रीपेड मीटर लगाने का लक्ष्य दिया गया। इसके बाद कर्मिशयल और हाईलोड वाले उपभोक्ताओं को प्रीपेड मीटर लगाए जाएंगे। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने बताया कि गर्मियों के सीजन में बिजली की डिमांड पीक पर होती है। वर्ष 2024 में 250 गीगावाट डिमांड थी, जबकि 2025 में यह बढक़र 260 गीगावाट के ऊपर पहुंच गई है। डिमांड के हिसाब से देशभर में बिजली पर्याप्त है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट किया कि ऊर्जा मंत्रियों को लाइन लोस कम करने का लक्ष्य दिया गया है। फिलहाल राष्ट्रीय स्तर पर लाइन लोस की औसत 16 प्रतिशत है, जबकि कई राज्यों में यह औसत 17 से 20 प्रतिशत है। लाइन लोस को कम करने और विद्युत निगमों की आमदन बढ़ाने के लिए स्मार्ट मीटर लगाने का फैसला लिया गया है।

सोनीपत हो प्लास्टिक मुक्त, नगर निगम की दुकानदारों से अपील

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर निगम कार्यालय में सिंगल यूज प्लास्टिक सामान विक्रेताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर निगम मेयर राजीव जैन व आयुक्त हर्षित कुमार ने की। दोनों अधिकारियों ने दुकानदारों से आग्रह किया कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक, विशेषकर कैरी बैग का प्रयोग बंद करें। मेयर राजीव जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने दुकानदारों से अपील की कि वे आपसी सहमति से इस अभियान में सहयोग करें और प्लास्टिक कैरी बैग के स्थान पर जूट के थैले बेचने को बढ़ावा दें। आयुक्त हर्षित कुमार ने कहा कि प्लास्टिक से पर्यावरण दूषित हो रहा है, सड़कों पर गंदगी फैलती है और सीवरेज जाम की समस्या उत्पन्न होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल 120 माइक्रोन मोटाई वाली थैली ही प्रयोग की जा सकती है।

सीजेएम ने नशा मुक्ति केंद्र व सेफ हाउस का किया निरीक्षण

एजेंसी

नारनौल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने नागरिक अस्पताल स्थित नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने पुलिस लाइन में बने सेफ हाउस का भी दौरा किया। सीजेएम नीलम कुमारी ने निरीक्षण के दौरान नशा मुक्ति केंद्र में मौजूद मरीजों से हालचाल जाना। उन्होंने मरीजों से बातचीत करते हुए कहा कि नशा न केवल शारीरिक क्षति पहुंचाता है, बल्कि मानसिक रूप से भी व्यक्ति को कमजोर बना देता है। नशा परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। नशे के कारण परिवारों में कलह, आर्थिक समस्याएं और रिश्तों में कड़वाहट बढ़ती है। उन्होंने कहा कि हमें जीवन में कभी भी नशा नहीं करना चाहिए। यदि कोई परिचित नशे की गिरफ्त में है तो उसे दृढ़ इच्छा शक्ति के द्वारा इससे बाहर लाने के लिये प्रयास करें। वहीं, न्यायिक परिसर नारनौल, महेंद्रगढ़ व कनीना में 12 जुलाई को राष्ट्रीय लोक

अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत में आम नागरिक आपसी सौहार्दपूर्ण माध्यम से मामले का निपटारा करवा सकते हैं। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन, मोटर व्हीकल एक्सीडेंट, एनडीपीएस एक्ट, फौजदारी, दीवानी, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवादों का निपटारा किया जाएगा। सीजेएम ने कहा कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति का कोई मामला न्यायालय में लंबित है तो वह राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से उसका निस्तारण करवा सकता है।

'विकसित कृषि संकल्प अभियान' से किसानों को मिलेंगे बाजार से जुड़ाव के नए अवसर: चौधरी धर्मबीर सिंह

एजेंसी

नारनौल। कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने के उद्देश्य से प्रदेश भर में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' चलाया जा रहा है, जो किसानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह बात भिवानी-महेंद्रगढ़ सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने राजकीय स्कूल मुसनौता में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने कहा कि भारत सरकार की ओर से विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन 12 जून तक देश के 700 जिलों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान राज्य के किसानों को आधुनिक तकनीकों, टिकाऊ खेती, जल संरक्षण, जैविक खेती और बाज़ार से जुड़ाव के नए अवसर प्रदान करने के लिए एक समर्पित प्रयास है। यह अभियान हर जिले में चरणबद्ध ढंग से चलाया जा रहा जिसमें किसानों को प्रशिक्षण, स्मार्ट खेती और नई कृषि योजनाओं की जानकारी दी जा रही हैं। इस कार्यक्रम

का उद्देश्य किसानों को कृषि के लिए जागरूक करना और उन्हें नवीनतम तकनीकों और योजनाओं के बारे में जानकारी देना है। इस मौके पर नांगल चौधरी एसडीएम मनोज कुमार, कृषि विज्ञान केंद्र से संयोजक डॉ जयलाल, बीजेपी जिला प्रधान यतेन्द्र राव, पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव, डीडीपीओ हरिप्रकाश बंसल, कृषि उपनिदेशक डॉ देवेंद्र सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र से वैज्ञानिक डॉ पूनम, कृषि विभाग से एसडीओ मनमीत सहित अनेक अधिकारी व किसान मौजूद रहे।

सीईटी पंजीयन के लिए फर्जी वेबसाइट बनाने में महिला समेत छह गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। पंचकूला पुलिस ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की प्रदेशभर में होने वाली सीईटी के पंजीकरण के लिए फर्जी पोर्टल बनाने वालों को भंडाफोड़ कर दिया है। पुलिस ने एक महिला समेत छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है।इन पकड़े गए आरोपितों से पुलिस पूछताछ कर रही है। दरअसल, तीन दिन पहले हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की सीईटी पंजीकरण के लिए एक फर्जी वेबसाइट बनने का खुलासा हुआ था। इस पर आयोग ने पंचकूला पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने फर्जी वेबसाइट तथा क्यूआर कोड को फ्रीज कर आईपी एड्रस के आधार पर मामले की जांच शुरू की। पंचकूला की डीसीपी सृष्टि गुप्ता, डीसीपी क्राइम

अमित दहिया तथा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य भूपेंद्र चौहान ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि इस फर्जीवाड़े से संबंधित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनसे पूछताछ की जारी है। उन्होंने बताया कि 4 जून को फर्जी पोर्टल का मामला संज्ञान में आने के तुरंत बाद कार्रवाई शुरू कर दी गई थी। एचएसएससी ने इस फ्राड को लेकर पुलिस में शिकायत दी गई थी। डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने बताया कि इस मामले में चार लोग गोरखपुर, एक फतेहाबाद और एक कुरुक्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। इन आरोपितों में एक महिला भी शामिल है। उन्होंने बताया कि अभी तक की जांच में यह बात सामने आई कि फर्जी वेबसाइट के माध्यम से 77 युवाओं ने खुद को पंजीकृत किया और 22 हजार रुपये फीस अदा की थी। उन्होंने बताया कि इस फर्जी साइट का सर्वर गोरखपुर से ऑपरेट हो रहा था। पुलिस अभी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इन आरोपितों के अलावा अन्य कितने लोग इस गिरोह से जुड़े हैं। पुलिस के अनुसार फर्जी वेबसाइट पर सीईटी के पेपर के लिए अभ्यर्थियों का पंजीकरण करवा कर और उनसे ऑनलाइन पैसे ले रहे थे।

बहादुरगढ़ के भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री से मिलकर विकास कार्यों पर की चर्चा

एजेंसी

झज्जर। हरियाणा भवन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर हलके के विकास कार्यों को लेकर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने उन्हें सभी मामलों पर गौर करने का आश्वासन दिया। बहादुरगढ़ के भाजपा नेता एवं विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक, नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी व पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष राजपाल जांगड़ा दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिले।

दिनेश कौशिक ने बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखे। इनमें उत्तरी बाईपास का मुद्दा भी शामिल रहा।कौशिक व नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने बहादुरगढ़ में विकास कार्यों व परियोजनाओं पर चल रहे काम की जानकारी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को दी। दिनेश कौशिक ने बताया कि मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया है कि बहादुरगढ़ क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। बहादुरगढ़ सब्जी मंडी में आयोजित माता सावित्रीबाई फुले की जयंती पर रखी गई मांगों को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकतर मांगें पूरी हो चुकी हैं। जो रह गई हैं उन कार्यों की अधिकारियों के साथ मिलकर फीजिबिलिटी चेक करवाएं, ताकि उन पर भी जल्द से जल्द काम शुरू हो सके। दिनेश कौशिक ने कहा कि मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री से बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में रैली के लिए समय मांगा गया है, जिस पर उन्होंने जल्द ही समय देने की बात कही है।

योग मानसिक स्वास्थय को भी बनाता है मजबूतर: एसपी भूपेंद्र सिंह

एजेंसी

पानीपत। पानीपत पुलिस लाईन में पुलिस कर्मियों के लिए योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस कर्मियों व उनके परिजनों ने आयुष विभाग के प्रशिक्षकों की देखरेख में विभिन्न व्यायाम व योगासनों का अभ्यास किया। योग की शुरूआत प्राणायाम से की गई। प्राणायाम और ध्यान तकनीकों का अभ्यास करवाया। पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह, अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ ताड़ासन, भुजंगासन, वज्रासन, त्रिकोणासन, कपालभाति तथा अनुलोम-विलोम जैसे आसनों का अभ्यास किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह आईपीएस ने योग के फायदे बताए। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा एक चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी है, जिसमें अक्सर शारीरिक थकान और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है। ऐसे में योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक स्वास्थय को भी मजबूत बनाता है। योग हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाकर जीवन में नई ऊर्जा का संचार करता है। योगासन शरीर को शक्तिशाली एवं

लचीला बनाए रखता है, साथ ही तनाव से मुक्ति दिलाता है जो हमारे दैनिक जीवन के लिए आवश्यक है। उन्होंने भी पुलिस कर्मियों को योग के महत्व बारे बताते हुए कहा कि वे योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं, ताकि वे न केवल खुद को स्वस्थ रख सकें, बल्कि समाज की बेहतर सेवा भी कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसे आयोजन और नियमित योग सत्र जारी रहेंगे। कार्यक्रम में आयुष विभाग की प्रशिक्षक नीलीमा व आर्ट ऑफ लिविंग के सुरेंद्र गोयल ने योग की शुरुआत प्राणायाम से करवाई। इस अवसर पर डीएसपी मुख्यालय सतीश वत्स, डीएसपी राजबीर सिंह, डीएसपी नरेंद्र सिंह, डीएसपी सुरेश कुमार सैनी व अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी व उनके परिजन मौजूद रहें।

नगर निगम गुरुग्राम के कर्मचारियों को मिला जॉब सिक्योरिटी अधिनियम का लाभ

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार द्वारा संविदात्मक कर्मचारियों के लिए सेवा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लागू किए गए सेवा की सुनिश्चितता अधिनियम का लाभ अब नगर निगम गुरुग्राम के संविदात्मक कर्मचारियों को मिलने लगा है। प्रथम चरण में नगर निगम गुरुग्राम के 805 कर्मचारियों को इस अधिनियम के तहत लाभान्वित किया गया है। नगर निगम ने आश्वासन दिया है कि शेष बचे कर्मचारियों को भी शीघ्र ही इस अधिनियम का लाभ प्रदान किया जाएगा। इस उपलब्धि से उत्साहित नगर निगम कर्मचारियों ने मेयर राजरानी मल्होत्रा और निगमायुक्त प्रदीप दहिया के माध्यम से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार प्रकट किया। कर्मचारियों ने कहा कि यह अधिनियम उनके भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की दूरगामी सोच के तहत हरियाणा सरकार द्वारा अगस्त 2024 में लागू किया गया यह अधिनियम राज्य के लाखों संविदात्मक कर्मचारियों के लिए उम्मीद की किरण बना है। मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच और श्रमिक हितैषी नीतियों के कारण अब संविदा पर कार्यरत कर्मियों को स्थायित्व और सम्मानजनक कार्य परिस्थितियां मिलेंगी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेट्रो लैब्स स्थापित

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ में अत्याधुनिक 'मेट्रो लैब्स' का शुभारंभ किया गया। आयोजन में डीएमआरसी एकेडमी के महानिदेशक घनश्याम बंसल बतौर मुख्य अतिथि सहित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार आदि मौजूद रहे। इस मौके पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन एकेडमी के बीच आपसी साझेदारी हेतु समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए गए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो टंकेशवर कुमार ने कहा कि वर्तमान में अधिकांश मेट्रो स्टेशनों का निर्माण भूमिगत हो रहा है। ऐसे में टनलिंग लैब विद्यार्थियों को भूमिगत संरचनाओं की जटिलताओं को समझने में सक्षम बनाएगी। लैब में एकीकृत 'मिडाज सॉफ्टवेयर' के माध्यम से विद्यार्थी जटिल टनलिंग सिस्टम का मॉडल व डिज़ाइन तैयार करने के साथ-साथ उसका विश्लेषण भी कर सकेंगे, जिससे वे भविष्य हेतु उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह लैब्स किसी भी विश्वविद्यालय में स्थापित अपनी तरह की पहली लैब्स है। डीएमआरसी एकेडमी के महानिदेशक घनश्याम बंसल ने कहा कि यह प्रयास विद्यार्थियों को मैट्रो इंजीनियरिंग व टनलिंग से संबंधित एडवांस सुविधाओं को जानने और उससे संबंधित कौशल विकास में मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एसओईटी) में स्थापित ये प्रयोगशालाएं मेट्रो रेलवे इंजीनियरिंग शिक्षा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने में मददगार होगी। विश्वविद्यालय में ये प्रयोगशालाएं शिक्षण को वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों से जोड़ने का कार्य करेंगी। हकेवि में यह मेट्रो

लैब्स विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से मिले अनुदान से स्थापित की गई है। विश्वविद्यालय में डॉ विकास गर्ग और डॉ अजय बंसल इस परियोजना में मुख्य अन्वेषक के रूप में कार्यरत है। डॉ.भास्कर ने बताया कि प्रशिक्षण और शैक्षणिक सहयोग को और सुदृढ़ करने के लिए इसमें 50 सीटों वाला आधुनिक ऑडियो.विजुअल सुविधाओं से सुसज्जित सेमिनार हॉल भी स्थापित किया गया है।

राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी को देश से मांगनी चाहिए माफी: नायब सैनी

एजेंसी

पलवल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पलवल की अनाज मंडी में आयोजित धन्यवाद रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। राहुल के 'लंगड़ा घोड़ा' बयान पर पलटवार करते हुए सीएम ने कहा, लंगड़ा घोड़ा तो आप थे। हमारे हरियाणा के लोग रेस के घोड़े हैं, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास की दौड़ में आगे बढ़ रहे हैं। सीएम ने राहुल और कांग्रेस से देश की जनता से माफी मांगने की मांग की। सीएम सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने 55 साल तक देश पर शासन किया, लेकिन हरियाणा की जनता से पैसा लूटकर अपनी तिजोरी भरी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, जब तक लूट का पैसा आता रहा, तब तक आपको हरियाणा के लोग रेस के घोड़े दिखे। लेकिन जब जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया, तो अब आप इन्हें लंगड़ा घोड़ा कह रहे हैं। सैनी ने राहुल के बयान पर हैरानी जताते हुए कहा कि कांग्रेस नेता खुद सदमे में हैं कि राहुल ने ऐसा क्या बोल दिया। राहुल गांधी ने हाल ही में भोपाल में कांग्रेस नेताओं को संबोधित करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को तीन श्रेणियों- रेस का घोड़ा, बारात का घोड़ा और लंगड़ा घोड़ा- में बांटा था। उन्होंने कहा था कि रेस के घोड़ों को दौड़ाया जाएगा, बारात के घोड़ों को बारात में भेजा जाएगा और लंगड़े घोड़ों को रिटायर कर चारा-पानी दिया जाएगा। इस बयान को लेकर अब सियासी बवाल मचा है, जिसे बीजेपी ने भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सीएम सैनी ने कहा कि राहुल के बयान से हरियाणा कांग्रेस के नेता सदमे में हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस को जनता ने नकार दिया है। उनके नेता समझ नहीं पा रहे कि अब क्या करें। सैनी ने बीजेपी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि कांग्रेस के शासन में किसानों को सम्मान निधि नहीं मिलती थी, लेकिन बीजेपी सरकार किसानों के खातों में सीधे पैसा भेज रही है। राहुल गांधी के बयान पर बीजेपी का हमला और सीएम सैनी का यह तीखा जवाब हरियाणा की सियासत में नया रंग ला सकता है। सीएम सैनी ने कहा कि कांग्रेस के 10 वर्ष के कार्यकाल में प्रदेश में फसल खराबे पर किसानों को केवल 1155 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया।

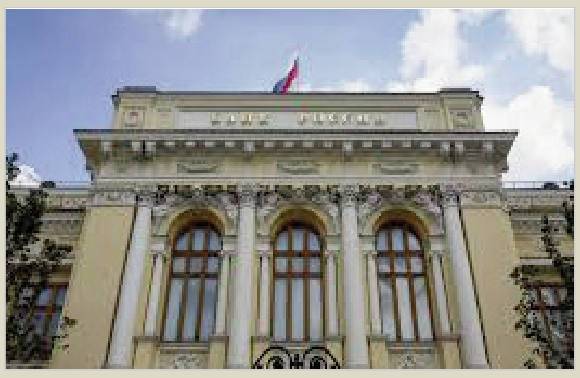

रूस के केंद्रीय बैंक ने की नीतिगत ब्याज दर में 1 फीसदी कटौती

नई दिल्ली।

रूस के केंद्रीय बैंक ने नीतिगत ब्याज दर में 1 फीसदी की कटौती कर दी है।` जिससे रूस की नई बेंचमार्क पॉलिसी रेट 21 से घटकर 20 फीसदी हो गई है। यह सितंबर 2022 के बाद पहली बार है जब रूस ने ब्याज दरों में कटौती की है। फरवरी 2022 से ही यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझे रूस की अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे संतुलित विकास की ओर लौट रही है। रूस में अप्रैल 2025 में मुद्रास्फीति दर 6.2 फीसदी दर्ज की गई, जबकि पहली तिमाही में यह औसतन 8.2 फीसदी थी। रूस की मुद्रा रूबल साल 2025 में डॉलर के मुकाबले दुनिया में सबसे बढिया प्रदर्शन करने वाली करंसी बन गई है। रूबल का बढना और महंगाई का कम होना बताता है कि रूस द्वारा अपनाई गई सख्त मौद्रिक नीति अब असर दिखा रही है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने साफ किया है कि नीति अब भी सख्त रहेगी, जब तक कि महंगाई को 4 फीसदी के लक्ष्य तक नहीं लाया जाता। बैंक का कहना है कि घरेलू मांग अब भी आपूर्ति के मुकाबले ज्यादा है।

मुकेश अंबानी ने आईसीटी को 151 करोड़ अनुदान देने की घोषणा की

मुकेश अंबानी ने 1970 के दशक में यहीं से की थी स्नातक की पढ़ाई

मुंबई।

देश के जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी ने मुंबई के इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईसीटी) को 151 करोड़ रुपये का बड़ा दान देने की घोषणा की। ये दान उन्होंने अपने पुराने शिक्षक प्रोफेसर एमएम शर्मा को श्रद्धांजलि देने के लिए दिया। यहीं से उन्होंने 1970 के दशक में स्नातक की पढ़ाई की थी। हाल ही में आईसीटी के वरिष्ठ और सम्मानित प्रोफेसर एमएम शर्मा की जीवनी डिवाइन साइंटिस्ट के विमोचन समारोह में मुकेश अंबानी ने कहा कि प्रोफेसर शर्मा और जेबी जोशी मेरे प्रोफेसर थे। अन्य संस्कृतियों में गुरु केवल शिक्षक होता है, लेकिन भारतीय संस्कृति में गुरु ही ब्रह्मा हैं, गुरु ही विष्णु हैं, गुरु ही महेश्वर हैं...मुकेश अंबानी ने कहा, 70 के दशक के मध्य में जब मैं एक छात्र के रूप में यहां आया था, तब यह इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी नहीं था, यह यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी था। मैंने जानबूझकर आईआईटी बॉम्बे की जगह यूडीसीटी को चुना था। आज भी मुझे प्रोफेसर शर्मा का पहला व्याख्यान याद है और उन्हें सुनने के बाद मुझे विश्वास हो गया कि मैंने सही चुनाव किया है।

एसबीआई एमएफ, गोल्डमैन सैक्स, अन्य ने बजाज फिनसर्व में खरीदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली।

एसबीआई एमएफ, मॉर्गन स्टेनली और गोल्डमैन सैक्स सहित अन्य ने बजाज फिनसर्व में प्रवर्तक संस्थाओं से कुल 5,506 करोड़ रुपये में 1.8 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। एनएसई पर थोक सौदों के आंकड़ों के अनुसार जेपी मॉर्गन इंडिया, सिटीग्रुप ग्लोबल, सोसाइटी जनरल, एसबीआई लाइफ, बोफा सिक्योरिटीज और बार्कलेज मर्चेंट बैंक (सिंगापुर) भी खरीदारों में शामिल थे। आंकड़ों के अनुसार इन संस्थाओं ने बजाज फिनसर्व में 1.8 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,925.20 रुपये प्रति शेयर के औसत मूल्य पर खरीदी। इस तरह संयुक्त लेनदेन मूल्य 5,506.07 करोड़ रुपये हो गया। इस बीच बजाज फिनसर्व की प्रवर्तक इकाई बजाज होल्डिंग्स एंड इन्वेस्टमेंट और जमनालाल संस ने समान कीमत पर समान संख्या में शेयर बेचे। हिस्सेदारी बिक्री के बाद बजाज फिनसर्व में प्रवर्तकों की हिस्सेदारी 60.64 प्रतिशत से घटकर 58.84 प्रतिशत रह गई।

सरकार बनाएगी विदेशी दिग्गज फर्मों को टक्कर देने वाली कंपनी

भारत की कंपनी बनने से विदेशी परामर्श कंपनियों पर निर्भरता हो जाएगी कम

नई दिल्ली।

केंद सरकार भी दु निया की चार दिग्गज परामर्श एवं ऑडिट कंपनियों को टक्कर देने वाली कंपनी बनाने की योजना बना रहा है। कंपनी मामलों के मंत्रालय की सचिव दीप्ति गौर मुखर्जी की अध्यक्षता में एक समिति ऐसी देसी कंपनी बनाने के लिए जरूरी कदमों पर विचार करेगी।

यह समिति जरूरत पड़ने पर नीतिगत उपाय भी सुझाएगी। इस सिलसिले में हाल ही में पहली बैठक प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में हुई थी। प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ, वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराज, राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव और गौर मुखर्जी समेत शीर्ष सरकारी अधिकारी शामिल हुए थे।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने इन शीर्ष अधिकारियों के समक्ष वैश्विक स्तर की एक ऐसी भारतीय कंपनी तैयार करने का खाका पेश किया। सूत्रों ने कहा कि इस बैठक से पहले भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) ने भी इस विषय पर अपनी सलाह कंपनी मामलों के मंत्रालय के अधिकारियों को दी थी। चार बड़ी कंपनियों डेलॉयट, पीडब्ल्यूसी, ईवाई और केपीएमजी को विभिन्न सरकारी मंत्रालयों एवं विभागों से काफी काम मिलता है। अब सरकार चाहती है कि ऐसी कंपनियों पर निर्भरता कम कर देश में ही एक कंपनी तैयार की जाए, जो ये काम कर सके।

पीएनबी ने घटाई होम और ऑटो लोन की ईएमआई

ब्याज दरों में कटौती 9 जून से प्रभाव में आएगी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो रेट में कटौती के बाद अब सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने होम और ऑटो लोन की ब्याज दरों में कटौती का ऐलान किया है पीएनबी ने बताया कि बैंक ने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट में 0.50 फीसदी की कमी की है, जो 9 जून 2025 से प्रभाव में आएगी। इसके तहत अब पीएनबी का होम लोन 7.45 फीसदी और ऑटो लोन 7.80 फीसदी सालाना की दर से शुरू होगा। बैंक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा` कि हमारे ग्राहकों के लिए खुशखबरी आपकी ईएमआई को अब और भी सस्ता बना दिया गया है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की हालिया बैठक में रेपो दर को 0.50 घटाकर 5.50 फीसदी कर दिया गया, जो कि फरवरी से अब तक कुल एक फीसदी की कटौती है। यह दर पिछले तीन वर्षों में सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुकी है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने उम्मीद जताई कि ब्याज दर में हुई कटौती से देश की आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी उन्होंने यह भी कहा कि, इस निर्णय का असर वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में स्पष्ट रूप से देखने को मिलेगा।

पाकिस्तान अंदर से खोखला, वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट से खुलासा

लगभग 44.7 फीसदी पाकिस्तानी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन बिता रही है

नई दिल्ली। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति और भी` बिगड़ गई है, जैसा कि वर्ल्ड बैंक की हाली हालिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है। इस रिपोर्ट के अनुसार लगभग 44.7 फीसदी पाकिस्तानी आबादी अब गरीबी रेखा के नीचे जीवन बिता रही है, जो कि चिंताजनक है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति सिर्फ शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आमिस मुनीर की असफलता का ही परिणाम नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की स्वाभाविकता को भी दर्शाता है। पाकिस्तान ने आतंकी साजिशों की बढ़ती चपेट में आर्थिक सहायता और अन्य आंकड़ों पर निर्भर होने की स्थिति में विकास के मामले में पीछे हो जाना है। अंतरराष्ट्रीय कर्ज और राहत पैकेजों पर निर्भर रहने वाले पाकिस् तान की आज भी प्राथमिकता देश का विकास नहीं बल्कि आतंकवाद को पालने-पोसने की है। चाहे आईएमएफ हो या फिर चीन जैसे मित्र देश, हर जगह से पाकिस् तान को भर-भरकर अरबों डॉलर का कर्ज़ मिल रहा है। इसके बावजूद वहां आवाम के जीवन स्तर में कोई ठोस सुधार नहीं आ पाया है। पाकिस्तान की आधी से ज्यादा आबादी अब रोजाना 1200 रुपये से भी कम पर गुजारा कर रही है, जो इस बात को साफ करता है कि सत्ताधारी वर्ग की योजनाएं जमीनी सच्चाई से कोसों दूर हैं। विकास के बजाय पाकिस्तान की सबसे बड़ी चिंता आज भी उसकी सेना और आतंकवाद को समर्थन देना है। हालिया वर्षों में पाकिस्तान ने सेना के बजट में लगातार इजाफा किया है। इतना ही नहीं वहां शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों को नजरअंदाज कर दिया गया है। इस वर्ष भी पाकिस्तान की सेना को बजट में भर-भरकर पैसा दिया गया है, जबकि देश में 39.8 मिलियन लोग चरम गरीबी की मार झेल रहे हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की तेजी रही

सेंसेक्स 746.95 अंक चढ़कर 82,188.99 पर बंद

निफ्टी 817.55 अंक चढ़कर 56,578.40 पर बंद

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो रेट में 50 बे सिस अंकों और सीआरआर में 100 बे सिस अंकों की कटौती की वजह से लगातार दो सप्ताह से चली आ रही` गिरावट के ` सिले सिले को तोड़ते हुए 6 जून को समाप्त सप्ताह में सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी बढ़त के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की तेजी देखी गई। शेयर बाजार सप्ताह में पहले और दूसरे ` दिन` गिरावट ले किन बाकी तीन` दिन बढ़त के साथ कारोबार देखा गया। शेयर बाजार में सप्ताह के पांच` दिन कारोबार इस प्रकार रहा- एशियाई बाजारों से मिलेजुले रूखे के बीच भारतीय शेयर बाजार जून महीने के पहले कारोबारी` दिन सोमवार को बड़ी गिरावट लेकर लाल निशान में खुले। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक गिरकर 81,214 पर खुला और 77.26 अंक गिरकर 81,373.75 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 24,669.70 अंक पर खुला और 34.10 अंक गिरकर 24,716.60 पर बंद हुआ। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 194.65 अंक गिरकर 81,179.10 पर खुला और 636.24 अंक की गिरावट के साथ 80,737.51 पर बंद हुआ। निफ्टी 62.35 अंक गिरकर 24,654.25 पर खुला और 174.10 अंक गिरकर 24,542.50 पर बंद हुआ। दो दिन की गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 192.73 अंक के साथ 80,930.24 पर खुला

और 260.74 अंक या 0.32 प्रतिशत चढ़कर 80,998.25 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 174.10 अंक गिरकर 24,542.50 पर खुला और 77.70 अंक बढ़कर 24,620.20 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 197.83 अंक चढ़कर 81,196.08 पर खुला और 443.79 अंक चढ़कर 81,442.04 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 71 अंक चढ़कर 24,691.20 पर खुला और 130.70 अंक बढ़कर 24,750.90 पर बंद हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर एमपीसी के फैसलों के एलान के बाद घरेलू शेयर बाजार में खरीदारी लौटी। सेंसेक्स 755.89 (0.92 फीसदी) अंकों की बढ़त के साथ 82,197.93 पर खुला और 746.95 अंक या 0.92 प्रतिशत चढ़कर 82,188.99 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक में भी मजबूत खरीदारी दिखी और यह 849.55 (1.52 फीसदी) अंक मजबूत होकर 56,610.40 के स्तर पर खुला और 817.55 (1.47 फीसदी) अंक चढ़कर 56,578.40 के स्तर पर बंद हुआ।

चीन में इलेक्ट्रिक सेडान मैक्सट्रो एस 800 लॉन्च

नई दिल्ली।

चाइनीज कंपनी हुवावे ने अपने नए लग्जरी इलेक्ट्रिक सेडान मैक्सट्रो एस 800 को लॉन्च किया है, जिसकी कीमत लगभग 1.20 करोड़ रुपये यानी एक मिलियन युआन से अधिक है। यह कार शेन्जेन में पिछले सप्ताह पेश की गई और इसे मर्सिडीज-बेंज ईक्यूएस, रोल्स-रॉयस स्पेक्ट्रे और बेंटले जैसी अल्ट्रा-लक्जरी कारों के मुकाबले उतारा गया है। मैक्सट्रो एस 800 का डिजाइन मर्सिडीज-मेबैक की लक्जरी वाइब देता है, जिसमें फ्रंट पर स्लीक एलईडी हेडलैम्प और सिल्वर जाली लगी है। इसके बड़े मल्टी-स्पोक पहिये, क्रोम ट्रिम्स, फ्लश फिटिंग डोर हैंडल और कूपरूफलाइन इसे आकर्षक बनाते हैं। कार के विंडशील्ड पर लिडार पैनल भी मौजूद है, जो एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (अडास) का हिस्सा है। इंटीरियर की बात करें तो केबिन में क्रिस्टल शिमर सीलिंग है, जिसे रोल्स-रॉयस ने भी इस्तेमाल किया है, जिससे छत तारों भरे आसमान जैसी लगती है। तीन स्क्रीन वाला डैशबोर्ड और 32 से अधिक अडास सेंसर इस कार को तकनीकी रूप से अत्याधुनिक बनाते हैं। हुवावे ने पहले भी सेरेस ग्रुप के साथ ऑटोमोटिव सेक्टर में कदम रखा है और अब मैक्ट्रो एस 800 के साथ लग्जरी कार बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता है।

यह मॉडल 838 बीएचपी की पीक पावर देने में सक्षम है और कई पावरट्रेन विकल्पों में उपलब्ध होगा। इस लॉन्च के साथ हुवावे इलेक्ट्रिक लग्जरी कारों के क्षेत्र में मर्सिडीज, रोल्स-रॉयस और बेंटले जैसे ब्रांडों को कड़ी टक्कर देने की तैयारी में है। बता दें कि चाइनीज कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियां अब तेजी से इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर बाजार में कदम रख रही हैं और इस रेस में हुवावे ने भी अपनी एंट्री कर ली है।

पामतेल के शुल्क में कटौती से कीमत स्थिर करने में मदद मिलेगी:विशेषज्ञ

नई दिल्ली।

पाम, सोया और सूरजमुखी सहित खाने के तेलों पर आयात शुल्क में कटौती करने से एफएमसीजी कंपनियों को अपने मार्जिन में सुधार करने और लागत को स्थिर करने में मदद मिलेगी। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि दैनें दिन की जरूरत का सामान बनाने वाली कंपनियां खाद्य पदार्थों में पाम तेल का उपयोग करती हैं।` जिससे न केवल खाद्य कंपनियों को फायदा होगा, जिनके लिए पामतेल उनके कच्चे माल की लागत का लगभग 25-30 प्रतिशत है, बल्कि साबुन निर्माताओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले उत्पाद पीएफएडी (पाम फैटी एसिड डिस्टिलेट) की कीमतें भी कम होंगी। सरकार ने पिछले सप्ताह कच्चे खाद्य तेलों पर मूल आयात कर में 10 प्रतिशत की कमी की थी। शुल्क में कटौती 31 मई, 2025 से प्रभावी है। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल), जो सिंथॉल और गोदरेज नंबर वन जैसे साबुन ब्रांडों का मालिक है, ने इसे एक सकारात्मक कदम बताया। वैश्विक पाम ऑयल की कीमतों में नरमी के शुरुआती संकेतों के साथ-साथ यह कदम लागत को स्थिर करने में मदद करेगा। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार 10 प्रतिशत शुल्क कटौती उपभोक्ता मासिक मुद्रास्फीति को कम करेगी और खाद्य कंपनियों की लागत को कम करेगी।

भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी से उभर रहा स्टील सेक्टर

वित्त वर्ष 2024-25 में वैश्विक स्टील उत्पादन स्थिर रहा

नई दिल्ली।

टाटा स्टील के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने शेयरधारकों को एक पत्र लिखकर बताया कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से उभर रही अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन चुका है। उन्होंने जनसंख्या संरचना, ढांचागत सुधार, कम महंगाई और सरकारी छूटों के चलते देश की आर्थिक स्थिति की प्रशंसा की। चंद्रशेखरन ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में वैश्विक स्टील उत्पादन स्थिर रहा, जबकि भारत में स्टील का उत्पादन और खपत में वृद्धि हुई है। टाटा स्टील ने भी देश में अपनी प्रबल प्रतिष्ठा बनाई है। कंपनी ने देशभर में योगदान देते हुए अपनी स्थिरता और विश्वसनीयता साबित की है। उन्होंने बताया कि टाटा स्टील ने सबसे ज्यादा कच्चा इस्पात उत्पादन किया और भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का समर्थन किया है। कंपनी ने ओडिशा में भारत का सबसे बड़ा ब्लास्ट फर्नेस शुरू किया है, जिससे उनके पूर्वानुमान के अनुसार स्टील उत्पादन में वृद्धि होगी। इसके साथ ही, नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड ने भी अच्छे प्रदर्शन किया है। टाटा स्टील ने भारत में शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी ने देशभर में अपनी फैक्ट्रियों को लगभग पूरी क्षमता पर चलाया और अब तक का सबसे ज्यादा कच्चा इस्पात उत्पादन किया, जो 21.7 मिलियन टन रहा। इस दौरान 20.9 मिलियन टन स्टील की डिलीवरी भी की गई। कंपनी ने ओडिशा के कलिंगनगर में देश का सबसे बड़ा ब्लास्ट फर्नेस शुरू किया है, जो 27,000 करोड़ की फेज-2 विस्तार योजना का हिस्सा है। इसके अलावा, नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी ने 1,000 करोड़ का ऐ बिटा दर्ज किया और सकारात्मक फ्री कैश फ्लो भी हासिल किया।

टू-व्हीलर बिक्री में हीरो ने होंडा को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो ने होंडा को मासिक और वार्षिक दोनों आधार पर पीछे छोड़ दिया है। जारी आंकड़ों के मुताबिक, मई 2025 में टू-व्हीलर सेगमेंट में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। मई में हीरो ने 4,88,997 वाहन बेचे, जो अप्रैल 2025 में उसके 2,88,254 से लगभग 70प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर्शाता है। वहीं, होंडा की बिक्री मई में 4,17,256 रही, जो अप्रैल के 4,22,931 की तुलना में करीब 1.34प्रतिशत की गिरावट है। सालाना आधार पर होंडा को मई 2024 की तुलना में 7.4प्रतिशत की गिरावट का सामना करना पड़ा। टॉप टू-व्हीलर ब्रांडों की बात करें तो टीवीएस ने मई 2025 में 3,09,287 बाइकें बेचीं, जो पिछले साल की तुलना में 14प्रतिशत की बढ़ोतरी है, जबकि बजाज की बिक्री में मामूली वृद्धि के साथ 1.63प्रतिशत की वार्षिक ग्रोथ दर्ज की गई। सुजुकी ने भी 17प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी के साथ 1,07,780 इकाइयां बेचीं। वहीं, रॉयल एनफील्ड ने सबसे बड़ी सालाना ग्रोथ दिखाई, जिसकी बिक्री मई 2025 में 75,820 रही, जो पिछले साल की 63,531 से 19.34प्रतिशत अधिक है। मासिक आधार पर देखें तो बजाज और सुजुकी ने क्रमशः 1.48प्रतिशत और 13.2 प्रतिशत की ग्रोथ

हासिल की, जबकि टीवीएस और रॉयल एनफील्ड की बिक्री में थोड़ी गिरावट देखी गई। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि भारतीय टू-व्हीलर बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज होती जा रही है, जहां हीरो ने अपनी पकड़ मजबूत करते हुए होंडा को चुनौती दी है।

इलेक्ट्रिक एसयूवी वीएफ 6 और 7 की टेस्टिंग शुरू

नई दिल्ली।

इलेक्ट्रिक एसयूवी निर्माता कंपनी विनफास्ट ने अपनी ऑल-इलेक्ट्रिक कॉम्पैक्ट एसयूवी वीएफ6-7 की भारत में टेस्टिंग शुरू कर दी है। विनफास्ट की मुंबई समेत कई बड़े शहरों में टेस्टिंग जारी है, जिसमें कंपनी अपने वीएफ6 और वीएफ7 मॉडल की सार्वजनिक चार्जिंग नेटवर्क के साथ अनुकूलता और रियल-रंग रेंज का आकलन कर रही है। इसका मकसद यह समझना है कि ये वाहन भारत के विभिन्न इलाकों में उपलब्ध चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ कितना अच्छा तालमेल बिठा पाते हैं। विनफास्ट की योजना है कि वे इस साल के फेस्टिव सीजन में भारत में अपने इलेक्ट्रिक एसयूवीएस को लॉन्च करें। कंपनी ने भारत में अपनी सहायक कंपनी वी-ग्रीन चार्जिंग समाधान लाने की भी घोषणा की है, जो 60केडब्ल्यू से लेकर 300केडब्ल्यू तक की क्षमता वाले डीसी फास्ट चार्जर उपलब्ध कराएगी। इसके अलावा, विनफास्ट ने टाटा पावर जैसे स्थानीय चार्जिंग पार्टनर के साथ भी सहयोग किया है, ताकि चार्जिंग नेटवर्क को मजबूत बनाया जा सके और ग्राहकों को बेहतर सुविधा मिले। विनफास्ट की एसयूवीएस भारत के लिए विशेष रूप से अनुकूलित होंगी और कंपनी 5-स्टार भारत एनकैप सुरक्षा रेटिंग के लिए भी काम कर रही है। वीएफ6 और वीएफ7 दोनों ही 5-सीटर इलेक्ट्रिक एसयूवीएस हैं, जिनमें 75.3 केडब्ल्यूएच की बैटरी लगी है। वीएफ7 में सिंगल मोटर वाला फ्रंट-व्हील ड्राइव 201 बीएचपी की पावर और 310 एनएम का टॉर्क देता है, जबकि डुअल मोटर वाला ऑल-व्हील ड्राइव वैरिएंट 348 बीएचपी पावर और 500 एनएम टॉर्क के साथ आता है। दोनों मॉडलों की रेंज लगभग 431 से 450 किलोमीटर के बीच है। कारें 35 मिनट में डीसी फास्ट चार्जर से 10 से 70 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती हैं। विनफास्ट ने भारतीय बाजार के लिए विशेष फीचर्स जैसे लेवल 2 अडास, एडजस्टेबल सीटें, और बड़े इंफोटेनमेंट डिस्प्ले दिए हैं।

विंडसर ईवी ने 6,304 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की

नई दिल्ली।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने मई 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 6,304 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। कंपनी की यह बिक्री पिछले साल के मुकाबले 40 प्रतिशत ज्यादा रही। विंडसर ईवी को लॉन्च के बाद से ही ग्राहकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। यह बढ़ोतरी एमजी की मजबूत ईवी पोर्टफोलियो, खासकर विंडसर ईवी और उसके प्रो वेरिएंट्स की बदौलत संभव हो पाई है। हाल ही में लॉन्च हुई विंडसर ईवी प्रो सीरीज ने इस रफ्तार को और तेज किया है। कंपनी ने एसेंस प्रो और एक्सक्लूसिव प्रो जैसे वेरिएंट्स उतारे हैं, जो 52.9 केडब्ल्यूएच की बैटरी से लैस हैं और एक बार चार्ज करने पर 449 किमी तक की प्रमाणित रेंज देती हैं। इनमें लेवल 2 अडास, व्हीकल-टू-व्हीकल (वी2वी) और व्हीकल-टू-लोड (वी2एल) जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं, जिससे ये कारें सुरक्षा और तकनीक के मामले में काफी आगे हैं। एमजी ने ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बैट्री-एस-ए-सर्विस (बीएएएस) मॉडल भी पेश किया है, जिसमें ग्राहक बैटरी खरीदने की बजाय किराये पर ले सकते हैं। इससे वाहन की शुरुआती कीमत घटती है और ज्यादा लोगों तक ईवी पहुंच बनती है। कंपनी आने वाले महीनों में तीन नए इलेक्ट्रिक व्हीकल—सायबस्टेर, एम9 एमपीवी और माजेस्टेर एसयूवी लॉन्च करने की योजना में है। एमजी की लगातार बढ़ती बिक्री दर्शाती है कि अब ग्राहक सिर्फ ब्रांड नहीं, बल्कि तकनीक, रेंज और वैल्यू को प्राथमिकता दे रहे हैं।

राजनीति को नई दिशा देते विपक्षी दलों के नये चेहरे

ललित गर्ग

स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है और इन दलों में विपक्षी दलों के सांसद एवं नेताओं ने भारत का पक्ष बिना आग्रह, दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के दुनिया के सामने रखा, उसकी जितनी सराहना की जाये, कम है। इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को सशक्त एवं प्रभावी तरीकों से व्यक्त किया। देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। यह सराहनीय पहल भारत के लिये एक बड़ी उपलब्धि बनी है, जो भारत की भविष्य की राजनीति के भी नये संकेत दे रही है।

सिंदूर ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है और इन दलों में विपक्षी दलों के सांसद एवं नेताओं ने भारत का पक्ष बिना आग्रह, दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के दुनिया के सामने रखा, उसकी जितनी सराहना की जाये, कम है। इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को सशक्त एवं प्रभावी तरीकों से व्यक्त किया। देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। यह सराहनीय पहल भारत के लिये एक बड़ी उपलब्धि बनी है, जो भारत की भविष्य की राजनीति के भी नये संकेत दे रही है। क्योंकि इसने भारत में एक नए एवं सकारात्मक राजनीतिक नेतृत्व को उभरता हुआ दिखाया है। यूं तो सात दलों के सभी सदस्यों ने भरपूर तरीके से शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत का पक्ष रखकर दुनिया को भारत के पक्ष में करने की सार्थक पहल की है, लेकिन कांग्रेस के शशि थरूर एवं एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी एक नये किरदार में नजर आये हैं। थरुर को लेकर कांग्रेस पार्टी में प्रारंभ से ही विरोध एवं विरोधाभास की स्थितियां बनी हुई।

विदेशों में सटीक एवं प्रभावी भारतीय पक्ष रखने के कारण शशि थरुर जहां असंख्य भारतीयों की वाह-वाही लूट रहे हैं, वहीं कांग्रेस पार्टी में उनका भारी विरोध हो रहा है। चर्चा एवं विवादों में चल रहे शशि थरूर केरल के तिरुवंतपुरम से चार बार के कांग्रेस के सांसद हैं। वे एक ऐसे कूटनीतिज्ञ राजनेता हैं, जो अपने राजनीतिक कौशल का प्रदर्शन करना जानते हैं। वे एक ऐसे स्वतंत्र सोच एवं साहसी निर्णय लेने वाले नेता भी हैं जो अपनी पार्टी के रुख से अलग भी स्टैंड लेते रहे हैं। लेकिन ताजा सन्दर्भों में वे कांग्रेस के लिए अब असहज सच्चाई बन गए हैं। क्योंकि थरूर ने वह सब कुछ किया है जिसकी पार्टी में इजाजत नहीं है। प्रतिनिधि मण्डल में थरूर के नाम पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई थी, क्योंकि कांग्रेस ने केंद्र को थरूर का नाम नहीं दिया था। थरूर ने कहा था- मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जब भी राष्ट्रीय हित की बात होगी और मेरी सेवाओं की जरूरत होगी, तो मैं पीछे नहीं रहूंगा।' थरूर ने कांग्रेस छोड़ने की अटकलों के सवाल पर कहा- जब आप देश की सेवा कर रहे हों, तब ऐसी चीजों की ज्यादा परवाह नहीं करनी चाहिए। हमारे राजनीतिक मतभेद भारत के बॉर्डर के बाहर जाते ही खत्म हो जाते हैं। सीमा पार करते ही हम पहले भारतीय होते हैं। थरूर इन दिनों अमेरिकी सहित कई देशों के दौरे पर हैं, जहां वे ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बने मल्टी पार्टी डेलीगेशन को सुपर लीड कर रहे हैं। सरकार के समर्थन में बोलने पर कांग्रेस के अनेक नेता थरुर की खिंचाई करने में जुटे हैं। उन्हीं में एक नेता उदित राज ने थरूर को भाजपा का सुपर प्रवक्ता तक बता दिया है। जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी और सत्तारूढ़ भाजपा पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान युद्धविराम को लेकर लगातार हमलावर हैं।

4 जून 2025 को राहुल गांधी ने तब हद ही कर दी जब उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में आत्मसमर्पण कर दिया। इतना ही नहीं ये सब कहने का अंदाज भी उनका इतना खराब था कि जैसे कोई दुश्मन देश का बंदा बोल रहा हो। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि, मैं भाजपा और आरएसएस वालों को अच्छे से जान गया हूं, इनको थोड़ा सा दबाओ तो डर कर भाग जाते हैं। राहुल ने आगे कहा, उधर से ट्रंप ने फोन किया और इशारा किया कि मोदीजी क्या कर रहे हो? नरेंदर, सरेंडर और 'जी हुजूर' करके मोदीजी ने ट्रंप के इशारे का पालन किया। राहुल गांधी के इस भ्रामक एवं गुमराह करने वाले बयान का थरुर ने जोरदार तरीके से जबाव दिया एवं कांग्रेस पार्टी को ही घेरा। राष्ट्रपति ट्रम्प की भारत-पाक के बीच मध्यस्थता के बयान पर थरूर बोले- मैं यहां किसी विवाद को हवा देने नहीं आया हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति का सम्मान है। हमें नहीं पता उन्होंने पाकिस्तान से क्या कहा, पर हमें किसी की सलाह की जरूरत नहीं थी। आग्रह-दुराग्रह से ग्रसित होकर कांग्रेस के नेता एक-दूसरे को नीचा दिखाने की ही बातें कर रहे हैं, इन कांग्रेसी नेताओं में दायित्व की गरिमा और गंभीरता समाप्त हो गई है। राष्ट्रीय समस्याएं और विकास के लिए खुले दिमाग से सोच की परम्परा उनमें बन ही नहीं रही है। जब मानसिकता दुराग्रहित है तो 'दुष्प्रचार' ही होता है। कोई आदर्श संदेश राष्ट्र को नहीं दिया जा सकता। राष्ट्र-विरोधी राजनीति एवं सत्ता-लोलुपता की नकारात्मक राजनीति हमें सदैव ही उल्ट धारणा (विपथगामी) की ओर ले जाती है। ऐसी राजनीति राष्ट्र के मुद्दों को विकृत कर उन्हें अतिवादी दुराग्रहों में परिवर्तित कर देती है। राहुल गांधी एवं कांग्रेस ने राष्ट्रीय संकट में भी यही सब करके आम जनता से अधिक दूरियां बना ली है। शशि थरुर ने तो बड़ी लकीरें खींच दी, कांग्रेस कब ऐसी लकीरें खिंचने की पात्रता विकसित करेंगी? हर राजनीतिक दल को कई बार अग्नि स्नान करता पड़ता है, पर आज कांग्रेस तो 'कीचड़ स्नान' कर रहा है। जहां तक कांग्रेस नेताओं का सवाल है, एक और निहित संदेश सामने आया कि सिर्फ गांधी परिवार ही कांग्रेस का नेतृत्व नहीं कर सकता जबकि भारत की सबसे पुरानी पार्टी में अभी भी प्रतिभाओं का खजाना है, उसके पास अनुभवी नेता हैं, जो जटिल मुद्दों को समझने और नेतृत्व देने में सक्षम हैं।

बड़ी लकीरें तो प्रतिनिधिमण्डल में गये अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने भी खींची है। जिनमें एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विश्व की राजधानियों में भारत की स्थिति और मौजूद विकास को भी रेखांकित किया है। ओवैसी- जो भारत के अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं- उन्होंने पाकिस्तान को कड़ी भाषा में आड़े हाथों लिया। यहां तक कि उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जारी की गई फर्जी तस्वीरों का जिक्र करते हुए कहा कि नकल के लिए भी अकल चाहिए! ओवैसी की राष्ट्रवादी सोच तो समय-समय पर सामने आती रही है। इस तरह मुस्लिम नेतृत्व अगर उदारता दिखाता तो देश के करोड़ों मुसलमानों के प्रति एक विश्वास और भाईचारे की भावना बढ़ती है। ओवैसी ने तो सबकी निगाहें अपनी ओर खींच ली थीं। इसी तरह डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने अपनी तल्ख और चतुराई भरे अंदाज से भारतीयों एवं दुनिया का दिल जीत लिया है। सांसद कनिमोझी ने स्पेन में अपने हिस्से का पक्ष रखते हुए भारत की राष्ट्रीय भाषा एकता और विविधता का जिक्र कर ऐसी बात कही है जिसके बाद वो जमकर वाहवाही लूट रही हैं। कनिमोझी ने इसके साथ ही कहा कि 'हमारे अपने मुद्दे हो सकते हैं, अलग-अलग विचारधाराएं हो सकती हैं, संसद में हमारे बीच तीखी बहस हो सकती है, लेकिन जब भारत की बात आती है, तो हम एक साथ खड़े होते हैं, यही संदेश हम लेकर आए हैं।' उनकी ये बातें इसलिए भी खास हैं क्योंकि जहां एक ओर उनकी पार्टी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रस्तावित त्रि-भाषा नीति को चुनौती देते हुए गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपने की बात कर रही है। वहां कनिमोझी एकता और विविधता को राष्ट्रीय भाषा बताते हुए अपना पक्ष रख रही हैं। डीएमके सांसद का ये अंदाज सुर्खियों का विषय बना है और लोग जमकर इसकी तारीफ कर रहे हैं। इसी तरह शिवसेना यूबीटी की प्रियंका चतुर्वेदी ने भारत को न केवल बुद्ध और गांधी, बल्कि श्रीकृष्ण की भूमि भी बताया, जिन्होंने पांडवों से आग्रह किया था कि धर्म की रक्षा के लिए आवश्यक हो तो युद्ध करने से न हिचकिचाएं। अब यह देखना बाकी है कि क्या सरकार ऐसे और कूटनीतिक प्रयासों में विपक्षी नेताओं का इस्तेमाल करना जारी रखेगी। प्रेषकः

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

प्रशंसक नहीं हैं दोषी

बेंगलुरू के चिन्नस्वामी स्टेड़ियम के बाहर मची भगदड़. के आरोप में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू यानी आरसीबी व कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ यानी केएससीए तथा अन्य के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या सहित अन्य आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राज्य के पुलिस कमिश्नर समेत आठ पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। मामले के अनुसार अठारह साल बाद आईपीएल ट्राफी जीतने का जश्न मनाने के लिए प्रशंसकों की भीड़.उमड़.आई। तकरीबन एक लाख लोग गेट पर जमा हो गए। गेट नहीं खुला था तो धक्का-मुक्की के दौरान भगदड़.हो गई जिसमें ग्यारह लोगों की मौत हो गई। बीएनएस की धारा 105 (गैर-इरादतन हत्या), 115 (जान-बूझकर चोट पहुंचाना), 118 (खतरनाक हथियारों या साधनों द्वारा चोट या गंभीर चोट पहुंचाना), 121(लोक सेवक को कर्त्तव्यों के निर्वहन से रोकने के लिए स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। आपराधिक बल प्रयोग, व्यक्तिगत जीवन को खतरे में ड़ालने वाले कृत्य वाली धाराएं भी जोड़ी गई हैं। लगभग हर वर्ष देश में कहीं न कहीं इस तरह के हादसे हो रहे हैं। यह प्रशासन की लापरवाही तो है ही आयोजकों को भी समझना चाहिए कि लोगों के उत्साह, उमंग या आस्था को जबरन रोका नहीं जा सकता। सरकारें हादसों के उपरांत बयानबाजी कर और मुआवजों का ऐलान करके हाथ झाड़.लेती हैं। विपक्ष आरोपों की झड़ी लगा देता है, और जांच के आसरे जनता मुंह ताकती रह जाती है। उम्मीद से अधिक भीड़. के अतिरिक्त अति विशिष्टों के स्वागत व उनकी सुरक्षा में जुटे सुरक्षाबलों पर अतिरिक्त भार हादसों का मुख्य कारण पाए जाने के बावजूद सरकार सबक लेने को राजी नहीं नजर आतीं। आयोजन धार्मिक हो या मनोरंजन के लिए, वहां वीवीआईपियों के जाने पर पाबंदी लगाने का प्रयास होना चाहिए। उनकी उपस्थिति और उनकी सुरक्षा में लगे तंत्र की भी व्यवस्था बिल्कुल अलग से होनी चाहिए। जनता की सुरक्षा में होने वाली कोताही के लिए सरकारें भी जिम्मेदार हैं। कुछ अधिकारियों व कर्मियों के निलंबन का दस्तूर काफी नहीं कहा जाना चाहिए। उचित न्याय का असल इंतजार तो मरने वालों के परिजनों को होगा। मगर लोगों को इन घटनाओं से सबक लेना होगा और कोशिश करनी चाहिए कि अधिक भीड़. वाली जगहों में जाने से बचें। आखिर, अपने जान-माल की रक्षा हमें स्वयं करनी है।

चिंतन-मनन

मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है

अष्टावक्र गीता में आचार्य अष्टावक्र कहते हैं कि मनुष्य शरीर मात्र शरीर नहीं है। वह चैतन्य आत्मा है। आत्मा ही इस शरीर की पोषक है। जैसे ही आत्मा इस शरीर से बाहर निकलती है, शरीर विकृत होने लगता है। बुद्धि, कर्म, भोग, अहंकार, लोभ, मोह शरीर और मन के धर्म हैं, आत्मा के नहीं। आत्मज्ञान के अभाव में ऐसी भ्रांति हुआ करती है कि मैं एक शरीर हूं, आत्मा नहीं। यही तो अज्ञान है। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश इन पांच तत्वों से मिलकर शरीर बनता है, जो भौतिक, अनित्य और नष्ट होने वाला है। मृत्यु के उपरांत शरीर नष्ट हो जाता है, पर हम शरीर के नष्ट हो जाने के बाद भी अगली यात्र पर निकल जाते हैं। जैसे पुराने वस्त्रों को छोड़कर नया वस्त्र धारण कर लेते हैं। यह शरीर हमारा वस्त्र मात्र है, जो भौतिक पदार्थों से मिलकर बना है। हम सब घर नहीं, बल्कि इसमें रहने वाले मालिक हैं। हम बार-बार यह कहते हैं कि हम शरीर नहीं आत्मा हैं, जो चैतन्य है। आत्मा का कोई वर्ण नहीं होता, वह ब्राण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र नहीं होती। वह तो चैतन्य-शक्ति मात्र है, जो समस्त प्रकार के जीवों में समान रूप से व्याप्त है। यह आत्मा न किसी वर्ण वाली है और न आश्रम वाली है। आत्मा की न कोई जाति होती है और न ही कोई धर्म होता है। ये चार आश्रम-ब्राचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास वाली भी नहीं है। आत्मा न कर्ता है और न भोक्ता है और न ही भोग्य विषय है। इन तीनों से परे असंग, निराकार और साक्षी मात्र है। 1कुछ लोग कहते हैं कि यह घोर कलयुग है, यह पंचम काल है। इसमें तो मुक्ति हो ही नहीं सकती। इस संदर्भ में आचार्य अष्टावक्र कहते हैं कि तुम अपने को चैतन्य में स्थिर कर लो तो अभी मुक्ति को प्राप्त हो सकते हो। जैसे दीपक जलते ही अंधेरा गायब हो जाता है, उसी तरह क्या आत्मज्ञान के प्रकाश से अज्ञान रूपी अंधकार गायब नहीं हो सकता।

शिक्षा का उज्ज्वल चेहरा: मिजोरम से क्या सीख सकते हैं हम!

सोनम लववंशी

जब भारत के कई राज्य अब भी शिक्षा के बुनियादी लक्ष्यों को छूने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, ऐसे समय में मिजोरम ने इतिहास रच दिया है। यह कोई सामान्य उपलब्धि नहीं, बल्कि वह मशाल है, जो देश के लिए दिशा और प्रेरणा दोनों बन सकती है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) 2023-24 के अनुसार, मिजोरम ने 98.2 प्रतिशत की साक्षरता दर के साथ 'पूर्ण साक्षरता' का गौरव प्राप्त कर लिया है और इसी के साथ यह भारत का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां हर दस में लगभग दस व्यक्ति पढ़ना-लिखना जानते हैं। यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि उस सामाजिक चेतना, प्रतिबद्ध प्रशासन और शिक्षकों की निःस्वार्थ भागीदारी की गाथा है, जिसने शिक्षा को अधिकार नहीं, ज़िम्मेदारी माना। अक्सर हाशिए पर रखे जाने वाले उत्तर-पूर्वी राज्यों में से एक, मिजोरम ने दिखा दिया है कि विकास केवल संसाधनों पर नहीं, संकल्प और सहभागिता पर निर्भर करता है। शिक्षा को लेकर यह राज्य जिस प्रकार आगे बढ़ा है, वह भारत की समग्र शिक्षा नीति पर एक मौन प्रश्नचिह्न भी है कि जो छोटे और संसाधन-वंचित राज्य कर सकते हैं, वह बड़े और अपेक्षाकृत समृद्ध राज्य क्यों नहीं? 2023 में केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए उल्लास नव-साक्षरता अभियान को मिजोरम ने केवल सरकारी योजना की तरह नहीं लिया, बल्कि उसे एक सामाजिक आंदोलन में तब्दील कर दिया। समग्र शिक्षा और नव भारत साक्षरता कार्यक्रम को जोड़ते हुए इसे मिशन मोड में उतारा गया। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण का गठन हुआ, और एससीईआरटी के अंतर्गत एक 'राज्य साक्षरता केंद्र' की स्थापना की गई। यहाँ मिजो भाषा में 'वर्टियन' नामक अध्ययन सामग्री तैयार की गई, स्वयंसेवी शिक्षकों के लिए 'मार्गदर्शक' पुस्तिका बनाई गई और छात्रों के लिए 'रोमी' जैसे संसाधन विकसित किए गए।

क्लस्टर रिसोर्स सेंटर समन्वयकों ने अगस्त-सितंबर 2023 में घर-घर जाकर 15 वर्ष से अधिक आयु के 3,026 अशिक्षित लोगों की पहचान की। यह अभियान किसी नियम का पालन मात्र नहीं था, यह उस भावना का प्रकटीकरण था जो समाज को पूर्ण ज्ञान से जोड़ना चाहता है। इनमें से 1,692 लोगों ने स्वयं आगे बढ़कर शिक्षा ग्रहण करने की इच्छा जताई। यह आंकड़े नहीं, बल्कि बदलती चेतना और सामाजिक परिवर्तन के प्रमाण हैं। यही वजह है कि मिजोरम की यह उपलब्धि महज केरल को पीछे छोड़ने की बात नहीं है, बल्कि यह दिखाती है कि शिक्षा जब जीवन के ताने-बाने में बसी हो, तो वह संख्याओं से आगे जाकर एक संस्कृति बन जाती है। जब देश की औसत साक्षरता दर अब भी 85 प्रतिशत के आसपास है, तब मिजोरम का 98.2 प्रतिशत तक पहुँचना यह सिद्ध करता है कि संसाधनों की बहुलता नहीं, दिशा और नीयत महत्वपूर्ण है। यह राज्य, जो भौगोलिक रूप से दूरस्थ और आर्थिक रूप से सीमित है, उसने यह कर दिखाया। भारत के बाकी राज्यों के लिए यह मात्र एक मिसाल नहीं, एक चेतावनी भी है कि अगर शिक्षा अब भी प्राथमिकता नहीं बनी, तो हम अपने सबसे मूल्यवान संसाधन, यानी युवा पीढ़ी, को खो बैठेंगे। शिक्षा को लेकर मिजोरम की यह प्रतिबद्धता एक और बात सिद्ध करती है कि कोई भी नीति, चाहे वह कितनी भी सुंदर क्यों न हो, तब तक निष्फल है जब तक समाज उसे अपने मूल्य की तरह नहीं अपनाता।

मिजोरम की सफलता का रहस्य केवल सरकारी योजनाओं या आंकड़ों में नहीं छिपा, बल्कि समाज के उस गहरे भाव में है जिसने शिक्षा को आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और नागरिक चेतना का औजार बना लिया है। वहाँ शिक्षा किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी मात्र नहीं है, न ही डिग्री प्राप्ति की दौड़। वहाँ यह समाज का दर्पण है, जिसमें हर व्यक्ति अपनी भूमिका को पहचानता है। गाँवों में भी विद्यालय महज सरकारी उपस्थिति का प्रमाण नहीं हैं, बल्कि वहाँ शिक्षक समय पर आते हैं, छात्र पूरे समर्पण से पढ़ते हैं और अभिभावक शिक्षा को जीवन का अविभाज्य हिस्सा मानते हैं। इस परिवर्तन की जड़ें मिशनरी स्कूलों की उस परंपरा में भी हैं, जो शिक्षा को केवल संस्थागत प्रक्रिया नहीं, बल्कि नैतिकता, अनुशासन और सेवा के भाव से ओतप्रोत मानते हैं। मिजोरम के स्कूलों में शिक्षा के साथ-साथ आत्मनिर्भरता, सामुदायिक सेवा और जिम्मेदारी का भाव बच्चों में आरंभ से ही रोपित किया जाता है। यही कारण है कि वहाँ का छात्र न केवल अकादमिक दृष्टि से सक्षम है, बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी जागरूक और उत्तरदायी नागरिक बनता है। इसके उलट जब हम उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान जैसे राज्यों की ओर देखते हैं, तो तस्वीर धुंधली हो जाती है। वहाँ शिक्षा व्यवस्था या तो दिखावटी हो गई है या फिर प्रशासनिक उपेक्षा की शिकार। स्कूलों की इमारतें खंडहर बन चुकी हैं, शिक्षक नियुक्त नहीं होते या समय पर नहीं आते, पाठ्यपुस्तकें महीनों देर से पहुँचती हैं, और छात्र बिना ज्ञान के कक्षाएं पार करते जाते हैं। शिक्षा यहाँ न आत्मबल देती है, न आत्मसम्मान, बल्कि वह एक बोझ बनकर रह गई है, जिससे केवल नौकरी पाने की उम्मीद की जाती है, लेकिन जीवन जीने की समझ नहीं मिलती। मिजोरम की शिक्षा नीति एक और कारण से प्रेरणादायक है—यहाँ मातृभाषा को शिक्षा का आधार बनाया गया है। शुरूआती कक्षाओं में मिजो भाषा में पढ़ाई करवा कर बच्चों को उनके सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश से जोड़ा गया है। यह भावनात्मक जुड़ाव न केवल सीखने की प्रक्रिया को सहज बनाता है, बल्कि बच्चों के भीतर आत्मीयता, आत्मविश्वास

और सामाजिक जागरूकता भी विकसित करता है। इसके विपरीत भारत के कई हिस्सों में भाषा की एक भ्रमित राजनीति है। अंग्रेजी माध्यम को आधुनिकता का प्रतीक मानते हुए स्थानीय भाषाओं को तिरस्कृत किया जा रहा है। इसका परिणाम यह हुआ है कि शिक्षा एक डर, एक बोझ बनती जा रही है, जिससे विद्यार्थी न जुड़ाव महसूस करते हैं, न आनंद।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को शिक्षा क्षेत्र में बदलाव का वाहक माना गया था, लेकिन इसके क्रियान्वयन में मिजोरम जैसे राज्यों के अनुभवों को केंद्रीय स्थान मिलना चाहिए। वहाँ की साक्षरता क्रांति इस बात का उदाहरण है कि शिक्षा में क्रांति नीति, बजट या घोषणाओं से नहीं आती वह आती है सामाजिक चेतना, शिक्षकों की प्रतिबद्धता और प्रशासन की पारदर्शिता से। जब समाज स्वयं शिक्षा को मूल्य मान लेता है, तब कोई भी बदलाव स्थायी होता है। यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि मिजोरम के पास न तो दिल्ली, मुंबई, चेन्नई जैसे बड़े उच्च शिक्षा संस्थानों की कतार है, न ही वहाँ कोई विदेशी विश्वविद्यालयों की शाखाएँ हैं। वहाँ के पास तकनीकी संसाधनों की अधिकता भी नहीं है। फिर भी वहाँ के छात्र शिक्षित हैं क्योंकि वहाँ शिक्षा को जीवन का उपकरण माना गया है, और यह विश्वास पूरे समाज में रचा-बसा है। इस सोच को देश के हर कोने में विकसित करना समय की माँग है।

आरबीआई ने तो राहत दे दी, लेकिन क्या बैंक इसे लोगों तक पहुंचाएंगे?

संतोष कुमार पाठक

घरों की घटती बिक्री और अर्थव्यवस्था पर लगातार पड़ रहे दबाव के बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने बड़ा कदम उठाते हुए रेपो रेट में बंपर कटौती कर दी है। आर्थिक मामलों के जानकार, यह उम्मीद लगा रहे थे कि आरबीआई शुक्रवार को रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है लेकिन आरबीआई ने उम्मीद से ज्यादा राहत देते हुए इसमें आधा फीसदी की कटौती कर दी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इस बड़े फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि बहुमत से यह फैसला किया गया है। रेपो रेट में 50 बेसिस पॉइंट की कटौती के बाद अब यह 5.50 फीसदी हो जाएगा। इसके साथ ही आरबीआई ने कैश रिजर्व रेश्यो में एक प्रतिशत की कमी का भी ऐलान किया। इससे बैंकों के पास पैसा और बढ़ेगा, जिसका इस्तेमाल वे कर्ज बांटने में कर सकेंगे।

भारतीय रिजर्व बैंक ने लगातार तीसरी बार दरों में कटौती की है। आरबीआई ने फरवरी, अप्रैल और जून में यानी कुल मिलाकर रेपो रेट में तीन बार कटौती कर, इसमें 100 बेसिस पॉइंट्स घटा दिए हैं। रेपो रेट और कैश रिजर्व रेश्यो में कटौती के आरबीआई के दोनों फैसलों को अगर साधारण भाषा में बताया जाए तो, इसका एकमात्र बड़ा उद्देश्य लोगों की जेबों तक ज्यादा से ज्यादा पैसा पहुंचाना है ताकि उनके पास खर्च करने के लिए अतिरिक्त पैसा बचे। अगर लोगों के पास पैसे बचेंगे तो वे खर्च करेंगे, जिससे बाजार में तेजी आएगी और अर्थव्यवस्था की विकास दर भी बढ़ेगी। लेकिन यह तभी संभव हो पाएगा जब बैंक पूरी ईमानदारी के साथ आरबीआई द्वारा की गई कटौतियों का लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा पाएंगे।

आरबीआई द्वारा रेपो रेट में की गई कटौती के बाद होम लोन लेने वाले लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है। मोटे तौर पर अगर अनुमान लगाया जाए तो 20 लाख के लोन की ईएमआई में 600-715 रुपए तक की कटौती हो सकती है यानी एक साल में 8,400 और 20 वर्षों में कुल मिलाकर एक लाख 68 हजार रुपए के लगभग की बचत हो सकती है। वहीं 50 लाख तक के होम लोन की ईएमआई पर 1650-1755 रुपए तक की राहत मिल सकती है। अगर किसी ने 20 वर्षों के लिए इतनी राशि का होम लोन ले रखा होगा तो उसे 4 लाख रुपए से भी ज्यादा की बचत होगी।

जाहिर तौर पर होम लोन उपभोक्ताओं को इससे बड़ी राहत मिलेगी, बशर्ते बैंक कागजी कार्यवाही में किंतु-परंतु करने की बजाय सीधे उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाए। आरबीआई के डेटा के मुताबिक, लगभग 40 फीसदी होम लोन EBLR अर्थात एक्सटर्नल बेंचमार्क लैंडिंग रेट से जुड़े हैं और उन्हें इस कटौती का तत्काल लाभ मिल जाना चाहिए। बैंकों को ऐसे उपभोक्ताओं को तुरंत राहत दे देनी चाहिए। इसके साथ ही बैंकों को होम लोन लेने वाले उन उपभोक्ताओं को भी राहत पहुंचाने के लिए काम करना चाहिए जो EBLR से नहीं जुड़े हुए हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब नेशनल बैंक सहित सभी सरकारी एवं प्राइवेट बैंकों को होम लोन उपभोक्ताओं को बार-बार ब्रांच दौड़ाने और कागजी कार्यवाही में फंसाने की बजाय तुरंत ऑनलाइन ही राहत दे देनी चाहिए। बैंकों खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की कार्यशैली को देखते हुए, यह अपने आप में किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने दावा किया है कि CRR अर्थात कैश रिजर्व रेश्यो में एक फीसदी की कमी करने की वजह से बैंकिंग सिस्टम में 2.5 लाख करोड़ की अतिरिक्त राशि का इंतजाम हो जाएगा। यह माना जा रहा है कि बैंक अगर इस अतिरिक्त राशि का इस्तेमाल कर्ज बांटने में सही तरीके से करेंगे तो देश

की अर्थव्यवस्था में और ज्यादा तेजी आएगी।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इन कटौतियों की घोषणा करते हुए यह भी साफ किया कि ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए आरबीआई ने अपना काम कर दिया है और दूसरों को क्या करना चाहिए,यह सुझाव देना उनके लिए सही नहीं है। लेकिन यह भी समय की मांग है कि भारतीय रिजर्व बैंक को देश के बैंकों पर निगरानी की व्यवस्था को और अधिक पुख्ता करने के साथ यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके फैसलों को लाभ हर हाल में अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचे। देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए यह बहुत जरूरी है। *लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं।*

मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है।

बीबीए के बाद क्या है कॅरियर ऑप्शन

बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। बीबीए यानी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हाल के दिनों में बेहद तेजी से यह कोर्स लोकप्रिय हुआ है। दुनिया में छोटे से लेकर बड़े व्यापार लोग कर रहे हैं, तो गवर्नमेंट भी चाह रही है कि लोग-बाग बिजनेस करें, ताकि देश की इकोनॉमी तेज गति से आगे बढती रहे।

इन तमाम चीजों में अगर एक कॉमन फैक्टर खोजा जाए तो वह यह है कि नए-पुराने सभी व्यापारों में मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। चूंकि ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है। और ऐसी स्थिति में बीबीए को एक स्टूडेंट कॅरियर के रूप में बेहतरीन ऑप्शन के तौर पर चुन सकता है। ऐसी स्थिति में आपको कारपोरेट लीडर बनने का मौका मिल जाता है। अगर साधारण तौर पर भी बात की जाए, तो कॅरियर ग्रोथ के लिए बीबीए के बाद कैंडिडेट्स को एमआईएस अर्थात मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम का सर्टिफिकेशन कोर्स करने की सलाह भी एक्सपर्ट देते है। सॉफ्टवेयर की जानकारी से आपका कॉन्फिडेंस तो बढ़ेगा ही, साथ ही कारपोरेट वर्ल्ड में इन चीजों का बेहतर से बेहतर प्रयोग होता है, जिससे आपको काफी आसानी होगी। इसी प्रकार कम्युनिकेशन पर भी आपको खासा ध्यान देना चाहिए, क्योंकि प्रबंधन वही कर सकता है, जो तमाम पक्षों से बेहतरीन कम्युनिकेशन करने की दक्षता रखता हो।

मार्केट के कई पक्ष होते हैं, और उनके साथ आप तभी ठीक तरह से कम्युनिकेट कर पाएंगे, जब आप बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल अपने भीतर रखते हैं। इसके लिए आपको अपने कलीग्स के साथ इंटरेक्शन करते रहना चाहिए, तो भिन्न न्यूज पेपर्स भी पढ़ते रहना चाहिए। इतना ही नहीं, मार्केट ट्रेंड को आप अपने ध्यान में हमेशा बनाए रखें, जिससे चीजों को समझने की आपकी दक्षता काफी बढ़ेगी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। इससे आपकी दक्षता तो बढ़ती ही है, आपका फोकस क्लियर होने से आप सफलता की राह पर इतनी ही तीव्रता से आगे की ओर बढ़ सकते हैं।

ध्यान दीजिये कि अगर आप साधारण कॉलेज से बीबीए करते हैं, और मार्केट ट्रेंड्स पर नजर बनाए रखते हैं, तो शुरुआत में 12000 से 18000 तक की मासिक वेतन पर आपको शुरुआत मिल सकती है, और जैसे-जैसे आप अनुभव में दक्ष होते जाएंगे, वैसे-वैसे लीडर्स की पोजीशन आपको अपनाती चली जाएगी। हालाँकि बीबीए के बाद आपको एमबीए करने की सलाह भी कई एक्सपर्ट आपको देंगे और यह बेहद नॉर्मल है। बीबीए के बाद एमबीए तकरीबन 2 वर्ष का है और तमाम टॉप कॉलेज आपको आसानी से एक से बढ़कर एक आप्शन देते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कैट और मैट जैसे एंट्रेंस एग्जाम पास करने पड़ते हैं, और फिर एमबीए में आप मार्केटिंग, एचआर, फाइनेंस और इंटरनेशनल ट्रेड इत्यादि दूसरे स्पेशलाइजेशन कोर्स कर सकते हैं, और अपने कैरियर को चुन सकते हैं। अगर आप के पास समय कम है और आप जॉब कर रहे हैं, तो एग्जीक्यूटिव एमबीए में भी आपको बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हो सकते हैं, और फिर बाद में आप हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट एजेंसी, मैन्युफैक्चरिंग एनजीओ और एफएमसीजी ऑर्गेनाइजेशंस में काम करके अपने कैरियर को सेप दे सकते हैं, तो बेहतरीन पैसे कमा सकते हैं। अगर आप एमबीए नहीं कर पाते हैं, तो मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। हालांकि कई जगह पर इन दोनों के बीच में कोई फर्क नहीं है, लेकिन एमबीए जहाँ डिग्री कोर्स है, जबकि पीजीडीएम एक डिप्लोमा कोर्स माना जाता है। परंतु अगर आपने किसी बेहतरीन कॉलेज से डिप्लोमा भी किया हुआ है, तो बीबीए के बाद इसका काफी महत्व होता है। एमबीए और पीजी डिप्लोमा के अलावा आप एमएस कोर्स भी कर सकते हैं और मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री ले सकते हैं। 2 वर्ष के इस कोर्स को किसी भी यूजीसी से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी द्वारा किया जा सकता है। सबसे बेहतरीन है कि आप कितनी तत्परता से इन कोर्सेज को सीखते हैं और कितनी स्पीड के साथ अपने कॅरियर में अपनाते हैं। अगर आप सावधानीपूर्वक और फोकस तरीके से इसे करते हैं, तो ना केवल एंटरप्रेन्योरशिप में, बल्कि फाइनेंस एंड अकाउंटिंग मैनेजमेंट, मार्केटिंग, सप्लाई चैन मैनेजमेंट, एचआर मैनेजमेंट, टूरिज्म मैनेजमेंट इत्यादि क्षेत्रों में भी अपने झंडे गाड़ सकते हैं। प्राइवेट सेक्टर में तो एडवरटाइजिंग, बैंकिंग, कंसलटेंसी, एविएशन, फाइनेंस, एंटरटेनमेंट, आईटी, इंश्योरेंस, ऑनलाइन मार्केटिंग, मैन्युफैक्चरिंग इत्यादि इंडस्ट्रीज आपको हाथों हाथ ले सकती हैं।

इन तरीकों से भी आप जुड़ सकते हैं ब्यूटी इंडस्ट्री से

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

जब भी ब्यूटी इंडस्टी में कॅरियर बनाने की बात होती है तो सबसे पहले मेकअप आर्टिस्ट बनने का ही ख्याल आता है। यकीनन यह कॅरियर ऑप्शन हर किसी के मन को लुभाता है और आजकल तो सिर्फ महिलाएं ही नहीं, पुरूष भी बतौर मेकअप आर्टिस्ट बनकर अच्छा खासा पैसा और नाम कमा रहे हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप सिर्फ मेकअप आर्टिस्ट बनकर ही अपना कॅरियर संवारें। अगर आप भी खुद को खूबसूरती की इस दुनिया में स्थापित करना चाहते हैं तो इसके लिए आप अन्य कई राहों को चुन सकते हैं। तो चलिए आज हम आपको इनमें से कुछ के बारे में बताते हैं-

मेकअप आर्टिस्ट

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

ब्यूटी ब्लॉगर

अगर आप अपने टैलेंट व स्किल को दुनिया के सामने लाना चाहते हैं तो इसमें इंटरनेट की मदद लें। आप बतौर ब्यूटी ब्लॉगर खुद को स्थापित कर सकते हैं। आप लेखन या वीडियोज के जरिए अपने स्किल्स को लोगों के साथ बांट सकते हैं। अगर आप सच में मेकअप व ब्यूटी केयर की गहरी समझ रखते हैं तो यकीनन लोग आपको काफी पसंद करेंगे। आप अपने ब्लॉग में किसी मेकअप प्रॉडक्ट का रिव्यू करने से लेकर ब्यूटी व मेकअप करने की तकनीक, मेकअप ट्यूटोरियल, ब्यूटी टिप्स व टेंड के बारे में बता सकते हैं। बस आप अपना ब्लॉग या चैनल शुरू करें और अपना ज्ञान दूसरों के साथ बांटें। बतौर ब्यूटी ब्लॉगर आप खुद को काफी फेमस भी कर सकते हैं।

हेयर स्टाइलिस्ट

कभी भी मेकअप तभी अच्छा लगता है, जब हेयरस्टाइलिंग भी अच्छी हो। जहां कुछ समय पहले तक मेकअप आर्टिस्ट ही हेयर स्टाइलिंग करते थे, वहीं अब अलग से प्रोफेशनल हेयर स्टाइलिस्ट की डिमांड होने लगी है। हेयर स्टाइलिस्ट बालों को कटिंग, ट्रिमिंग, स्टाइलिंग और अन्य तरीकों से आपको एकदम परफेक्ट लुक देते हैं। बतौर हेयरस्टाइलिस्ट आप एक्टर्स, थिएटर प्रॉडक्शन, टेलीविजन सेट्स या मेकअप आर्टिस्ट के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

नेल टेक्नीशियन

पिछले कुछ समय से नेल आर्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आजकल नाखूनों को एक कैनवास के रूप में देखा जा रहा है, जिस पर आप अपनी क्रिएटिविटी को आसानी से उकेर सकते हैं। प्रोफेशनल नेल टेक्नीशियन की मार्केट में अलग से डिमांड है। यह नाखूनों पर बेहद खूबसूरत नेल डिजाइन्स बनाते हैं। बतौर नेल टेक्नीशियन आप खुद का नेल सैलून खोल सकते हैं या फिर अन्य सैलून, स्पा या रिसॉर्ट आदि में काम कर सकते हैं।

इन प्रश्नों की मदद से आप किसी की भी पर्सनैलिटी के बारे में जान सकते हैं

अक्सर हम किसी भी व्यक्ति की पर्सनैलिटी के विषय में जब जानना चाहते हैं तो हम उससे कुछ सवाल पूछते हैं। उन सवालों के आधार पर हम ये जानने और समझने का प्रयास करते हैं कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी कैसी है। आइए जानते हैं उन सैम्पल प्रश्नों के विषय में जिन्हें आधार बनाकर किसी की पर्सनैलिटी के विषय में पता लगाया जा सकता है।

आपका रोल मॉडल कौन है?

यह प्रश्न आपको किसी व्यक्ति की प्राथमिकताओं, आकांक्षाओं और उद्देश्यों के बारे में बहुत कुछ बताएगा। आप लोगों की लिस्ट पेश करके पूछ सकते हैं कि आप किस व्यक्ति की सबसे अधिक सराहना करते हैं और आपका रोल मॉडल कौन है। प्रत्येक विकल्प किसी व्यक्ति के लिए एक निश्चित प्रवृत्ति या प्राथमिकता की ओर निर्देशित कर सकता है। इस प्रश्न के जरिए किसी की पर्नैलिटी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

आपको सबसे बेहतर कौन जानता है?

व्यक्ति के खुलेपन और घनिष्ठ संबंध बनाने की इच्छा के बारे में बहुत कुछ जानना चाहते हैं तो यह प्रश्न उस व्यक्ति के बारे में यह बताएगा। यदि उनकी अपनी मां उन्हें सबसे अच्छी तरह से जानती है, तो आप एक अंतर्मुखी के साथ बात कर रहे हैं। यदि कोई कहता है कि उन्हें अपनी बहन और एक दोस्त सबसे अच्छी तरह से जानते हैं, तो आप शायद किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं जो मतभेदों और असहमति के बावजूद लोगों को जानने और उनके साथ बंधने के लिए हमेशा तैयार रहता है।

आपने अपनी सबसे बड़ी असफलता से क्या सीखा?

यह प्रश्न बताता है कि क्या कोई व्यक्ति क्रिएटिव तरीके से अपनी असफलता से निपटता है। इन प्रश्न के उत्तर के बाद आप जान सकते हैं कि व्यक्ति पॉजिटिव पर्सनैलिटी का है या नेगेटिव पर्सनैलिटी का।

अगर आपके घर में कोई चीज टूट जाती है, तो आप सबसे पहले क्या करते हैं?

यह आपको दिखाएगा कि एक व्यक्ति समस्याओं से कैसे निपटता है और काम में बाधा आने पर उनके कार्य करने की संभावना कैसे होती है। पर्सनैलिटी जांचने के लिए यह सबसे बेहतर तरीका हो सकता है।

वह कौन सा तरीका है जो आपको शांत करने में मदद करता है?

किसी के व्यवहार के बारे में जानना है तो ये जरूर जानिए कि व्यक्ति विषम परिस्थितियों में खुद को शांत कैसे रखता है। जो व्यक्ति विषम परिस्थियों में खुद को शांत रख सकता है वह जीवन में कुछ भी कर सकता है।

एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है।

एमबीए की पढ़ाई की है तो ऐसे मिल सकता है मोटा वेतन

एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। कॅरियर की चाहे जितनी भी संभावनाएं सामने आ जाएँ, ट्रेडिशनल कोर्सेज का अपना स्वैग है। आप इतना जान लीजिए कि एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है। इसीलिए एमबीए करने वाले लड़कों को अच्छी खासी सैलरी भी मिलती है। हालांकि अगर आप अपने कॅरियर से लापरवाही बरतते हैं, इंटरव्यू को लेकर लापरवाही बरतते हैं, तो आप सैलरी के मामले में पिछड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि एमबीए करते समय और उसके पहले क्या सावधानियां आपको अच्छा खासा वेतन दिला सकती हैं।

विषय का रखें ध्यान

जी हां! 12वीं के तत्काल बाद आपको विषयों के चुनाव में सावधानी बरतना चाहिए। अगर आप बाद में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन में ही उन विषयों को चुनकर रखना चाहिए, जो बाद में एमबीए करने में आपकी मदद करें। साथ ही इंग्लिश पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि मल्टीनेशनल कंपनियां इंग्लिश को अच्छा खासा प्रेफरेंस देती हैं, तो शुरु से ही अगर आप इसकी तैयारी करते हैं, तो बाद के दिनों में आप इसमें महारत हासिल कर सकते हैं।

बिजनेस वर्ल्ड पर नजर रखें

शेयर मार्केट की उठापटक, मार्केट ट्रेस करना, कंपनी को रिस्ट्रक्चर किस तरह से किया जाता है, कंपनी के संभालने-रजिस्ट्रेशन इत्यादि से संबंधित कानून इत्यादि बिजनेस वर्ल्ड की तमाम बातों को आप अनदेखा ना करें, बल्कि उन पर केस स्टडी करें। ऑनलाइन तमाम मैटेरियल अवेलेबल हैं, किंतु आप अपने दूसरे फ्रेंड्स, कलीग्स इत्यादि से भी इन विषयों पर गहराई से बात कर सकते हैं। यह आपके नॉलेज को बढ़ाने में अच्छा खासा सहायक सिद्ध होगा, क्योंकि आखिरकार आपको बिजनेस वर्ल्ड में ही जाना और उसके अनुरूप कार्य करना है। ध्यान रखिए एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। जाहिर तौर पर आप इस तरह की टीम स्पिरिट विकसित करके नेटवर्किंग बढ़ा सकते हैं, और इस मामले में अपनी स्किल को धार दे सकते हैं।

ग्रुप स्टडी

यह आपकी काफी मदद कर सकती है, क्योंकि एक विषय को जब आप पढ़ते हैं, तो आपका अपना एक नजरिया होता है, एक दिशा होती है, वहीं जब आप ग्रुप स्टडी करते हैं, तो कई सारे पक्ष आपके सामने आते हैं। इसके अलावा ग्रुप स्टडी का एक फायदा यह भी नजर आता है कि कई बार जो चीज आप नहीं पढ़े होते हैं, वह भी ग्रुप स्टडी में सुन-सुनकर आपका सबकॉन्शियस माइंड उन चीजों को ऐड कर लेता है।

लक्ष्य क्लियर रखें

ध्यान रखिए! प्रबंधन के विषयों में उद्देश्य समझना जरूरी है। आप क्या कर रहे हैं, क्यों कर रहे हैं, आप खुद से क्या चाहते हैं? अगर यह सारी चीजें आपके दिमाग में पहले से क्लियर हैं, तो उन उद्देश्यों को पाने से आपको कोई नहीं रोक सकता, किंतु अगर आप खुद ही क्लियर नहीं हैं, तो आप मुश्किल में पड़ने वाले हैं, और आप को नहीं समझ में आएगा कि आप जिंदगी से वास्तव में चाहते क्या हैं? सोचिये-समझिये कि आप अपने कॅरियर से चाहते क्या हैं और अपना लक्ष्य क्लियर रखें, और उसी के अनुरूप तैयारी करें। इसी के माध्यम से अगर आप इन विषयों में महारत हासिल कर लेते हैं, तो दुनिया की कोई ताकत आपको मोटा वेतन से और एक सफल कैरियर बनाने से नहीं रोक सकती। जहाँ तक एमबीए में प्रवेश के लिए योग्यता की बात है तो आपको ग्रेजुएशन में डिग्री के साथ-साथ कम से कम 50% मार्क्स होने आवश्यक हैं और अलग-अलग पैटर्न के एग्जाम देकर आप इस में प्रवेश ले सकते हैं।

मुख्य रूप से एमबीए इन फाइनेंस, एमबीए इन मार्केटिंग, एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए इन ऑपरेशन मैनेजमेंट, एमबीए इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के कोर्स मौजूद हैं। इसके लिए ऊपर बताये गए पॉइंट्स को अवश्य ही ध्यान में रखें और तभी आपका कांसेप्ट क्लियर रहेगा और आप एक सफल कॅरियर और मोटी तनख्वाह की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।

हार्ट अटैक से बचाएगा टमाटर का जूस

इससे शरीर को मिलते हैं कई फायदे

हाल में हुई रिसर्च बताती है कि रोजाना 1 कप टमाटर का जूस पीने से आप हार्ट अटैक के खतरे को दूर कर सकते हैं। इसके अलावा टोमैटो जूस के सेवन से हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल की समस्या भी दूर हो जाती है।

टमाटर भारत ही नहीं, दुनिया के बहुत सारे देशों में खाया जाने वाला फल है। भारत में आमतौर पर सब्जियों की ग्रेवी बनाने और डिशेज में खट्टापन लाने के लिए टमाटर का प्रयोग किया जाता है। टोमैटो सॉस और केचअप तो आपने भी खूब खाया होगा, मगर क्या आपने टमाटर का जूस पिया है। रसीले टमाटरों का जूस शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। हाल में हुई एक रिसर्च बताती है कि टमाटर का जूस पीने से हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। ये रिसर्च 'जर्नल ऑफ फूड साइंस एंड न्यूट्रीशन' में छापी गई है।

बिना नमक के पिएं टमाटर जूस

रिसर्च में बताया गया है कि अगर आप रोजाना 1 कप बिना नमक का टमाटर का जूस पीते हैं, तो आपको हार्ट अटैक आने के खतरे कम हो जाते हैं। दरअसल टमाटर का जूस हाई ब्लड प्रेशर और बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल की समस्या को कंट्रोल करने में मदद करता है। ये दोनों ही समस्याएं व्यक्ति के हार्ट (हृदय या दिल) को प्रभावित करती हैं और हार्ट अटैक का कारण बनती हैं।

कैसे हुई रिसर्च

जापान स्थिति टोक्यो मेडिकल एंड डेंटल यूनिवर्सिटी में हुई इस रिसर्च में लगभग 500 लोगों को शामिल किया गया, जिनमें 184 पुरुष और 297 महिलाएं थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि रोजाना टमाटर का जूस पीने से हाई ब्लड प्रेशर के शिकार 94 लोगों का ब्लड प्रेशर कम हो गया। इनका सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर 141.2 से 137mmHg और डाईस्टोलिक ब्लड प्रेशर 83.3 से 80.9 mmHg हो गया था। इसके अलावा 125 लोगों में बढ़े हुए बैड कोलेस्ट्रॉल (LDL) का स्तर भी घटकर 155 से 149.9 mg/dL हो गया।

महिलाओं-पुरुषों दोनों के लिए फायदेमंद

रिसर्च में पाया गया कि टमाटर का जूस महिलाओं और पुरुषों, दोनों में फायदेमंद होता है। इसलिए कोई भी इसका सेवन कर सकता है। अगर आप जूस नहीं भी पीते हैं, तो अपने रोजाना के खान-पान में टमाटर को जरूर शामिल करें। सलाद में कच्चे टमाटर खाएं। इसके अलावा सब्जी, ग्रेवी आदि में इसका इस्तेमाल करें। ध्यान दें कि टोमैटो केचअप और सॉस में बहुत ज्यादा मात्रा में चीनी और प्रिजर्वेटिव्स मिलाए जाते हैं, इसलिए इसका सेवन आपके लिए फायदेमंद नहीं होगा।

कई अन्य बीमारियों में भी फायदेमंद है टमाटर का जूस

टमाटर का जूस कई अन्य बीमारियों में भी फायदेमंद पाया गया है। टमाटर में फाइबर भरपूर होता है। इसके अलावा इसमें एक खास तत्व होता है, जिसे नियासिन कहते हैं। नियासिन वाले आहारों का सेवन हृदय के लिए बहुत अच्छा होता है, क्योंकि ये कोलेस्ट्रॉल को घटाता है। इसके अलावा टमाटर में कई एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जिनमें बीटा-कैरोटीन, लाइकोपीन और साइटोन्यूट्रिएंट मुख्य हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट्स कैंसर और हार्ट अटैक से बचाने में मदद करते हैं।

माउथवॉश के प्रयोग से हृदय रोग का खतरा

आप हर रोज मुंह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथवॉश का प्रयोग करते हैं? अगर हां, तो यह आपके दिल के लिए अच्छा नहीं है। हाल ही में हुए शोध में सामने आया है कि जो लोग हर रोज माउथवॉश का प्रयोग करते हैं उनमें हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। वशेष ब्रांड के एंटीसेप्टिक माउथवॉश पर अध्ययन किया गया था। रिसर्च में पाया गया कि माउथवॉश का दैनिक प्रयोग हार्ट अटैक का खतरा सात प्रतिशत, स्ट्रोक का खतरा 10 प्रतिशत और ब्लड प्रेशर का खतरा 3.5 यूनिट तक बढ़ा देता है।

प्रमुख शोधकर्ता अमृता अहलूवालिया की मानें तो, माउथवॉश में मौजूद केमिकल बैड बैक्टीरिया के साथ-साथ गुड बैक्टीरिया को भी मार देते हैं, जिससे यह खतरा और बढ़ जाता है।

लोगों में माउथवॉश का चलन काफी बढ़ गया है। अकसर लोग बिना जरूरत के भी माउथवॉश को अपने रूटीन का हिस्सा बना लेते हैं। बिना आवश्यकता के माउथवॉश का प्रयोग कई बार हमारे लिए परेशानी भी बन सकता है।

बाजार में मुंह और दांत संबंधी कई बीमारी जैसे सांस की बदबू, दांतों में इंफेक्शन, दांतों में प्लाक की समस्या और दांतों की सेंसिटिविटी के लिए माउथवॉश उपलब्ध हैं। इसका इस्तेमाल करते समय हम इससे होने वाले नुकसान के प्रति अनजान ही रहते हैं।

माउथवॉश में कई प्रकार के रसायन होते हैं। यह रसायन हमारे मुंह में फायदे के साथ-साथ कई तरह के नुकसान भी पहुंचाते हैं। बिना वजह माउथवॉश का प्रयोग हमारे दांतों को नुकसान पहुंचाता है। इससे दांतों की सुंदरता पर भी असर पड़ता है और कई तरह की दिक्कत सामने आ सकती हैं।

रेसिपी

नवरतन दाल

सामग्री

■ अरहर दाल- 1/4 कप ■ चना दाल- 1/4 कप ■ धुली मूंग दाल- 1/4 कप ■ काली उड़द दाल- 1/4 कप ■ काली मसूर दाल- 1/4 कप ■ धुली मसूर दाल- 1/4 कप ■ राजमा- 1/4 कप ■ अदरक-लहसुन पेस्ट- 2 चम्मच ■ नमक- स्वादानुसार ■ हल्दी पाउडर- 1 चम्मच ■ कटी हुई धनिया पत्ती- 3 चम्मच ■ नीबू का रस- 2 चम्मच ■ घी- 3 चम्मच ■ दालचीनी- 1 टुकड़ा ■ जीरा- 1 चम्मच ■ बारीक कटा प्याज- 1 कप ■ कटी मिर्च- 4 ■ कटी हुई लहसुन की कलियां- 10 ■ कटा टमाटर- 1 कप ■ लाल मिर्च पाउडर- 2 चम्मच

विधि

राजमा को धोकर तीन-चार घंटे के लिए पानी में भिगो दें। सभी दालों को धोकर आधे घंटे के लिए पानी में भिगो दें। दाल और राजमा को पानी से निकालकर कुकर में डालें। कुकर में आठ कप पानी, अदरक-लहसुन पेस्ट, नमक और हल्दी पाउडर डालें। कुकर बंद करें और दाल को अच्छी तरह से पकाएं। कुकर का प्रेशर अपने-आप निकलने दें। दाल में नीबू का रस और धनिया पत्ती डालकर मिलाएं। तड़का लगाने के लिए पैन में घी गर्म करें और उसमें दालचीनी और जीरा डालें। कुछ सेकेंड बाद पैन में प्याज डालें। जब प्याज का रंग सुनहरा हो जाए तो पैन में हरी मिर्च, लहसुन और टमाटर डालें। तीन से चार मिनट तक पकाएं। गैस ऑफ करें और पैन में लाल मिर्च पाउडर डालकर मिलाएं। तड़के को दाल में डालकर मिलाएं। गर्मागर्म चावल या मटर पुलाव के साथ सर्व करें।

बैंगन का रायता

सामग्री

■ बैंगन- 200 ग्राम ■ दही- 1 चौथाई टीस्पून ■ हींग – 1 चौथाई टीस्पून ■ काली मिर्च पाउडर- चुटकीभर ■ हरी मिर्च – दो ■ लाल मिर्च पाउडर – 1 चौथाई टीस्पून ■ हल्दी पाउडर- 1 चौथाई टीस्पून ■ चीनी- चुटकीभर ■ नमक – स्वादानुसार ■ करी पत्ता- 3-4 ■ तेल- 3 टीस्पून

विधि

बैंगन का रायता बनाने के लिए पैन में तेल गर्म करें। फिर इसमें राई डालकर चटकाएं। फिर इसमें सूखी लाल मिर्च और बैंगन डालकर एक मिनट तक फ्राई करें और थोड़ी देर ढककर पका लें। बैंगन के नर्म होने के बाद इसमें हल्दी, लाल मिर्च पाउडर डालकर अच्छे से मिला लें। दो मिनट और पकाएं बैंगन को बिल्कुल सॉफ्ट करने के लिए। ठंडा होने पर दही डालें और साथ ही चीनी, नमक, काली मिर्च, भुना जीरा पाउडर। तड़के के लिए पैन में तेल गर्म करें। फिर इसमें करी पत्ता डालें और इसे रायते के ऊपर डाल दें। लंच हो या डिनर कभी भी इसे खाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है।धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शुभांक-4-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग हैं। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-7-8-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़े अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बने रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पूजा-पाठ आदि धार्मिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म में रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ज दे दो चा ची)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-7-8

लॉफिंग ज़ोन

राम- क्या तुम्हें पता है, मेरा कुत्ता दस तक गिनती जानता है।
श्याम- हां मालूम है।
राम- तुम्हें यह किसने बताया ?
श्याम- मेरे कुत्ते ने।

अध्यापक कक्षा में पढा रहे थे, तभी किसी शरारती छात्र ने सीटी बजा दी।
अध्यापक ने कडककर पूछा- कक्षा में सीटी बजाने की हिम्मत किसने की, रमेश कही तुमने तो नही बजाई ?
रमेश(हडबडाकर)- जी-जी, नही सर, मैं तो सो रहा था।

एक पागल(दूसरे से)- अरे तुमने सुना नही एक महिला आकाश में उड रहे वायुयान से नीचे गिर पडी।
दुसरा- हां हां धमाके की आवाज तो मैंने भी सुनी है।

डॉक्टर(मरीज से)- कहो, अब तबियत कैसी है ?
मरीज- अब कुछ आराम है, बुखार तो टूट गया बस टांग में दर्द है।
डॉक्टर- घबराओं मत टांग भी टूट जाएगी।

काकुरो पहेली - 4078

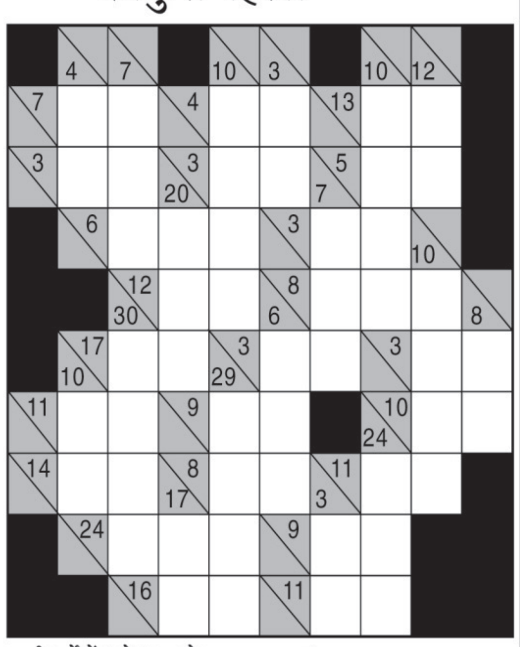

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की ओर की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

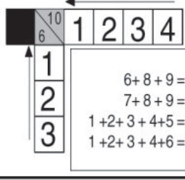

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4077 का हल

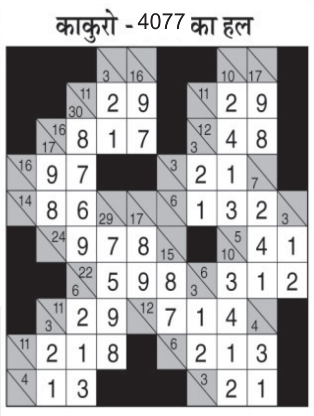

फिल्म वर्ग पहेली- 4078

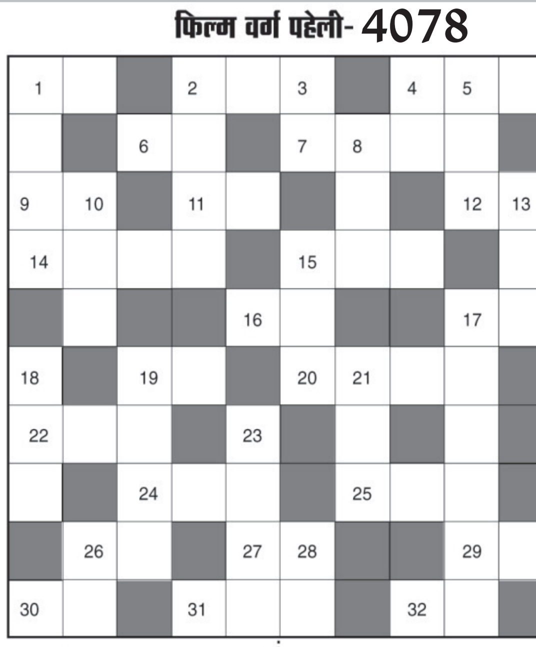

बायें से दायें:-

१. 'बरसो रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे है' गीत वाली फिल्म-४
१५. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
१६. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
१९. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२०. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२२. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, एशा की फिल्म-२
२७. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
२९. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लगन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरूख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, रामेश्वरी की 'धक धक से धड़कना' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
८. सुष्मिता की पहली फिल्म ?-३
१०. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, बिन्दू की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नजर के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'ढपली वाले ढपली बजा' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरी जो मटके बालों' गीत वाली सुनील, रवीना, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी साँस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4077

सूडोकु -4078

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4077 हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 4078

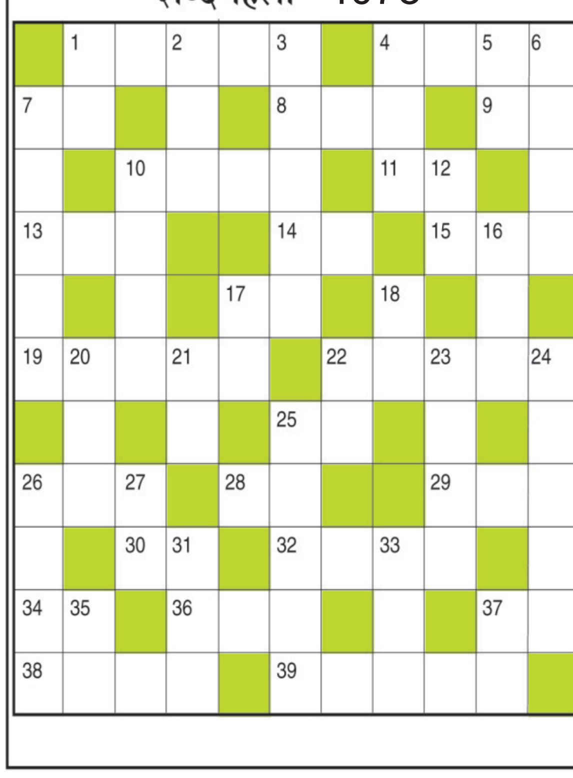

बाएँ से दाएँ

1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे

1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्टीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली 4077 का हल

छेनी और हथौड़ी से दशरथ मांझी के बनाये गये रास्ते को निहारते रह गये राहुल गांधी

एजेंसी

पटना। बिहार के एक दिवसीय दौरे पर आये कांग्रेस सांसद राहुल गांधी गया जिले के उस स्थान पर पहुंचे, जिसे दशरथ मांझी ने दुनिया में प्रेम की नई इबारत के रूप में पेश किया था, तो उनके चेहरे पर अलग सा भाव नजर आया और वह देर तक उस स्थान को निहारते रह गये। राहुल गांधी गया जिले के गहलौर गांव के उस पहाड़ को देखने पहुंचे, जिसे दशरथ मांझी से छेनी हथौड़ी से 22 साल में काटकर रास्ता बनाया था। जब राहुल गांधी उस प्रेम की मिसाल को देखने पहुंचे, तो घूम-घूमकर पूरे इलाके को निहारते रहे और दशरथ मांझी के पुत्र भागीरथ मांझी से पूरी जानकारी भी लेते रहे। इस दौरान राहुल गांधी के चेहरे पर अलग ही भाव थे, जो राजनीति से बिल्कुल अलग था। वहां उन्होंने तस्वीरें भी कैद करवायी और वहां अपने व्यस्त समय के कुछ पल बिताये। फिर दशरथ मांझी के परिवार से भी मुलाकात की।

युवाओं को रोजगारमूलक शिक्षा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे नवोदय और केंद्रीय विद्यालयः धर्मेन्द्र प्रधान

एजेंसी

भोपाल। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आधार पर युवाओं को रोजगार मूलक शिक्षा देने में जवाहर नवोदय विद्यालय एवं केन्द्रीय विद्यालय महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ग्रामीण पृष्ठभूमि के बच्चे नवोदय विद्यालयों में अध्ययन कर जेईई, नीट जैसी परीक्षाएं पास कर उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए महाविद्यालय में प्रवेश ले रहे है। लगभग एक करोड़ 53 लाख बच्चे मध्य प्रदेश के विद्यालयों में अध्ययनरत हैं। राज्य एवं केन्द्र सरकार के सहयोग से इन विद्यालयों में एआई की पढ़ाई भी प्रारंभ की गई है।केन्द्रीय मंत्री प्रधान शुक्रवार शाम को मध्य प्रदेश के प्रवास के दौरान रतलाम जिले के आलोट में पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रतलाम जिले के आलोट में यह दूसरा नवोदय विद्यालय प्रारंभ हुआ है।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि स्कूल समाज को मजबूत बनाते है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की नई पीढ़ी को सशक्त कर प्रदेश को विकसित किया जाएगा। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा आलोट में 38.4 करोड़ लागत से बने पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय-2, छात्रावास और स्टॉफ क्वार्टरों तथा 35 करोड़ 11 लाख की लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर मप्र के शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री चेतन्य काश्यप, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत पारंपरिक पगड़ी, शॉल एवं पारंपरिक पेन्टिग भेंट कर किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन रतलाम जिले के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जिले को दो सौगातें मिली हैं। आलोट में नवोदय विद्यालय के साथ ही सांदीपनी विद्यालय भवन का लोकार्पण किया गया है, जो शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे।

मध्य प्रदेश में शासकीय विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2025 में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणामों में निजी स्कूलों के बजाए शासकीय स्कूल के बच्चों ने ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया है।

अबतक 01 लाख 90 हजार से अधिक विवाहों का हुआ पंजीकरण

एजेंसी

देहरादून। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) उत्तराखंड में लागू होने के बाद विवाह पंजीकरण अनिवार्य है। अब तक समान नागरिक संहिता के तहत 1,90,000 से अधिक विवाहों का ऑनलाइन पंजीकरण किया जा चुका है। आगामी 26 जुलाई तक पंजीकरण शुल्क देय नहीं होगा। उत्तराखंड में 27 जनवरी 2025 से यूसीसी प्रभाव में आ चुकी है। इसके अंतर्गत, 26 मार्च 2010 से लेकर 26 जनवरी 2025 के बीच संपन्न सभी विवाहों को यूसीसी के अंतर्गत पंजीकृत कराना अनिवार्य किया गया है। वर्तमान में, इस अवधि के भीतर हुए विवाहों के पंजीकरण के लिए 250 का शुल्क निर्धारित है। हालांकि, राज्य सरकार ने नागरिकों की सुविधा एवं सहभागिता को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है कि यदि 27 जनवरी 2025 से पूर्व हुई शादियों का पंजीकरण आगामी 26 जुलाई 2025 तक कराया जाता है, तो इसके लिए किसी प्रकार का पंजीकरण शुल्क देय नहीं होगा। इसके अतिरिक्त, वे नागरिक जिन्होंने अपने विवाह को पहले ही उत्तराखंड विवाहों का अनिवार्य पंजीकरण विधेयक, 2010 या किसी अन्य वैधानिक कानून के अंतर्गत पंजीकृत करवा लिया है, उन्हें भी इस पंजीकरण की जानकारी अथवा पावती समान नागरिक संहिता के पोर्टल पर देना अनिवार्य है। यह प्रक्रिया केवल सूचना प्रदान करने के लिए है और इसके लिए भी कोई शुल्क देय नहीं होगा।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर अमृतसर में दिनभर रहा तनाव का माहौल

चंडीगढ़। ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर अमृतसर में दिनभर तनाव का माहौल रहा। दरबार साहिब में धार्मिक कार्यक्रम तो शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हो गया, लेकिन कार्यक्रम के बाद अकाल तख्त साहिब के बाहर एक युवक ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी टास्क फोर्स पर कृपाण से हमला कर दिया। बाद में पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। इसे लेकर यहां कई घंटे तक विवाद चलता रहा। भीड़ के कारण संगत को श्री अकाल तख्त साहिब में प्रवेश करने से रोका जा रहा था। दरबार साहिब में धार्मिक कार्यक्रम के दौरान युवक कृपाण हाथ में लिए संगत के बीच घूमता नजर आया। टास्क फोर्स ने युवक को घेर लिया। इस हंगामे में युवक की पगड़ी उतर गई। उसे एक कमरे में बंद कर दिया गया। हालात बेकाबू होते देख गोल्डन टेंपल के अंदर सादे कपड़ों में तैनात पुलिस ने युवक को कब्जे में ले लिया। एडीसीपी विशालजीत सिंह ने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी थी, लेकिन जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गडगज की दखलअंदाजी के बाद मामला शांत कर दिया गया। अब हालात पूरी तरह से काबू में है। इससे पहले सुबह अकाल तख्त साहिब पर अरदास हुई। इसके बाद लोगों ने हाथों में जरनैल सिंह भिंडरांवाला के पोस्टर लेकर नारे लगाए। अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार कुलदीप सिंह गडगज ने विवाद से बचने के लिए अरदास के बीच ही कौम के नाम संदेश दिया।

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में 12 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

गढचिरोली। महाराष्ट्र के नक्सल विरोधी अभियान को बड़ी जीत मिली। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में 12 दुर्दांत नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण किया। मुख्यमंत्री ने सभी को संविधान की प्रति भेंटकर उनका स्वागत किया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों पर 1 करोड़ से ज्यादा का इनाम था।

महाराष्ट्र का गढचिरोली जिला नक्सल प्रभावित इलाके के रूप में पहचाना जाता था, लेकिन विकास के चलते अब नक्सलवाद यहां दम तोड़ रहा है। सुरक्षाबलों की सख्ती और जिले में होते विकास को देखते हुए नक्सल मूवमेंट में शामिल नक्सली लगातार हथियार छोड़कर मुख्य धारा में आ रहे हैं। इसी क्रम में 12 दुर्दांत नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। गढचिरोली पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नक्सलियों ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को अपने हथियार सौंपे और आत्मसमर्पण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी को संविधान की प्रति भेंटकर उनका स्वागत किया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 7 महिलाएं और 5 पुरुष शामिल हैं। इन सभी पर एक

करोड़ रुपये से ज्यादा का इनाम था।

मुख्यमंत्री ने नक्सलियों के आत्मसमर्पण को ऐतिहासिक बताया। फडणवीस ने कहा कि नक्सलियों की कमर टूट चुकी है। जिस चीज के लिए वह हिंसा कर रहे थे वह होने वाला नहीं था, इसलिए सभी ने संविधान पर भरोसा जताते हुए वापस आने का निर्णय लिया है। इसी के साथ मुख्यमंत्री ने नक्सल अभियान में शामिल लोगों से मुख्यधारा में लौटने का आह्वान किया और ऐसा नहीं करने पर कार्रवाई के लिए तैयार रहने की चेतावनी भी दी।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में 2 इनामी सहित 7 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 2 इनामी सहित 7 नक्सलियों ने लोन वर्राटू (घर वापस आइये) अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक गौरव राय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला व सीआरपीएफ अधिकारियों के समक्ष डीआरजी कार्यालय दन्तेवाड़ा में आत्मसमर्पण कर दिया। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन लोन वर्राटू (घर वापस आइये) अभियान तथा छग. शासन की ''पुनर्वास नीति'' के तहत मुख्य धारा से भटके नक्सलियों को मुख्य धारा में लाने के लिए पुलिस प्रशासन कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत 50 हजार रूपये की सहायता राशि के साथ छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मिलने वाली अन्य सुविधाएं जैसे स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रशिक्षण, कृषि भूमि इत्यादि मुहैया कराई जाएंगी। जिला में लोन वर्राटू अभियान के तहत् अब तक 238 इनामी सहित कुल 991 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर समाज के मुख्यधारा में जुड़ चुके हैं।

आत्मसमर्पित नक्सलियों का विवरण - 1. पचास हजार रुपये का इनामी जुगलू (23 वर्ष)उर्फ सुंडुम कोवासी उर्फ गाड़ीकुट्टा कोवासी , निवासी कुड़मेर थाना मिरतुर जिला बीजापुर, पोमरा आरपीसी सीएनएम सदस्य- 50 हजार इनाम)।2.पचास हजार रुपये का इनामी(26 वर्ष) दशा उर्फ बुरकू पोड़ियाम उम्र लगभग ,निवासी कुड़मेर थाना मिरतुर जिला बीजापुर,पोमरा आरपीसी सीएनएम सदस्य। 3. भोजा राम माड़वी(48वर्ष) ,निवासी सालेपाल भटवेड़ा थाना मालेवाही जिला बस्तर,बोदली आरपीसी जनताना सरकार सदस्य।4. लखमा उर्फ सुती उर्फ लखन मरकाम (26वर्ष) निवासी टेटम स्कूलपारा थाना कटेकल्याण जिला दन्तेवाड़ा,उतला आरपीसी मिलिशिया सदस्य।5. रातू उर्फ ओठे कोवासी (25 वर्ष),निवासी कुड़मेर थाना मिरतुर जिला बीजापुर,बेचापाल आरपीसी मूलवासी बचाओं मंच सदस्य।6. सुखराम पोड़ियाम (25 वर्ष),निवासी करकावाड़ा थाना बांगापाल जिला बीजापुर,पल्लेवाया आरपीसी अन्तर्गत करकावाड़ा जीआरडी सदस्य।7. पण्डरू राम पोड़ियाम(45 वर्ष),निवासी पुसालामा थाना ओरछा जिला नारायणपुर,डुंगा आरपीसी मिलिशिया सदस्य।

असम में बंदर को मारकर खाने के आरोप में चार गिरफ्तार

लखीमपुर (असम)। जिले के घिलामरा थाना क्षेत्र के बोरशामुख गांव में एक बंदर को मारकर उसका मांस खाने के आरोप में चार युवकों को गिरफ्तार किया गया है। घटना 27 जून की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी उकील टाइड ने कुछ किशोरों के सहयोग से एक बंदर को पकड़कर सार्वजनिक रूप से उसके साथ क्रूरता की। बाद में बंदर का मांस काटकर 'वन्य औषधीय मांस' के नाम पर आस-पास के इलाकों में बांटा गया और खाया गया। घटना में डून टाइड, संजीव टाइड और चारण मिलि का भी नाम सामने आया है, जिन्होंने इस कृत्य में सहयोग किया। मीडिया में खबर प्रकाशित होने के बाद पुलिस और वन विभाग हरकत में आया। ढकुवाखाना उपवन क्षेत्र की वन अधिकारी करबी हजारिका ने जिला वन अधिकारी मनोज कुमार गोस्वामी को इस कृत्य की जानकारी दी, जिसके बाद वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। घिलामरा पुलिस और वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई पहले असफल रही, क्योंकि गांव के प्रभावशाली लोगों ने आरोपितों को बचाने का प्रयास किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का देवघर दौरा स्थगित

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 10 और 11 जून को प्रस्तावित देवघर दौरा स्थगित कर दिया गया है। राष्ट्रपति भवन ने एम्स प्रबंधन और जिला प्रशासन को इसकी सूचना भेजी है। राष्ट्रपति का कार्यक्रम स्थगित होने से अब देवघर एम्स में एमबीबीएस के पहले दीक्षांत समारोह की भी नई तिथि की घोषणा होगी। राष्ट्रपति भवन से देरशाम एम्स निदेशक डॉ. सौरभ वार्ष्णेय को इस आशय की सूचना दी गई। वह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को दीक्षांत समारोह में शामिल होने का आमंत्रण देकर रांची से देवघर लौट रहे थे। डॉ. वार्ष्णेय ने बताया कि राष्ट्रपति का विशाखापत्तनम का कार्यक्रम भी स्थगित कर दिया गया है।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना में उत्तराखंड को मिलेगी प्राथमिकता: केंद्रीय मंत्री शिवराज

एजेंसी

देहरादून। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत उत्तराखंड में जानवरों से खेती को बचाने को लिए घेरबाड़, तारबाड़ को प्राथमिकता दी जाएगी। यह खेती को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। देहरादून कौलागढ़ स्थित हिमालयन कल्चरल सेंटर में आज आयोजित विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि यह बात कही। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकार के कृषि विभाग का अमला, प्रगतिशील सभी किसानों को साथ लेकर महाभियान की शुरूआत की गई है। उन्होंने बताया कि 2,170 वैज्ञानिकों की टीमें देशभर में हर क्षेत्र की विशेषता, जलवायु विभिन्नता, मिट्टी की उर्वरक क्षमता हर बारिकजानकारियों पर पूर्व

अनुमान के साथ गांव में जाकर किसानों से संवाद कर रही हैं। उत्तराखंड में भी वैज्ञानिकों की 75 टीमें किसानों से सीधे संवाद कर रही हैं। शोध की जानकारी देकर और उसी के आधार पर आगे की कृषि दिशा तय की जा रही है। किसान से बड़ा वैज्ञानिक कोई और नहीं है, इसलिए इस अभियान के तहत दो तरफा संवाद किया जा रहा है। किसानों भाई-बहनों की व्यावहारिक समस्याओं को सुनकर समझकर ही आगे के अनुसंधान, नीति, कार्यक्रम और योजना का मार्ग तय होगा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उत्तराखंड के पहाड़ों में चमत्कार है। यहां की फल और सब्जियों की उपज दूसरे किसी भी क्षेत्र की तुलना में शानदार है। यहां के सेब अब कश्मीर को प्रतिस्पर्धा दे रहे हैं, जो यहां कि बागवानी क्षेत्र की उन्नति को दर्शाता है। उन्होंने उत्तराखंड के फल 'काफल' की भी बात की। उन्होंने कहा कि औषधीय गुणों के कारण 'काफल' की दुनिया में भी मांग बढ़ रही है। मोटे अनाज के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि यहां का मोटा अनाज भी अद्भुत है। यहां का पारंपरिक अनाज 'मंडुवा' भी अब सब जगह अपनी प्रसिद्धि स्थापित कर रहा है।

तमिलनाडु से राज्यसभा के लिए कमल हासन और डीएमके के तीन उम्मीदवारों ने भरा पर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु से राज्यसभा की छह सीटों के लिए 19 जून को होने वाले चुनाव के लिए मक्कल निधि मैयम (एमएनएम) के अध्यक्ष एवं अभिनेता कमल हासन और डीएमके के पी विल्सन सहित तीन उम्मीदवारों ने चेन्नई स्थित तमिलनाडु सचिवालय में नामांकन दाखिल किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन मौजूद रहे। नामांकन दाखिल करने से पहले डीएमके सभी उम्मीदवारों ने मरीना में कलैगनार स्मारक का दौरा किया और मुथामिज अरिगनार डॉ. कलैगनार को श्रद्धांजलि अर्पित की। डीएमके ने सहयोगी मक्कल निधि मैयम को एक सीट दी है। डीएमके ने कवि सलमा, मौजूदा राज्यसभा सदस्य पी. विल्सन और एसआर शिवलिंगम को उम्मीदवार बनाया है। नामांकन के बाद पी विल्सन ने एक्स पोस्ट में तमिलनाडु के लोगों और मुख्यमंत्री एवं डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को भी उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु विधानसभा में 234 सदस्य हैं। राज्य से राज्यसभा की छह सीटें रिक्त हैं। प्रत्येक उम्मीदवार को चुनाव जीतने के लिए कम से कम 34 विधायकों के वोट की आवश्यकता है। 158 विधायकों (डीएमके-133, कांग्रेस-17, वीसीके-04, सीपीआई-02, सीपीएम-02) के साथ डीएमके राज्यसभा की चार सीटें जीत सकता है।

राहुल गांधी लोगों के गुमराह करने और वोटों की राजनीति के लिए कर रहे हैं जातिगत जनगणना की बात: डॉ. के.लक्ष्मण

एजेंसी

भोपाल। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने 11 वर्षों में देश और पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए जो काम किए हैं, वो कांग्रेस की सरकारों ने कई दशकों में भी नहीं किए। उन्होंने जातिगत जनगणना का जो निर्णय लिया है, वो एक ऐतिहासिक है। कांग्रेस के लोग आज ये दुष्प्रचार कर रहे हैं कि मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना का निर्णय राहुल गांधी के दबाव में लिया है। मैं राहुल गांधी और कांग्रेस के नेताओं ने यह पूछना चाहता हूं कि देश में 60 सालों तक कांग्रेस की सरकारें रहीं और नेहरू-गांधी परिवार के तीन-तीन सदस्य प्रधानमंत्री रहे। उस समय राहुल गांधी जातिगत जनगणना की मांग क्यों नहीं की? आज जब वो विपक्ष में हैं तो लोगों के गुमराह करने के लिए और वोटों की राजनीति के लिए जातिगत जनगणना की बात कर रहे हैं। डॉ. लक्ष्मण ने भोपाल में भाजपा कार्यालय में आयोजित पिछड़ा वर्ग मोर्चा की वृहद कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों

के जमाने से देश में जातिगत जनगणना होती रही, लेकिन देश के स्वतंत्र होने पर पहले प्रधानमंत्री पं. नेहरू ने सेंट्रल सेंशस एक्ट के माध्यम से जातिगत जनगणना बंद कर दी। पं. नेहरू ने काका कालेलकर समिति की रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया। ओबीसी कमीशन नहीं बनाया। आगे चलकर स्व. मोरारजी देसाई की सरकार ने मंडल कमीशन का गठन किया। बाद में इंदिरा गांधी की सरकार ने उस पर चुप्पी साधे रखी और स्व. वी.पी.सिंह की सरकार ने उसे लागू किया। उस समय कांग्रेस के नेता स्व. राहुल गांधी ने संसद में एक घंटे 40 मिनट का भाषण दिया और मंडल कमीशन का विरोध किया। सन 1961 में पं. नेहरू ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी लिखकर आरक्षण को आर्थिक आधार पर किए जाने की बात कही थी। डॉ. के. लक्ष्मण ने कहा कि मनमोहन सिंह की सरकार के समय भाजपा ने जातिगत जनगणना की मांग की थी। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना की बात से भाजपा कभी पीछे नहीं हटी। 2014 में मोदी सरकार बनने पर तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथसिंह ने कहा था कि हम जातियों को जोड़कर जनगणना करेंगे, लेकिन कोविड संकट के कारण यह संभव नहीं हो सका।

'नक्शा' वेब-जीआईएस प्लेटफॉर्म बनेगा भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण की आधारशिला'

एजेंसी

भोपाल। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग, मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम द्वारा संयुक्त रूप से भोपाल के भौंरी स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर) में आयोजित दो दिवसीय 'नक्शा' वेब जीआईएस प्लेटफॉर्म पर कार्यशाला के अंतिम दिन तकनीकी सत्रों, विचार-विमर्श और राज्यों के अनुभव-साझा के साथ हुआ। कार्यशाला में देशभर के 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए 44 से अधिक वरिष्ठ अधिकारी एवं जीआईएस विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने कहा कि नक्शा' वेब-जीआईएस प्लेटफॉर्म भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण की आधारशिला

बनेगा। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग के संयुक्त सचिव कुणाल सत्यार्थी ने आज कार्यशाला को संबोधित करते हुए राज्य स्तर पर सहयोग और व्यवहारिक समाधान अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सबसे अच्छी तकनीक वही होती है, जिसे लोग सहज रूप से अपनाएं। उन्होंने प्रशिक्षण, सुधार और नागरिक-केंद्रित डिजिटल सिस्टम विकसित करने का आग्रह किया।कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत सांची क्षेत्र के फील्ड सर्वेक्षण डेटा के लाइव प्रदर्शन से हुई। इसमें नक्शा ऐप की प्रमुख कार्यक्षमताएं जैसे भूखंडों का विभाजन-मिलान, रिकॉर्ड ऑफ राइट्स (आरओआर) सुधार और प्रकाशन प्रक्रिया का वर्कफ्लो प्रदर्शित किया गया। एमपीएसईडीसी टीम ने बताया कि कैसे ऑफलाइन डेटा अपलोड और इंटरैक्टिव डैशबोर्ड जैसे फीचर्स भूमि प्रबंधन को अधिक सरल और सुलभ बनाते हैं। सत्र के दौरान विभिन्न राज्यों ने अपनी डिजिटल सर्वेक्षण पहलों को साझा किया। केरल ने अपनी एंटे भूमि परियोजना के तहत विकसित वेब-जीआईएस प्लेटफॉर्म प्रस्तुतिकरण दिया, जो शिकायत निवारण, फील्ड मॉनिटरिंग और नागरिक सेवाओं को एकीकृत करता है। कर्नाटक और आंध्र प्रदेश ने भी अपने नवाचारों और डिजिटल मैपिंग के अनुभव साझा किए।

भारतीय सेना की मान-प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाले राहुल गांधी का बहिष्कार करना चाहिए : गिरिराज सिंह

एजेंसी

पटना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला।बेगूसराय पहुंचे केंद्रीय मंत्री सह सांसद गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी देश की सेना के सौर्य का सम्मान नहीं करते हैं। वे अपने राष्ट्र का अपमान करते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का बयान भारतीय सेना की मान-प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाता है और लोगों को इसका विरोध करना चाहिए। बरौनी रिफाइनरी के गेस्ट हाउस में मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी के बिहार दौरे के सवाल पर कहा कि राहुल गांधी बार-बार भारतीय सेना के शौर्य पर सवाल उठाकर पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं और ऐसे व्यक्ति का बहिष्कार करना चाहिए। उन्होंने राहुल गांधी के सरेंडर बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह राहुल गांधी और लालू यादव का राज नहीं है, जो सिर्फ भाषणों से चलता था। अब देश में काम करने वाली सरकार है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में कार्य कर रही है। ऐसे व्यक्ति का बिहार आना क्या फर्क डालता है, जो भारतीय सेना की बहादुरी का विरोध करता है। वह सेना के शौर्य पर सवाल खड़े कर रहे हैं, जो देशद्रोह जैसा कृत्य है। आने वाले चुनावों में जनता उनका जवाब देगी। गिरिराज सिंह ने कहा कि 1971 में इंदिरा गांधी नहीं, भारत की सेना जीती थी और विपक्ष में होते हुए अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि अब कोई पार्टी नहीं, सिर्फ राष्ट्र है।

छत्तीसगढ़ के नेशनल पार्क मुठभेड़ में 25 लाख का इनामी नक्सली भास्कर मारा गया

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के घने जंगलों वाले इंद्रावती नेशनल पार्क में हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 25 लाख रुपये के इनामी नक्सली भास्कर उर्फ मइलारापु अडेल्लू (45) को मार गिराया। जवानों ने मारे गए नक्सली भास्कर के शव के साथ एके-47 राइफल तथा अन्य विस्फोटक, हथियार, गोलाबारूद बरामद किए हैं। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने नक्सली भास्कर का शव बरामद होने की पुष्टि की है।उन्होंने बताया कि मारे गए नक्सली मंडुगुला भास्कर राव उर्फ मइलारापु पिता दुर्गैह निवासी ग्राम-उरूमादला जिला आदिलाबाद, तेलंगाना, तेलंगाना स्टेट

कमेटी का स्पेशल कमेटी सदस्य (एसजेडसी) एवं सीपीआई (माओवादी) संगठन की तेलंगाना राज्य समिति के मंचेरियल कोमरम भीम (एमकेबी) का सचिव था। मुठभेड़ स्थल से भागे हुए अन्य नक्सली कैडरों की तलाश के लिए क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी है। अभियान के समाप्त होने और पूर्ण पुष्टि प्राप्त होने के बाद ही अन्य नक्सली कैडरों की हताहतों और बरामदगी से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। पुलिस के अनुसार इंद्रावती नेशनल पार्क के जंगल में हुई मुठभेड़ में मारा गया नक्सली भास्कर आंध्रप्रदेश के आदिलाबाद का रहने वाला था। इसके पहले गुरूवार को इसी जंगल इलाके में एक करोड़ के इनामी नक्सली गौतम उर्फ सुधाकर को सुरक्षाबलों ने ढेर कर दिया था। इंद्रावती पार्क में चल रही इस मुठभेड़ में अब तक दो नक्सली मारे गए हैं, जिसमें एक करोड़ का इनामी नक्सली गौतम उर्फ सुधाकर का शव जवानों ने बरामद कर लिया था सूत्रों के अनुसार इंद्रावती नेशनल पार्क के जंगल में हुई मुठभेड़ के दौरान तेलंगाना स्टेट कमेटी में नक्सलियों के प्रेस इंचार्ज बंडी प्रकाश समेत बड़े स्तर के नक्सलियों की मौजूदगी थी। इंद्रावती नेशनल पार्क के जंगल में मुठभेड़ के बाद से स्थल से भागे हुए अन्य नक्सली कैडरों की तलाश के लिए क्षेत्र में तलाशी अभियान अभी भी जारी है, अन्य नक्सली कैडरों के भी मारे जाने की संभावना है।

प्रकृति के पाँच स्वरूपों में से एक गायत्री

भगवती गायत्री नित्यसिद्ध परमेश्वरी हैं। किसी समय ये सविता (सूर्य) की पुत्री के रूप में अवतीर्ण हुई थीं, इसलिए इनका नाम सावित्री पड़ गया। कहते है कि सविता के मुख से इनका प्रादुर्भाव हुआ था। भगवान सूर्य ने इन्हें ब्रह्माजी को समर्पित कर दिया। तभी से इनकी ब्रह्माणी संज्ञा हुई। कहीं-कहीं सावित्री और गायत्री के पृथक-पृथक स्वरूपों का भी वर्णन मिलता है। इन्होंने ही प्राणों का त्राण किया था, इसलिए भी इनका गायत्री नाम प्रसिद्ध हुआ।

भगवती गायत्री आद्याशक्ति प्रकृति के पांच स्वरूपों में एक मानी गयी हैं। इनका विग्रह तपाये हुए स्वर्ण के समान है। यही वेदमाता कहलाती हैं। वास्तव में भगवती गायत्री नित्यसिद्ध परमेश्वरी हैं। किसी समय ये सविता (सूर्य) की पुत्री के रूप में अवतीर्ण हुई थीं, इसलिए इनका नाम सावित्री पड़ गया। कहते हैं कि सविता के मुख से इनका प्रादुर्भाव हुआ था। भगवान सूर्य ने इन्हें ब्रह्माजी को समर्पित कर दिया। तभी से इनकी ब्रह्माणी संज्ञा हुई। कहीं-कहीं सावित्री और गायत्री के पृथक-पृथक स्वरूपों का भी वर्णन मिलता है। इन्होंने ही प्राणों का त्राण किया था, इसलिए भी इनका गायत्री नाम प्रसिद्ध हुआ। उपनिषदों में भी गायत्री और सावित्री की अभिन्नता का वर्णन है- गायत्रीमेव सावित्रीमनुब्रूयात।

गायत्री ज्ञान-विज्ञान की मूर्ति हैं। ये द्विजातिमात्र की आराध्या देवी हैं। इन्हें परब्रह्मस्वरूपिणी कहा गया है। वेदों, उपनिषदों और पुराणादि में इनकी विस्तृत महिमा का वर्णन मिलता है। गायत्री की उपासना तीनों कालों में की जाती है, प्रातः, मध्यान्ह और सायं। तीनों कालों के लिए इनका पृथक-पृथक ध्यान है। प्रातःकाल ये सूर्यमण्डल के मध्य में विराजमान रहती हैं, उस समय इनके शरीर का रंग लाल रहता है। ये अपने दोनों हाथों में क्रमशः अक्षसूत्र और कमण्डलु धारण करती हैं। इनका वाहन हंस है तथा इनकी कुमारी अवस्था है। इनका यही स्वरूप ब्रह्मशक्ति गायत्री के नाम से प्रसिद्ध है। इसका वर्णन ऋग्वेद में प्राप्त होता है। मध्यान्हकाल में इनका युवा स्वरूप है। इनकी चार भुजाएं और तीन नेत्र हैं। इनके चारों हाथों में क्रमशः शंख, चक्र, गदा और पद्म शोभा पाते हैं। इनका वाहन गरुड है। गायत्री का यह स्वरूप वैष्णवी शक्ति का परिचायक है। इस स्वरूप को सावित्री भी कहते हैं। इसका वर्णन यजुर्वेद में मिलता है। सायंकाल में गायत्री की अवस्था वृद्धा मानी गयी है। इनका वाहन वृषभ है तथा शरीर का वर्ण शुक्ल है। ये अपने चारों हाथों में क्रमशः त्रिशूल, डमरू, पाश और पात्र धारण करती हैं। ये रुद्र शक्ति की परिचायिका हैं। इसका वर्णन सामवेद में प्राप्त होता है।

इस प्रकार गायत्री, सावित्री और सरस्वती एक ही ब्रह्मशक्ति के नाम हैं। इस संसार में सत्-असत् जो कुछ हैं, वे सब ब्रह्मस्वरूपा गायत्री ही हैं। भगवान व्यास कहते हैं- जिस प्रकार पुष्पों का सार मधु, दूध का सार घृत और रसों का सार पाय है, उसी प्रकार गायत्री मंत्र समस्त वेदों का सार है। गायत्री वेदों की जननी और पाप विनाशिनी हैं, गायत्री मंत्र से बढ़कर अन्य कोई पवित्र मंत्र पृथ्वी पर नहीं है। गायत्री मंत्र ऋग्, यजु, साम, काण्व, कपिष्ठल, मैत्रायणी, तैत्तिरीय आदि सभी वैदिक संहिताओं में प्राप्त होता है, किंतु सर्वत्र एक ही मिलता है। इसमें चौबीस अक्षर हैं। मंत्र का मूल स्वरूप इस प्रकार है- तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नरू प्रचोदयात! अर्थात् सृष्टिकर्ता प्रकाशमान परमात्मा के प्रसिद्ध वरणीय तेज का हम ध्यान करते हैं, वे परमात्मा हमारी बुद्धि को सत् की ओर प्रेरित करें। याज्ञवल्क्य आदि ऋषियों ने जिस गायत्री भाष्य की रचना की है वह इन चौबीस अक्षरों की विस्मृत व्याख्या है। इस महामंत्र के दृष्टा महर्षि विश्वामित्र हैं। गायत्री मंत्र के चौबीस अक्षर तीन पदों में विभक्त हैं। अतः यह त्रिपदा गायत्री कहलाती है। गायत्री दैहिक, दैविक, भौतिक त्रिविध तापहन्त्री एवं परा विद्या की स्वरूपा हैं। यद्यपि गायत्री के अनेक रूप हैं, परन्तु शारदातिलक के अनुसार इनका मुख्य ध्यान इस प्रकार है- भगवती गायत्री के पांच मुख हैं, जिन पर मुक्ता, वैदूर्य, हेम, नीलमणि तथा धवल वर्ण की आभा सुशोभित है, त्रिनेत्रों वाली ये देवी चंद्रमा से युक्त रत्नों का मुकुट धारण करती हैं तथा आत्मतत्व की प्रकाशिका हैं। ये कमल के आसन पर आसीन होकर रत्नों के मुकुट धारण करती हैं। इनके दस हाथों में क्रमशः शंख, चक्र, कमलयुगम, वरद तथा अभयमुद्रा, कोड़ा, अंकुश, शुभ्र कपाल और रुद्राक्ष की माला सुशोभित है। ऐसी भगवती गायत्री का हम भजन करते हैं।

धनवान और ऊंचे पद पर होते हैं दसवें नक्षत्र में जन्मे व्यक्ति

ज्योतिष शास्त्र में केतु को भले ही अशुभ ग्रहों की श्रेणी में रखा गया है लेकिन इसके नक्षत्र में जन्म लेने वाला व्यक्ति बड़ा ही भाग्यशाली होता है। ये काफी चतुर होते हैं और कूटनीति चाल चलने में माहिर होते हैं। ज्योतिषशास्त्र में बताया गया है कि 27 नक्षत्रों में 10 नक्षत्र मघा है। इस नक्षत्र का चिन्ह शाही सिंहासन वाला कमरा होता हैं। इस नक्षत्र के चारों चरण सिंह राशि में होते हैं इसलिए मघा नक्षत्र में जन्म लेने व्यक्तियों पर सूर्य का प्रभाव रहता है। मघा नक्षत्र में जन्म लेने वाले व्यक्ति बहुत ही महत्वाकांक्षी होते हैं। यह जहां भी रहते हैं अपना दबदबा बनाकर रखते हैं।

इनके लिए स्वभिमान सबसे बड़ा धन होता है और इसके साथ कभी समझौता नहीं करते हैं। इनमें समाज में उच्चवर्ग के लोगों से संपर्क बनाए रखने की चाहत होती है। सरकार और सरकारी तंत्र से निकटता बनाए रखते हैं। आर्थिक मामलों में यह काफी समझदारी से काम लेते हैं। जहां से धन का लाभ दिखता है वहां मौके का फायदा उठाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। आमतौर पर इस नक्षत्र में जन्म लेने वाले व्यक्ति ऊंचे पद पर होते हैं और इनका घर धन-धान्य से संपन्न होता है। हर तरह के भौतिक साधनों का उपभोग करते हैं।

पारिवारिक परंपराओं के प्रति इनमें आदर का भाव होता है और उसे दिल से निभाते हैं। दान-दक्षिणा देना इन्हें पसंद होता है। इनके स्वभाव की एक बड़ी विशेषता यह होती है कि जहां काम करते हैं वहां लंबे समय तक टिक कर काम करते हैं। बार-बार नौकरी बदलना पसंद नहीं करते हैं। अधिकारियों के साथ इनका अच्छा तालमेल बना रहता है। मघा नक्षत्र में जन्म लेने वाली महिलाएं साहसी और स्पष्टवादी होती हैं। इनकी महत्वाकांक्षा बहुत ऊंची होती है। मघा नक्षत्र के जातकों को रक्त संबंधी रोग एवं अस्थमा की आशंका रहती है।

बिना धड़ के सिर ने देखा पूरा महाभारत और युद्ध का निर्णायक बना

बात उस समय कि है जब महाभारत का युद्ध आरंभ होने वाला था। भगवान श्री कृष्ण युद्ध में पाण्डवों के साथ थे जिससे यह निश्चित जान पड़ रहा था कि कौरव सेना भले ही अधिक शक्तिशाली है लेकिन जीत पाण्डवों की होगी।

ऐसे समय में भीम का पौत्र और घटोत्कच का पुत्र बर्बरीक ने अपनी माता को वचन दिया कि युद्ध में जो पक्ष कमज़ोर होगा वह उनकी ओर से लड़ेगा बर्बरीक ने महादेव को प्रसन्न करके उनसे तीन अजेय बाण प्राप्त किये थे। भगवान श्री कृष्ण को जब बर्बरीक की योजना का पता चला तब वह ब्राह्मण का वेष धारण करके बर्बरीक के मार्ग में आ गये।

श्री कृष्ण ने बर्बरीक का मजाक उड़ाया कि, वह तीन वाण से भला क्या युद्ध लड़ेगा। कृष्ण की बातों को सुनकर बर्बरीक ने कहा कि उसके पास अजेय बाण है। वह एक बाण से ही पूरी शत्रु सेना का अंत कर सकता है। सेना का अंत करने के बाद उसका बाण वापस अपने स्थान पर लौट आएगा।

इस पर श्री कृष्ण ने कहा कि हम जिस पीपल के वृक्ष के नीचे खड़े हैं अपने बाण से उसके सभी पत्तों को छेद कर दो तो मैं मान जाउंगा कि तुम एक बाण से युद्ध का परिणाम बदल सकते हो। बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार करके, भगवान का स्मरण किया और बाण चला दिया। पेड़ पर लगे पत्तों के अलावा नीचे गिरे पत्तों में भी छेद हो गया। इसके बाद बाण भगवान श्री कृष्ण के पैरों के चारों ओर घूमने लगा क्योंकि एक पत्ता भगवान ने अपने पैरों के नीचे दबाकर रखा था। भगवान श्री कृष्ण जानते थे कि युद्ध में विजय पाण्डवों की होगी और माता को दिये वचन के अनुसार बर्बरीक कौरावों की ओर से लड़ेगा जिससे अधर्म की जीत हो जाएगी।

इसलिए ब्राह्मण वेषधारी श्री कृष्ण ने बर्बरीक से दान की इच्छा प्रकट की। बर्बरीक ने दान देने का वचन दिया तब श्री कृष्ण ने बर्बरीक से उसका सिर मांग लिया। बर्बरीक समझ गया कि ऐसा दान मांगने वाला ब्राह्मण नहीं हो सकता है। बर्बरीक ने ब्राह्मण से कहा कि आप अपना वास्तविक परिचय दीजिए। इस पर श्री कृष्ण ने उन्हें बताया कि वह कृष्ण हैं।

सच जानने के बाद भी बर्बरीक ने सिर देना स्वीकार कर लिया लेकिन, एक शर्त रखी कि, वह उनके विराट रूप को देखना चाहता है तथा महाभारत युद्ध को शुरू से लेकर अंत तक देखने की इच्छा रखता है। भगवान ने बर्बरीक की इच्छा पूरी कि, सुदर्शन चक्र से बर्बरीक का सिर काटकर सिर पर अमृत का छिड़काव कर दिया और एक पहाड़ी के ऊंचे टीले पर रख दिया। यहां से बर्बरीक के सिर ने पूरा युद्ध देखा।

युद्ध समाप्त होने के बाद जब पाण्डवों में यह विवाद होने लगा कि किसका योगदान अधिक है तब श्री कृष्ण ने कहा कि इसका निर्णय बर्बरीक करेगा जिसने पूरा युद्ध देखा है। बर्बरीक ने कहा कि इस युद्ध में सबसे बड़ी भूमिका श्री कृष्ण की है। पूरे युद्ध भूमि में मैंने सुदर्शन चक्र को घूमते देखा। श्री कृष्ण ही युद्ध कर रहे थे और श्री कृष्ण ही सेना का संहार कर रहे थे।

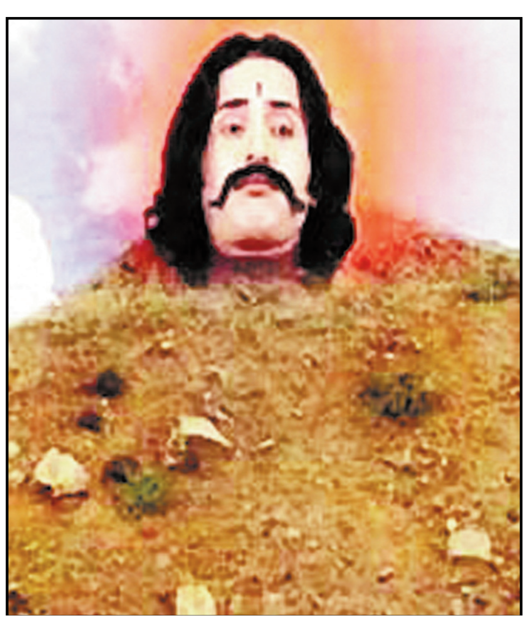

हनुमान जी ने ऐसा क्या चुरा लिया कि नफरत करने लगे लोग

कलियुग में ईश्वर के प्रतिनिधि के तौर पर हनुमान जी पृथ्वी पर देह सहित मौजूद हैं। इसलिए मंगलवार और शनिवार के दिन हनुमान मंदिर में लोगों की लंबी कतार लगती है और लोग अपनी-अपनी मुरादें हनुमान जी को सुनाते हैं।

लेकिन एक स्थान ऐसा है जहां के लोग हनुमान जी पूजा नहीं करते हैं बल्कि इनके हृदय में हनुमान जी के प्रति नफरत की भावना है। सारा देश भगवान श्री कृष्ण को माखन चोर कहता हैं लेकिन यहां लोग हनुमान जी को चोर कहते हैं, वह भी पहाड़ का चोर। हनुमान जी यह नफरत आज की नहीं है बल्कि उस समय से है जब मेघनाद के नागपाश में बंधकर राम और लक्ष्मण जी बेहोश हो गये थे। इस समय राम और लक्ष्मण को होश में लाने के लिए सुषेण नामक वैद्य ने हनुमान जी को हिमालय से संजीवनी बूटी लाने के लिए कहा।

हनुमान जी पवन की गति से उड़कर उत्तराखंड के चमोली जिला में स्थित द्रोणगिरी पर्वत पर पहुंचे। द्रोणगिरी पर्वत चमोली जिला के जोशीमठ विकास खंड के अंतर्गत बसा हुआ है। इसी पर्वत की तलहटी में द्रोणागिरी नामक गांव बसा हुआ है।

यहां के लोगों का कहना है कि हनुमान जी जब संजीवनी बूटी लेने आये तब गांव की एक वृद्ध महिला ने हनुमान जी को पर्वत का वह हिस्सा दिखाया जहां संजीवनी बूटी उगती थी। इस बूटी तक पहुंचने का रास्ता भी महिला ने ही दिखाया। हनुमान जी संजीवनी बूटी के बदले पहाड़ का वह हिस्सा ही उखाड़कर ले गये। इसलिए हनुमान ही से इनकी नाराजगी है। हनुमान जी के प्रति नाराजगी का आलम यह है कि, इस गांव में हनुमान जी का नाम लेने वाले और उनकी पूजा करने वाले को बिरादरी से बाहर भी कर दिया जाता है। वैसे इस गांव के लोगों की राम जी से कोई नाराजगी नहीं है। राम की पूजा बड़ी ही श्रद्धा भक्ति से करते हैं। यहां के लोग हर साल द्रोणगिरी की पूजा करते हैं लेकिन इस पूजा में महिलाओं को शामिल नहीं किया जाता है क्योंकि एक महिला ने ही द्रोणगिरी पर्वत का वह हिस्सा दिखाया था जहां संजीवनी बूटी उगती थी।

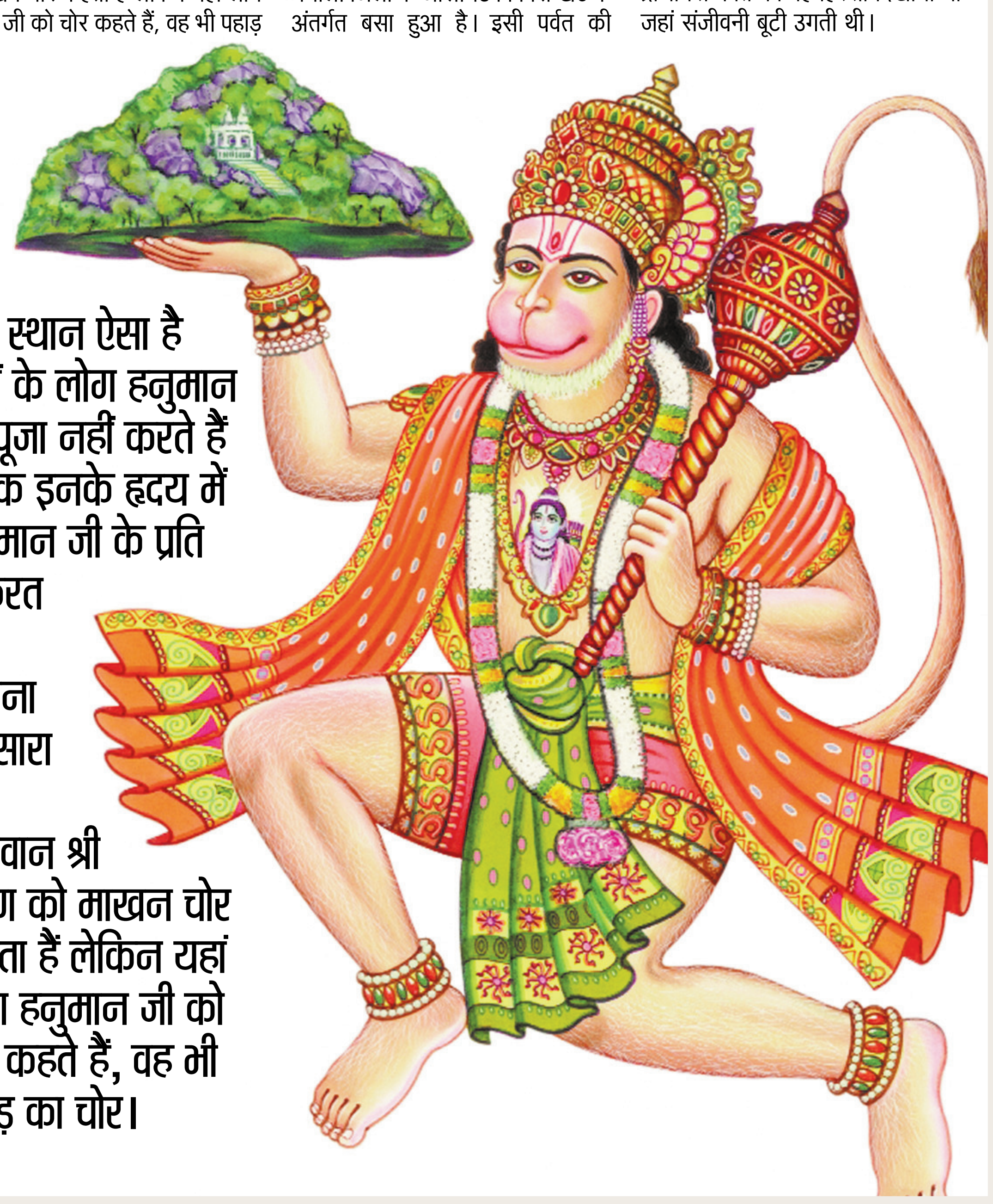

एक स्थान ऐसा है जहां के लोग हनुमान जी पूजा नहीं करते हैं बल्कि इनके हृदय में हनुमान जी के प्रति नफरत की भावना है। सारा देश भगवान श्री कृष्ण को माखन चोर कहता हैं लेकिन यहां लोग हनुमान जी को चोर कहते हैं, वह भी पहाड़ का चोर।

सरदार जी 3 से फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार दिलजीत दोसांझ

पंजाबी सिनेमा के सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार हैं। उनकी सुपरहिट फ्रेंचाइजी सरदार जी का तीसरा पार्ट 'सरदार जी 3' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाला है। दिलजीत ने हाल ही में इस फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसने फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। पोस्टर में दिलजीत एक अलग ही अंदाज में नजर आ रहे हैं, जहां वो अपने ही मस्त मौला अंदाज में खड़े हुए हैं और उनके पीछे कई महिलाएं हैं जिनके चेहरों पर घूंघट पड़ा है। इस पोस्टर ने फिल्म के रोमांच और कॉमेडी की एक झलक फैंस को दिखा दी है।

सिंगर ने कैप्शन में क्या लिखा?

दिलजीत ने इस घोषणा के साथ लिखा कि इस बार 'सरदार जी' अपने तीन गुना पागलपन के साथ लौट रहा है- रोमांटिक, कॉमिक और डरावना अंदाज इस बार दर्शकों को एक बिल्कुल अलग अनुभव देगा। फिल्म 27 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके साथ ही उन्होंने टीजर जल्द ही आने की जानकारी भी दी।
'सरदार जी' फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म
'सरदार जी' फ्रेंचाइजी की बात करें तो इसकी पहली फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई थी, जिसमें दिलजीत के साथ नीरू बाजवा और मैंडी तखर ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। यह फिल्म पंजाबी सिनेमा की पहली फैंटेसी हॉरर कॉमेडी मानी जाती है। इसके बाद 2016 में 'सरदार जी 2' आई, जिसमें दिलजीत ने तीन भूमिकाएं निभाई थीं। दर्शकों ने दोनों फिल्मों को खूब पसंद किया और अब तीसरे भाग से उम्मीदें और भी ज्यादा बढ़ गई हैं।

'सरदार जी 3' के निर्देशन की कमान

इस बार 'सरदार जी 3' का निर्देशन अमर हुंदल कर रहे हैं। फिल्म में दिलजीत दोसांझ के साथ नीरू बाजवा और मानव विज भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।
मेट गाला में छा गए दिलजीत दोसांझ
दिलजीत दोसांझ इस वक्त सिर्फ पंजाबी इंडस्ट्री में ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपने अंदाज और काम के लिए पहचाने जा रहे हैं। हाल ही में उन्होंने मेट गाला 2025 में डेब्यू किया और अपने पारंपरिक पंजाबी लुक से सभी का दिल जीत लिया। उन्होंने डिजाइनर प्रभाल गुरंग की डिज़ाइन की हुई आइवरी-गोल्ड शेरवानी, पंजाबी तहमत और राजसी गहनों के साथ रेड कार्पेट पर एंट्री ली। इस लुक की चारों ओर तारीफ हुई।

क्रिमिनल जस्टिस... में एस्परगर सिंड्रोम से पीड़ित इरा की चुनौतीपूर्ण भूमिका में खुशी भारद्वाज

अप्लॉज एंटरटेनमेंट और डिज्नी+ हॉटस्टार की बहुप्रतीक्षित सीरीज क्रिमिनल जस्टिस के चौथे सीजन, जिसका शीर्षक क्रिमिनल जस्टिस- ए फैमिली मैटर है, के प्रीमियर के बाद से ही दर्शकों में खासी चर्चा है। इस सीजन में युवा अभिनेत्री खुशी भारद्वाज ने अपने अभिनय से सभी का ध्यान खींचा है। खुशी ने इरा की एक बेहद चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाई है, जो सुरवीन चावला और मोहम्मद जीशान अय्यूब द्वारा अभिनीत किरदारों की बेटी है, और एक हाई-प्रोफाइल हत्या के रहस्य में प्रमुख संदिग्धों में से एक है। इरा के किरदार की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि वह एस्परगर सिंड्रोम से जूझ रही है।

इस जटिल किरदार को निभाने और अपने ऑडिशन के बारे में बात करते हुए खुशी भारद्वाज ने कहा, ईमानदारी से कहूँ तो, इस किरदार को निभाना एक सपने जैसा लगा, ऐसी सफल फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना अविश्वसनीय था। इंडस्ट्री के सबसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं में से एक के साथ काम करना सम्मान की बात थी। एस्परगर सिंड्रोम से पीड़ित किरदार को चित्रित करने की चुनौती पर उन्होंने कहा कि वे शुरू में इस भूमिका के लिए ऑडिशन देने को लेकर थोड़ी अनिश्चित थीं, खासकर जब उनकी 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएँ उसी समय हो रही थीं। खुशी ने इस किरदार को प्रामाणिक रूप से निभाने के लिए गहन शोध किया। उन्होंने बताया, हमने इसके लिए हामी भरी, मैंने इरा की स्थिति (एस्परगर सिंड्रोम) के बारे में बहुत सारे वीडियो देखे और इसे प्रामाणिक रूप से चित्रित करने की पूरी कोशिश की। अपने निजी अनुभवों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, अपने स्कूल में दिव्यांग बच्चों को देखने और उनसे बातचीत करने का मौका मिलने से, जिसमें मेरी अपनी कक्षा का एक छात्र भी शामिल था, मुझे एक अनूठा नजरिया मिला। मैं उनकी बातचीत की बारीकियों, सूचनाओं को समझने के उनके तरीके और उनके अनुभवों को दर्शाने वाले सूक्ष्म संकेतों को प्रत्यक्ष रूप से देख पाई।

खुशी ने आगामी एपिसोड्स के बारे में ज्यादा खुलासा न करते हुए बताया कि इनमें बहुत सारे कोर्टरूम ड्रामा और भावनात्मक सीन हैं। क्रिमिनल जस्टिस जैसे मुख्यधारा के क्राइम ड्रामा में एस्परगर सिंड्रोम वाले किरदार को शामिल करना अधिक प्रतिनिधित्व और जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह शो दर्शकों को न्यूरोडायवर्सिटी की समझ बढ़ाने में मदद करेगा। जैसे-जैसे सीरीज आगे बढ़ेगी और हत्या के रहस्य की परतें खुलेंगी, सभी की नजरें इरा पर होंगी। एस्परगर सिंड्रोम से प्रभावित उसका अनूठा नजरिया, महत्वपूर्ण सुराग दे सकता है, जिससे वह जांच में एक अप्रत्याशित और आकर्षक तत्व बन सकती है। क्रिमिनल जस्टिस- ए फैमिली मैटर में खुशी भारद्वाज का प्रभावशाली प्रदर्शन इरा के रूप में उनके अभिनय कौशल की एक अमिट छाप छोड़ने के लिए तैयार है।

बाहुबली एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी की फिल्म घाटी की नई रिलीज डेट तय

अनुष्का शेट्टी की फिल्म घाटी के साथ बड़े पर्दे पर शानदार वापसी करने जा रही हैं। यह फिल्म कृष जगरलामुडी द्वारा निर्देशित है और अब 11 जुलाई 2025 को रिलीज होगी। पहले इस फिल्म को 18 अप्रैल 2025 में रिलीज किया जा रहा था। निर्माताओं ने नई रिलीज डेट की घोषणा के साथ एक शोनादार पोस्टर भी शेयर किया है, जो फिल्म के दमदार अंदाज को दर्शाता है। यह फिल्म पूरे भारत में रिलीज की जाएगी। इस पोस्टर में एक नदी में सभी स्टार्स किसी को सामने घूरते नजर आ रहे हैं, जैसे वह सभी किसी खास मिशन पर गए हों।
फिल्म निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर फिल्म घाटी के नए पोस्टर के साथ इसकी नई रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, अपना सिंहासन हासिल करने और बॉक्स ऑफिस पर विजय पाने के लिए आ रही है।
घाटी में अनुष्का एक साहसी और देहाती किरदार निभा रही हैं, जो एक मारिजुआना व्यापारी है। जो बाद में अपराध की दुनिया में उतरकर एक ताकतवर शख्सियत बन जाती है। फिल्म में बहुबली फेम अनुष्का शेट्टी के अलावा तमिल अभिनेता विक्रम प्रभु भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। यूवी क्रिएशन्स और फर्स्ट फ्रेम एंटरटेनमेंट्स द्वारा निर्मित इस फिल्म का संगीत विद्या सागर ने तैयार किया है।
अनुष्का शेट्टी की फिल्म घाटी का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के नए पोस्टर को देखने और फिल्म की नई रिलीज डेट का पता लगने के बाद फैंस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं और साथ ही अनुष्का को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं।

रोहित शेट्टी की अगली फिल्म का हिस्सा बनेंगी नुसरत

नुसरत भरुचा को पिछली बार फिल्म छोरी 2 में देखा गया था। ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। अब नुसरत को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। वह अब निर्देशक रोहित शेट्टी की अगली सस्पेंस थ्रिलर फिल्म में लीड रोल निभाने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... रोहित इस बार एक डरावनी और रोमांचक थ्रिलर फिल्म प्रोड्यूस कर रहे हैं, जिसका निर्देशन ईश्वर निवास करेंगे। यह प्रोजेक्ट अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और इसका नाम अभी तय नहीं हुआ है। नुसरत को इस रोल के लिए रोहित की पहली पसंद बताया जा रहा है। रोहित को ऐसी कहानियां पसंद हैं जो मजबूत इमोशनल रिएक्शन देती हैं। हॉरर जॉनर एक्शन की तरह ही रोमांचक हो सकता है। नुसरत उनकी पहली पसंद थीं, क्योंकि छोरी में उन्होंने दिखाया कि वह डरावनी कहानी को कमजोरी और ताकत के साथ निभा सकती हैं। ईश्वर निवास, जो शूल और लव के लिए कुछ भी करेगा जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, इस प्रोजेक्ट को एक डरावना अंदाज देंगे। नुसरत को पिछली बार छोरी 2 में देखा गया था। ये ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई थी।

मणिरत्नम की फिल्म हर रोज ऑफर नहीं होती

बॉलीवुड एक्टर अली फजल ने फिल्म ठग लाइफ के लिए हां कहने के पीछे की वजह का खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि मणिरत्नम की फिल्म हर रोज ऑफर नहीं होती और निश्चित रूप से स्टार कमल हासन के साथ तो बिल्कुल नहीं। अली फजल ने कहा, आपके जीवन में कुछ ऐसे कॉल आते हैं, जिनके बारे में आपको तुरंत पता चल जाता है कि वे आपकी यात्रा की दिशा बदलने वाले हैं, यह उनमें से एक था।
अभिनेता ने कहा कि अपकमिंग फिल्म ठग लाइफ के लिए हां कहने से पहले उन्हें एक सेकंड के लिए भी नहीं सोचना पड़ा। उन्होंने कहा, जब आप मणिरत्नम का नाम सुनते हैं, तो आप सिर्फ सिनेमा के बारे में नहीं सोचते बल्कि आप विरासत के बारे में सोचते हैं। आप ऐसी कहानी के बारे में सोचते हैं, जो गहरी भावनाओं और मानवीय कहानियों से भरी होती है। मुझे 'ठग लाइफ' के लिए हां कहने से पहले एक पल के लिए भी नहीं सोचना पड़ा। मणिरत्नम की फिल्म में काम करना कोई रोजमर्रा का मौका नहीं है, खासकर जब इसमें कमल हासन जैसे महान अभिनेता शामिल हों। अली ने कहा कि वह फिल्म का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं।
अली ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह फिल्म भारतीय सिनेमा के विभिन्न क्षेत्रों के कलाकारों को एक साथ लाती है और कई भाषाओं में बन रही है, जो इसे और भी खास बनाता है। उन्होंने कहा, यह एक ऐसी महत्वाकांक्षी और बड़ी कहानी है, जिसमें मैं हमेशा से हिस्सा लेना चाहता था। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व और उत्साह की बात है। मणिरत्नम की फिल्म 'ठग लाइफ' एक शानदार सिनेमाई अनुभव प्रदान करने वाली है, जिसमें दमदार अभिनय, रोमांचक कहानी और भव्य दृश्यों का मिश्रण होगा। यह फिल्म मणिरत्नम की निर्देशकीय शैली को दर्शाती है। सुपरस्टार कमल हासन इस फिल्म के मुख्य अभिनेता हैं। 'ठग लाइफ' 5 जून को सिनेमाघरों में तमिल, हिंदी, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज होगी। इसके अलावा, अली फजल फिल्म मेट्रो...इन दिनों में भी नजर आएंगे, जो अनुराग बासु के डायरेक्शन में बनी है। यह फिल्म आधुनिक पृष्ठभूमि में प्यार की जटिलताओं और भावनाओं को दिखाती है। यह अनुराग बासु की 2007 की फिल्म लाइफ इन अ... मेट्रो का एक तरह से सीक्वल है, जिसमें मुंबई में नौ लोगों की आपस में जुड़ी जिंदगियों की कहानी दिखाई गई थी। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अनुराग बसु और तानी बसु द्वारा निर्मित यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

एक्टिंग तो मेरे खून में है

फिल्म निर्माता-निर्देशक बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर अब अभिनय जगत की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। अंशुला प्राइम वीडियो की सीरीज 'द ट्रेटर्स' से डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, जिसे करण जौहर होस्ट करेंगे।

होस्ट करण जौहर ने सीरीज के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अंशुला से पूछा, क्या आप गेम में आगे बढ़ने के लिए किसी को धोखा दे सकती हैं? जवाब देते हुए अंशुला ने बताया, आपने मुझे मासूम और शांत कहा, मैं ऐसी दिख सकती हूं, मैं प्यारी भी दिख सकती हूं, लेकिन एक्टिंग तो मेरे खून में है। मैं आत्मविश्वास से भरपूर हूं और यही मेरी खूबी है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान करण जौहर ने बताया कि यह शो झूठ, धोखे और ड्रामे से भरा है। वह न सिर्फ गेम को कंट्रोल करेंगे, बल्कि 20 प्रतियोगियों के बीच होने वाले झगड़े और साजिशों को भी करीब से देखेंगे।
प्राइम वीडियो इंडिया के हेड ऑफ ओरिजिनल्स निखिल माधोक ने कहा, प्राइम वीडियो पर हम हमेशा कुछ नया और अलग पेश करने की कोशिश करते हैं। द ट्रेटर्स के साथ हम एक ऐसे फॉर्मेट में उतर रहे हैं जैसा भारत ने पहले कभी नहीं देखा। ट्रेलर तो सिर्फ एक झलक है। यह एंटरटेनमेंट को एक नए लेवल पर ले जाएगा। यह ट्रस्ट और धोखे की सबसे बड़ी परीक्षा है, जहां खिलाड़ी हर वक्त शक और साजिश के माहौल में खेलते हैं और उनका माइंड ही उनका सबसे बड़ा हथियार होता है। हमें इस शानदार प्रोजेक्ट पर काम करने की खुशी है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के भारतीय वर्जन में 20 मशहूर हस्तियां हैं, जिनमें अंशुला कपूर के साथ अपूर्वा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरौजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जानवी गौर, जैस्मीन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, निकिता लूथर, राज कुंद्रा, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और ऊर्फी जावेद समेत अन्य के नाम शामिल हैं।

'धूम 4' को निर्देशित करेंगे अयान मुखर्जी

आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूस 'धूम' सीरीज की फिल्मों के डायरेक्टर बदले रहे हैं। पिछली फिल्मों को अलग-अलग निर्देशकों ने बनाया था। अब 'धूम 4' के लिए भी एक नए डायरेक्टर का नाम सामने आ रहा है। प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा और राइटर श्रीधर राघवन ने फिल्म 'धूम 4' की स्क्रिप्ट पर काम कर लिया है। यह जानकारी प्रोडक्शन हाउस के एक करीबी सूत्र ने साझा की है। इस फिल्म में रणबीर कपूर लीड रोल में होंगे। रणबीर कपूर के अलावा बाकी कास्टिंग पर अभी काम चल रहा है। इसी बीच अयान मुखर्जी का नाम फिल्म के डायरेक्टर के तौर पर सामने आया है। रणबीर कपूर और अयान मुखर्जी अच्छे दोस्त हैं। एक साथ कई फिल्में कर चुके हैं। इसमें 'वेक अप सिड', 'ये जवानी है दीवानी' और 'ब्रह्मास्त्र' शामिल हैं। ये सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही हैं। इस तरह देखा जाए तो ये दोनों एक हिट एक्टर-डायरेक्टर की जोड़ी है। फिल्म 'धूम 4' की कास्टिंग पूरी हो गई तो प्रोडक्शन हाउस इस फिल्म की शूटिंग अगले साल अप्रैल में शुरू कर देगा। इस फ्रैंचाइजी की पिछली फिल्मों में चोर-पुलिस का खेल दिखा है।

शुभमन की कप्तानी में टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड पहुंची भारतीय क्रिकेट टीम

लंदन (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड पहुंच गयी है। ये सीरीज 20 जून से शुरु होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम के लंदन पहुंचने का वीडियो भी जारी किया है। बीसीसीआई ने इसमें लिखा, टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए लंदन पहुंच गई है। इस वीडियो में भारतीय खिलाड़ी काफी तरोताजा नजर आ रहे हैं। टीम इस लंबे दौरे के लिए पूरी तरह से तैयार दिख रही है। इस दौरे के लिए भारतीय टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ी शामिल हैं। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी भी इस टीम में हैं।

वहीं इंग्लैंड रवाना होने से पहले शुभमन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के बिना खेलने की चुनौतियों पर भी बात की थी। वहीं टीम पर दबाव को लेकर शुभमन ने कहा था, मुझे लगता है कि हर बार जब आप मैच खेलते हैं या दौरा शुरू करते हैं, तो दबाव होता है। ऐसे में हर सीरीज से पहले दबाव होता है, लेकिन यहां कोई अतिरिक्त दबाव नहीं होगा।उन्होंने साथ ही कहा, रोहित और विराट बहुत अनुभवी खिलाड़ी हैं और उनकी जगह भरना बहुत मुश्किल है, बतौर टीम हमारे पास बहुत अनुभव है। हमने बहुत सारे मैच खेले हैं। साथ ही कहा कि टीम के सभी खिलाड़ी दबाव में भी खेलना जानते हैं। साथ ही कहा कि हमारी टीम में बल्लेबाजी और गेंदबाजी का समन्वय बहुत अच्छा है।

वहीं बल्लेबाजी क्रम को लेकर शुभमन ने कहा कि अभी तक तय नहीं किया है कि वह किस नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। उन्होंने पिछले दौरों में ओपनिंग के अलावा नंबर-3 पर भी बल्लेबाजी की है पर रोहित के न होने के कारण वह यशस्वी जायसवाल के साथ पारी शुरु भी कर सकते हैं। शुभमन ने उस पल को भी याद किया, जब उन्हें पहली बार टेस्ट टीम का कप्तान बनाए जाने की खबर मिली थी। उन्होंने कहा, जब पता चला कि मुझे इस तरह का अवसर मिलेगा, तो मैं बहुत उत्साहित था। यह अनुभव काफी उत्साहजनक था पर साथ ही मुझे लगता है कि यह एक बड़ी जिम्मेदारी है। साथ ही कहा कि हमने अभी तक बल्लेबाजी क्रम को लेकर कोई फैसला नहीं किया है, बहरहाल टीम इस दौर में अच्छे प्रदर्शन के लिए पूरी तरह से तैयार है।

मुसेट्टी को हराकर अल्काराज फ्रेंच ओपन के फाइनल में

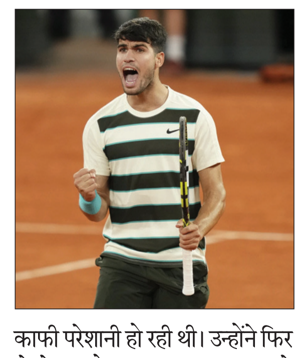

पेरिस (एजेंसी)। गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज शुक्रवार को फ्रेंच ओपन के मेंस सिंगल्स सेमीफाइनल में लोरेंजो मुसेटी के चौथे सेट की शुरुआत में चोट के कारण मुकाबले से हटने से फाइनल में पहुंच गए। आठवीं वरीयता प्राप्त इटली के मुसेटी ने मुकाबले से जब हटने का फैसला किया उस समय अल्काराज 4-6, 7-6, 6-0, 2-0 से आगे चल रहे थे। दूसरे सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच का हार मिली।

स्पेन के दूसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज ने फाइनल में जगह पक्की होने के बाद कहा, ''इस तरह का मैच जीतना बहुत अच्छी बात नहीं है। लोरेंजो एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं और उनके जल्दी ठीक होने की कामना करता हूं। उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही फिर से कोर्ट पर देख पाऊंगा।'' मुसेटी ने तीसरे सेट के आखिर में बायीं जांघ का उपचार कराया। उन्होंने चौथे सेट की शुरुआत में भी उपचार लिया, लेकिन इससे मदद नहीं मिली। 23 वर्षीय मुसेटी तीसरे सेट के 16 मिनट बाद 5-0 से पीछे थे, जब उन्होंने ट्रेनर को बुलाया।

अल्काराज ने अगले गेम में मुसेटी की सर्विस तोड़कर 21 मिनट में सेट जीत लिया। इस सेट में अल्काराज ने 29 में से 24 अंक जीते। मुसेटी कोर्ट में दौड़ लगाने में काफी परेशानी हो रही थी। उन्होंने फिर से ट्रेनर को बुलाया। अल्काराज ने चौथे सेट में उनकी सर्विस तोड़कर 2-0 की बढ़त बना ली, जिसके बाद मुसेटी धीरे-धीरे नेट की ओर बढ़े और अल्काराज ने उन्हें गले लगाया। अल्काराज ने पहले सेट में 16 गलतियां कीं, जिसे मुसेटी ने अपने नाम किया।

अल्काराज ने कहा, 'पहले दो सेट वाकई मुश्किल थे। जब मैंने दूसरा सेट जीता तो मुझे राहत मिली।' फाइनल में अल्काराज के सामने विश्व रैंकिंग के शीर्ष खिलाड़ी इटली के यानिक सिनर होंगे, क्योंकि सर्बिया के नोवाक जोकोविच की चुनौती समाप्त हो गई है। जोकोविच को यानिक सिनर ने दूसरे सेमीफाइनल मैच में हरा दिया। इस हार के बाद जोकोविच ने कहा है कि फ्रेंच ओपन में शायद उनका ये आखिरी मैच है, क्योंकि पता नहीं वह अगले साल इस इवेंट के लिए लौटेंगे या नहीं।

राहुल के शतक से इंडिया ए ने बनाये सात विकेट पर 319 रन

दूसरा अनाधिकारिक टेस्ट

नॉर्थम्पटन (एजेंसी)। केएल राहुल के शानदार शतक 116 रनों की सहायता से इंडिया ए ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट के पहले दिन सात विकेट पर 319 रन बना लिए थे। राहुल के अलावा ध्रुव जुरेल ने भी 52 रन बनाये। इस मैच में इंग्लैंड लायंस के कप्तान जेम्स यू ने टॉस जीतकर इंडिया ए को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंडिया ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स ने शुरुआत में ही यशस्वी जायसवाल 17 और कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को 11 रनों पर ही आउट कर दिया।

इसके बाद राहुल ने करुण नायर के साथ पारी को आगे बढ़ाया। करुण ने 40 रन बनाये। राहुल ने 151 गेंदों में 13 चौकों और एक छक्के की मदद से 116 रन बनाए। वहीं जुरेल ने भी 87 गेंदों में 52 रन बनाये। नितीश कुमार रेड्डी ने 34 रन बनाये। इंग्लैंड लायंस की ओर से वोक्स ने तीन जबकि जॉर्ज हिल ने दो विकेट लिए। इस अनाधिकारिक टेस्ट से दोनो ही टीमों को 20 जून से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले लया हासिल करने का अवसर मिल गया है।

टी20 मुंबई लीग : पृथ्वी शॉ की तूफानी पारी, नॉर्थ मुंबई पैंथर्स की पहली जीत !

मुम्बई (एजेंसी)। टी20 मुंबई लीग 2025 के तीसरे सीजन में शुक्रवार को वानखेड़े और डीवाई पाटिल स्टेडियम में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पृथ्वी शॉ की अगुवाई वाली नॉर्थ मुंबई पैंथर्स ने वानखेड़े स्टेडियम में आर्क्स अंधेरी को पांच विकेट से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की। शॉ ने 23 गेंदों में 33 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जबकि उनके सलामी जोड़ीदार दिव्यांश सक्सेना ने 31 गेंदों में 36 रन बनाए। दूसरी ओर, डीवाई पाटिल स्टेडियम में एमएससी मराठा रॉयल्स ने कप्तान सिद्धेश लाड (50) और चिन्मय सुतार (55) की शानदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ईगल थाने स्ट्राइकर्स को छह विकेट से मात दी।

दिन के सबसे चर्चित मुकाबले में, भारत के व्हाइट-बॉल सितारों श्रेयस अय्यर की सोबो मुंबई फाल्कन्स ने सूर्यकुमार यादव की ट्रायम्फ्स नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट को चार विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नाइट्स ने सीम मूवमेंट वाली पिच पर 145/5 का स्कोर बनाया। सूर्यकुमार 1 रन बनाकर जल्दी आउट हो गए, लेकिन सिद्धांत अधात्राओ ने 57 और सूर्यांश शेडगे ने नाबाद 49 रनों की पारी खेली।

जवाब में, फाल्कन्स की शुरुआत खराब रही, लेकिन अंगकृष रघुवंशी (42), विनायक भोईर (33), और आकाश पारकर (30 नाबाद) ने शानदार बल्लेबाजी कर टीम को चार गेंद शेष रहते जीत दिलाई।

दिन के पहले मैच में, बांद्रा ब्लास्टर्स ने डीवाई पाटिल स्टेडियम में आकाश टाइगर्स को एक रन से हराया। धनित राउत (4/29) की शानदार गेंदबाजी और ओम केशकमट (40) व ध्रुमिल मटकर (33) की पारियों ने ब्लास्टर्स को 153 रन तक पहुंचाया। जवाब में, जय बिस्ता (55) की अर्धशतकीय पारी के बावजूद टाइगर्स 152/8 पर सिमट गए।

टी20 मुंबई लीग का तीसरा संस्करण, जो भारत के प्रमुख फ्रेंचाइजी-आधारित टी20 टूर्नामेंट्स में से एक है, स्टार स्पोर्ट्स 1 (अंग्रेजी और हिंदी), स्टार स्पोर्ट्स 2 (अंग्रेजी), और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित हो रहा है। इस टूर्नामेंट में मुंबई के उभरते सितारों और अनुभवी खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन प्रशंसकों को रोमांचित कर रहा है।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से वापसी कर सकते हैं आर्चर

लंदन । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर इसी माह 20 जून से भारतीय टीम के खिलाफ शुरु हो रही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से वापसी कर सकते हैं । अंगूठे में हुए फ्रेक्चर के कारण टीम से बाहर चल रहे आर्चर को जल्द ही इससे उबरने की उम्मीद है । आर्चर ने अपना अंतिम टेस्ट चार साल पहले खेला था । इंग्लैंड के राष्ट्रीय चयनकर्ता ल्यूक राइट ने कहा है कि आर्चर दो से छह जुलाई तक एजबस्टन में होने वाले दूसरे टेस्ट से वापसी कर सकते हैं । आर्चर ने बार-बार चोटिल होने के कारण ही साल 2021 से प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेला । इसी कारण हेडिंग्ले में पहले टेस्ट के लिए उन्हें शामिल नहीं किया गया । हाल ही में आईपीएल के दौरान उनके अंगूठे में फ्रेक्चर हो गया था जिससे वह उबरने का प्रयास कर रहे हैं । राइट ने कहा, 'आर्चर काफी अच्छी तरह से अपनी चोट से उबर रहे हैं पर उनके लिए अच्छा ये है कि वह कुछ प्रथम श्रेणी मैच खेलकर लय हासिल करें । ससेक्स की दूसरी टीम का हिस्सा बनें और डरहम के खिलाफ ससेक्स के लिए खेलें । सब कुछ ठीक रहा तो वह दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध हो सकेंगे ।' अंगूठे की चोट के कारण ही वह 29 मई से तीन जून के बीच वेस्टइंडीज के खिलाफ हुई एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर रहे थे । आर्चर और तेज गेंदबाज मार्क वुड के नहीं होने से टीम की गेंदबाजी कमजोर हुई है । वुड मार्च में लगी घुटने की चोट के बाद से ही खेल से दूर हैं ।

आरसीबी की जीत के जश्न में हुए हादसे की आंच विराट तक पहुंची , पुलिस में शिकायत दर्ज

बेंगलुरु । यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के जश्न के दौरान 11 लोगों की मौत के मामले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) प्रबंधन के बाद अब टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली के खिलाफ भी शिकायत दर्ज की गयी है । इस मामले को आपराधिक लापरवाही कहा जा रहा है क्योंकि आरसीबी की जीत का जश्न अचानक ही मनाया गया और उसके लिए जरुरी इंतजाम नहीं किये गये । पुलिस ने इस कार्यक्रम के लिए सुरक्षा देने में असमर्थता जतायी थी पर इसके बाद भी उसपर दबाव बनाया गया । 18 साल बाद टीम की जीत के बाद बेंगलुरु की सड़कों पर जश्न का माहौल था । अगले दिन जैसे ही पूरी टीम ट्रॉफी के साथ शहर लौटी, स्टेडियम और विधानसभा के पास हजारों की भीड़ जमा हो गई । लोगों की संख्या इतनी अधिक थी कि पुलिस नियंत्रण नहीं बना पायी । इस घटना के लिए कर्नाटक सरकार ने आरसीबी प्रबंधन, कर्नाटक क्रिकेट संघ (केएससीए) और इवेंट आयोजित करने वाली डीएनए कंपनी को जिम्मेदार ठहराया । इसके बाद पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है आरसीबी के मार्केटिंग और रेवेन्यू हेड निखिल सोसाले, उनके साथी सुमंत, डीएनए कंपनी के मैनेजर किरण और उनके सहयोगी मैथ्यू । इन चारों को कोर्ट में पेश कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है । वहीं बेंगलुरु के एक स्थानीय नागरिक वेंकटेश ने विराट के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करने की मांग की है । उनका आरोप है कि कोहली न केवल टीम का चेहरा हैं, बल्कि इस इवेंट के प्रमोशन से भी जुड़े थे, इसलिए उन पर भी जिम्मेदारी बनती है । शिकायत कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है ।

विराट-रोहित का अनुभव होगा मिस, लेकिन भारत तैयार : रिकी पोंटिंग

मुंबई - ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाजों की जगह लेना मुश्किल होगा, लेकिन भारत के पास युवा प्रतिभाओं की गहराई है, जो इस चुनौती को अन्य देशों से बेहतर ढंग से संभाल सकती है । 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज, जो अगस्त 2025 तक चलेगी, प्रशंसकों और खिलाड़ियों के लिए एक भावनात्मक चुनौती होगी। रोहित और विराट के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, शुभमन गिल की अगुवाई वाली नई भारतीय टीम को इंग्लैंड की मुश्किल परिस्थितियों में खुद को साबित करना होगा। ध्रुव जुरेल, करुण नायर, अभिमन्यु ईस्वरन और साई सुदर्शन जैसे युवा और आईपीएल/घरेलू क्रिकेट के सितारों को मुख्य टीम में जगह मिली है । आईसीसी रिव्यू में पोंटिंग ने कहा कि इतने लंबे समय तक खेलने वाले खिलाड़ियों की जगह लेना हमेशा मुश्किल होता है। लेकिन अगर कोई देश इसे जल्दी कर सकता है, तो वह भारत है, क्योंकि उनके पास युवा प्रतिभाओं की भरमार है । उन्होंने कहा कि मैंने 10 साल तक आईपीएल में यह देखा है। यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आते ही शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं । भारत स्किल को आसानी से बदल सकता है, लेकिन अनुभव की कमी होगी । शुभमन गिल जैसे युवा कप्तान के साथ, केएल राहुल और जसप्रीत बुमराह जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी हैं । पोंटिंग ने कहा कि पुनर्निर्माण के दौर में भारत अन्य टीमों से बेहतर सामना कर सकता है । रोहित ने पिछले महीने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा, और कुछ दिनों बाद विराट ने इंस्टाग्राम पर भावुक नोट के साथ संन्यास लिया ।

सिनर ने जोकोविच को हराकर रोलांड-गैरोस फाइनल में प्रवेश किया

पेरिस (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जैनिक सिनर ने शुक्रवार रात को रोलैंड-गैरोस सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर शानदार प्रदर्शन कर पहली बार फाइनल में प्रवेश किया, जिससे सर्बियाई खिलाड़ी जोकोविच की रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की आशाओं पर विराम लग गया। सिनर ने जोकोविच को 6-4, 7-5, 7-6(3) से हराया। इस जीत के साथ, सिनर ने ग्रैंड स्लैम जीतने की अपनी लय को 20 मैचों तक और सेटों की संख्या को 29 तक पहुंचा दिया, जिससे वह यूएस ओपन और ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीत के बाद लगातार तीसरे फाइनल में पहुंच गए। 23 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी सिनर ऐसे पहले खिलाड़ी भी बने, जिसने रोलांड-गैरोस फाइनल में प्रवेश किया।

सिनर का अब रविवार को स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ के खिलाफ़ एक रोमांचक खिताबी मुकाबला होगा, जो 2000 के दशक में जन्मे दो खिलाड़ियों के बीच यह पहला पुरुष ग्रैंड स्लैम फ़ाइनल होगा। मैच के शुरुआत से ही, सिनर ने आक्रामक बेसलाइन खेल के साथ नियंत्रण बनाए रखा और पहले सेट में ही जोकोविच की सर्विस तोड़कर 3-2 की बढ़त ले ली, जिससे यह 6-4 हो गया। जोकोविच ने बहादुरी से मुकाबला किया और विंटेज शॉटमेकिंग से दर्शकों को रोमांचित किया, जिसने कोर्ट फिलिप-चैटियर से तालियाँ बटोरीं।

हालांकि, जब दूसरे सेट में जोकोविच ने 5-5 से बराबरी की, तब भी सिनर ने लगातार दबाव बनाया और फोरहैंड ड्राइव वॉली और दूसरे सर्व ऐस के साथ गति को पुनः प्राप्त किया और सेट को 7-5 से अपने नाम किया। तीसरा सेट एक डॉगफाइट में बदल गया, जिसमें जोकोविच ने ब्रेक पॉइंट बचाए और 5-4 पर तीन सेट पॉइंट बनाए, लेकिन सिनर ने बिना किसी हिचकिचाहट के उन सभी को बचा लिया और निर्णायक टाईब्रेक में 7-3 से दबदबा बनाते हुए मैच को तीन घंटे से भी कम समय में समाप्त कर दिया।

मैच के बाद सिनर ने कहा कि वह जोकोविच को 'रोल मॉडल' के रूप में मानते हैं और इस अवसर की महानता को स्वीकार किया यह मेरे लिए एक विशेष अवसर था, जोकोविच के खिलाफ़ ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में। मुझे आगे बढ़ना था, मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेलना था। जोकोविच ने 2008 से 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं, जिनमें से तीन रोलांड-गैरोस में जीते हैं। इस जीत के साथ, सिनर फेडरर, नडाल, जोकोविच और मरे की कुलीन कंपनी में शामिल हो गए हैं और इस सदी में लगातार तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले कुछ पुरुषों में से एक हैं। रविवार को पुरुषों का फाइनल सिनर और अल्काराज़ के बीच होगा, जिसमें इतालवी हाल की हार का बदला लेने और लगातार दूसरा प्रमुख खिताब हासिल करने के लिस प्रयासरत रहेगा।

फ्रेंच ओपन : कार्लोस अल्कराज फाइनल में, संबालेंका और गॉफ महिला वर्ग के फाइनल में

पेरिस । स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज सेमीफाइनल मुकाबले में इटली के चोटिल लोरेंजो मुसेट्टी को हराकर अपना फ्रेंच ओपन पुरुष एकल के फाइनल में जगह बना ली है । वही महिला वर्ग का फाइनल वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना, सबालेंका और अमेरिका की कोको गॉफ के मध्य खेला जाएगा । अल्काराज ने पहला सेट गंवा दिया था, लेकिन इसके बाद वह 4-6, 7-6 (3), 6-0, 2-0 से आगे चल रहे थे । इसी दौरान इटली के मुसेट्टी ने जांघ की चोट के कारण खेल छोड़ दिया । अल्काराज का रविवार को फाइनल में मुकाबला जैनिक सिनर और नोवाक जोकोविच के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा । सबालेंका ने गुरुवार को खेले गए विमेंस सिगल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक को 7-6(1), 4-6, 6-0 हराया । छठे ग्रैंड स्लैम फाइनल में - सबालेंका पहली बार इस ग्रैंड स्लैम के खिताबी मुकाबले में पहुंची हैं । वहीं, उनका कुल छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल है । फाइनल में सबालेंका का सामना वर्ल्ड नंबर-2 अमेरिका की कोको गॉफ से होगा । ये दोनों खिलाड़ी पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में एक-दूसरे से भिड़ेंगी । इगा स्वियातेक पिछले तीन बार लगातार फ्रेंच ओपन चैंपियन रहीं । गॉफ ने बाइसन को हराया - कोको गॉफ ने फ्रेंच ओपन वाइल्ड कार्ड लोइस बॉइसन को 6-1, 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया । गॉफ भी पहली बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंची हैं । 21 साल की अमेरिकी खिलाड़ी वर ओपन (2023) के बाद से दूसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलेंगी । कोको पहली बार फाइनल में हैं । कोको गॉफ पहली बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंची हैं । सबालेंका ने क्वार्टर फाइनल में झेंग को हराया था ।

भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट का अधिक बोझ उठा रहे : मार्नस लाबुशेन

लंदन । ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट वर्तमान में 'शानदार स्थिति' में है और वे उम्मीद करते हैं कि सभी देश 'महान खिलाड़ी' तैयार करते रहेंगे ताकि इस प्रारूप की 'अद्भुत' परंपरा को बनाए रखा जा सके । लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खिताब रक्षा के लिए तैयारी कर रहे हैं, जो बुधवार से लॉर्ड्स में शुरू होगा । 30 वर्षीय इस ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने डब्ल्यूटीसी को 'रोमांचक' बनाने वाले कारकों पर प्रकाश डाला और इसे एक 'शानदार' टूर्नामेंट बताया । उन्होंने कहा कि यह एक रोमांचक टूर्नामेंट है । हर टेस्ट मैच में कुछ दांव पर होता है, यह सभी देशों को खेल में लाता है, और कोई भी फाइनल में पहुंच सकता है । दो साल के चक्र के अंत में आप एक ट्रॉफी के लिए खेलते हैं । मुझे लगता है कि यह शानदार ढंग से काम कर रहा है । दो साल पहले, जब हमने भारत को हराया था, वह अनुभव अद्भुत था । एक खिलाड़ी के दृष्टिकोण से, खेल बहुत अच्छी स्थिति में है । लाबुशेन 2023 में द ओवल में भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की पहली डब्ल्यूटीसी जीत का हिस्सा थे, जहां ऑस्ट्रेलिया ने 209 रनों से शानदार जीत हासिल की थी । उन्होंने कहा कि जब भी टेस्ट क्रिकेट होता है, लोग इसे देखना चाहते हैं । भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड शायद टेस्ट क्रिकेट का बोझ थोड़ा अधिक उठा रहे हैं, लेकिन हम चाहते हैं कि सभी देश महान खिलाड़ी तैयार करें और टेस्ट क्रिकेट की इस अद्भुत परंपरा को बनाए रखें । लाबुशेन ने 2019 के एशेज में लॉर्ड्स में अपने करियर की शुरुआत की थी, जहां वे क्रिकेट के पहले कन्कशन सब्स्टिट्यूट बने । इसके बाद, दक्षिण अफ्रीका में जन्मे इस बल्लेबाज ने शानदार प्रदर्शन किया । 14 टेस्ट के बाद उनका औसत 63.43 रहा, और वे दिसंबर 2021 से छह महीने तक आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर रहे । उन्होंने अपने क्लब के साथ रिश्ते पर कहा कि मुझे यहां दोस्तों के साथ खेलना पसंद है ।

नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतर्राष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता अब पांच जुलाई को बेंगलुर में होगी

देश विदेश के कुल 12 खिलाड़ी होंगे शामिल होंगे

नई दिल्ली । नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतर्राष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता अब पांच जुलाई को बेंगलुरु में आयोजित की जाएगा । आयोजकों ने कहा है कि श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित की जाने वाली इस प्रतियोगिता में 12 खिलाड़ी भाग लेंगे । इससे पहले ये प्रतियोगित 24 मई को होनी थी पर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के कारण स्थागित कर दिया गया था । ये पहली बार है जब भारत में किसी अंतर्राष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है । इस प्रतियोगिता का आयोजन जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से किया जा रहा है और इसे भारतीय एथलेटिक्स महासंघ से भी मंजूरी मिली हुई है । इस टूर्नामेंट में देश विदेश के कुल 12 खिलाड़ी होंगे शामिल होंगे । इस टूर्नामेंट में नीरज चोपड़ा समेत पांच भारतीय सचिन यादव, किशोर जेना, रोहित यादव और साहिल सिलवाल शामिल होंगे । वहीं विदेश के सात सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेड के एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के 2016 ओलंपिक स्वर्ग विजेता थॉमस रोहलर, कीनिया के 2015 के वर्ल्ड चैंपियन जूलियस येगो, अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन, जापान के एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जेनकी डीन, श्रीलंका के रुमेश पथिरेज और ब्राजील के लुईज मौरिसियो दा सिल्वा शामिल हैं । इस प्रतियोगिता के लिए टिकट की कीमत 199 रुपये से लेकर 9,999 रुपये तक होगी । इसके अलावा 15 व्यक्तियों के लिए पांच कॉर्पोरेट बॉक्स 44,999 रुपये में उपलब्ध हैं । वहीं थ्रोअर रनवे के पास एक विशेष स्टैंड की कीमत 9,999 रुपये है, जबकि रनवे के ठीक पीछे स्थित नॉर्थ अपर स्टैंड में एक और विशेष स्टैंड 2,999 रुपये में है ।

नॉर्वे शतरंज : चीन के वे यी पर गुकेश की जीत , याद आई ओलंपियाड की जीत

मुंबई (एजेंसी)। स्टावेंगर , नॉर्वे (निकलेश जैन) भारत के विश्व शतरंज चैम्पियन डी गुकेश नें नॉर्वे शतरंज के आखिरी राउंड के ठीक पहले नौवे राउंड में चीन के वे यी को मात देते हुए खुद को एक बार फिर ख़िताबी दौड़ में शामिल कर लिया है । गुकेश नें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए चीन के वे यी पर एक और यादगार जीत दर्ज की , गुकेश नें कुछ इसी अंदाज में पिछले साल शतरंज ओलंपियाड में वे यी के खिलाफ मुक़ाबला जीता था और देश का स्वर्ण पदक पक्का कर दिया था । इस मुक़ाबले में भी गुकेश नें एंडगेम में जाकर अपनी महारत साबित करते हुए जीत दर्ज की । इसी टूर्नामेंट की पिछली भिड़ंत में वे यी ने गुकेश को अर्मागेडोन में मात दी थी, लेकिन इस बार गुकेश ने पेत्रोफ डिफेंस के खिलाफ शानदार खेल दिखाया और 40 चालों में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ गुकेश अब 14.5 अंको के साथ कार्लसन के ठीक पीछे है और अगर 15 अंको पर खेल रहे कार्लसन अंतिम क्लासिकल मुकाबले में भारत के अर्जुन एरिगैसी को हराते हैं तो वह सीधे विजेता बन जाएंगे। लेकिन अगर ऐसा नहीं होता, और गुकेश या अन्य खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो समीकरण बदल सकते हैं। इस टूर्नामेंट का फिनाले बेहद रोमांचक होने वाला है क्योंकि दुनिया के शीर्ष 5 में से चार खिलाड़ी खिताब की दौड़ में हैं।

गुकेश ने वे यी को क्लासिकल में हराया

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने चीन के वे यी के खिलाफ क्लासिकल मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। पिछली भिड़ंत में वे यी ने गुकेश को अर्मागेडोन में मात दी थी, लेकिन इस बार गुकेश ने पेत्रोफ डिफेंस के खिलाफ शानदार खेल दिखाया और 40 चालों में जीत दर्ज की

कार्लसन ने क्लासिकल में हराया करूआना को

मैग्नस कार्लसन ने फाबियानो करूआना को क्लासिकल मुकाबले में मात दी। खेल लगभग बराबरी पर चल रहा था, लेकिन ब्लैक की एक गलती—एक अनावश्यक प्यादा लेने के चलते—कार्लसन को निर्णायक बढ़त दिला गई और उन्होंने जीत दर्ज की और यह जीत कार्लसन को 15 अंको के साथ शीर्ष अपर पहुंचाने के लिए काफी थी ।

वहीं अर्जुन एरिगैसी ने पहले मुकाबले में नाकामुरा को अर्मागेडोन में हराया था, लेकिन इस बार नाकामुरा ने बदला लेते हुए अर्मागेडोन में अर्जुन को पराजित कर 1.5 अंक हासिल किए।और वह अब 13 अंको के साथ तीसरे स्थान पर चल रहे है अंतिम राउंड में अर्जुन एरिगैसी बनाम मैग्नस कार्लसन, फाबियानो करूआना बनाम डी गुकेश और वे यी बनाम हिकारू नाकामुरा के मुक़ाबले होंगे ।